पानी समुद्र में बहे और किसान.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

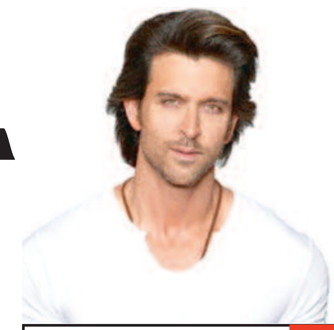

ऋतिक-सबा के ब्रेकअप की... 11

वर्ष - 02, अंक - 139 | गाजियाबाद / शनिवार 22 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

तीन साल नहीं अब एक साल की वकालत करके भी बन सकेंगे जज

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला,जज बनने की तैयारी कर रहे युवाओं को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। निचली अदालतों में जज बनने की तैयारी कर रहे युवाओं को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने मई 2025 के फैसले में संशोधन करते हुए एंट्री-लेवल न्यायिक सेवा परीक्षा के लिए 3 साल की अनिवार्य वकालत की शर्त को घटाकर 1 साल कर दिया है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने 2-1 के बहुमत से यह फैसला सुनाते हुए समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब उम्मीदवारों के

लिए परीक्षा में बैठने हेतु 3 साल की जगह सिर्फ 1 साल का वकालत का अनुभव होना चाहिए। इतना ही नहीं जिन न्यायिक परीक्षाओं के नोटिफिकेशन 25 मई 2025 से 31 मार्च 2027 के बीच जारी होंगे, उनके लिए यह अनुभव अनिवार्य नहीं होगा। यानी इस अवधि में बिना अनुभव वाले उम्मीदवार भी परीक्षा दे सकेंगे। हालांकि इस बीच (बिना अनुभव के) चुने गए उम्मीदवारों को सीधे जज नहीं बनाया जाएगा। वे पहले 1 साल के लिए ट्रेनी ज्यूडिशियल ऑफीसर के रूप में काम करेंगे और उन्हें 1 साल की स्ट्रक्चर्ड क्लर्कशिप से गुजरना होगा।

1 अप्रैल 2027 से लागू होगा नया नियम

बता दें कि जिन परीक्षाओं के नोटिफिकेशन 1 अप्रैल 2027 या उसके बाद जारी होंगे, उन पर नया संशोधित नियम (1 साल के अनुभव वाला) पूरी तरह लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मई 2025 में बिना किसी ट्रांजिशन पीरियड के अचानक 3 साल की प्रैक्टिस का नियम लागू कर देने से नए लॉ ग्रेजुएट्स और युवा वकीलों के सामने भारी मुश्किलें खड़ी हो गई थीं। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जज बनने के लिए वकालत के पेशे का अनुभव होना जरूरी है, लेकिन इस नियम से युवाओं को अचानक असुविधा नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने फ्रेश लॉ ग्रेजुएट्स के सीधे जज बनने की परीक्षा पर रोक लगाते हुए कम से कम 3 साल की वकालत की शर्त अनिवार्य कर दी थी। इसके बाद जुलाई 2025 में अदालत ने इस फैसले के खिलाफ दाखिल पुनर्विचार याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। ऐसे में अब नए फैसले के तहत कोर्ट ने रिव्यू पिटीशन पर सुनवाई करते हुए 3 साल की शर्त को 1 साल कर दिया है और बीच के समय के लिए विशेष राहत दी है।

संक्षिप्त समाचार

अमरीका नहीं जा पाएंगे तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी

- केंद्र का झटका,अमेरिका जाने की नहीं मिली परमीशन

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने की केंद्र से मंजूरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सीएमओ के

मुताबिक, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल अमेरिका दौरा नहीं कर सकेगा। विदेश मंत्रालय ने राजनीतिक आधार पर क्लियरेंस देने से इनकार किया है। रेवंत रेड्डी फिलहाल लंदन में हैं। उन्हें अमेरिका के बोस्टन जाना था और 30 अगस्त को हैदराबाद लौटना था, लेकिन अब वे 23 अगस्त को सीधे हैदराबाद लौटेंगे। हालांकि, सीएम रेड्डी ने अधिकारियों को अमेरिका जाए बिना वहां के संस्थानों के साथ सभी एमओयू और साझेदारी समझौते पूरे करने के निर्देश दिए हैं। **पहले से तय था यूके और यूएस का दौरा-** रेवंत 20 अगस्त को लंदन पहुंचे थे। यूके दौरे में ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और लंदन बिजनेस स्कूल के कार्यक्रम शामिल थे। उन्हें एमिरेट्स स्टेडियम में फुटबॉल से जुड़े कार्यक्रम में भी जाना था।

अखिलेश-मायावती को योगी सरकार ने दी बुलेट प्रूफ जैकेट

- पहली बार 52 नेताओं को बांटी, इनमें राजभर, नंदी,अपर्णा यादव का भी नाम

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव, मायावती समेत 52 नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट दी। इनमें 11 कैबिनेट मंत्री भी हैं। मंत्री संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', ओपी राजभर, अपर्णा यादव को जैकेट मिल गई है। बुलेट प्रूफ जैकेट यूपी सरकार के सुरक्षा मुख्यालय ने खरीदी है। एक बुलेट प्रूफ की कीमत 1.5 लाख रुपए बताई जा रही है। मंत्री

संजय निषाद ने बुलेटप्रूफ जैकेट मिलने की पुष्टि की। उन्होंने कहा- उन्हें बुलेटप्रूफ जैकेट पहनना ही नहीं आता है। अब तक इसे पहनना नहीं सिखाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा 2027 को देखते हुए सरकार ने एहतियातन यह फैसला लिया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट मुहैया कराई गई है। पहले चरण में 8 जबकि दूसरे चरण में अब 44 नेताओं को जैकेट बांटी गई है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर बुलेट प्रूफ जैकेट बांटने की वजह का खुलासा नहीं किया।

कांग्रेस को घेर रही बीजेपी के गढ़ में ही हो गया 'खेला'

- नागपुर नगर निगम में वंदे मातरम के दो अंतरे गाने पर विवाद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में भाजपा शासित नागपुर नगर निगम की आम सभा की बैठक के दौरान एक प्रशासनिक चूक सामने आई है। बैठक की शुरुआत में पारंपरिक रूप से गाए जाने वाले राष्ट्रगीत वंदे मातरम के दौरान केवल दो ही अंतरे गाए गए, जबकि केंद्र

सरकार के हालिया निर्देशों के अनुसार इसके सभी अंतरों का पूर्ण गायन किया जाना अनिवार्य है। बता दें कि वंदे मातरम् के गायन को लेकर यह खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब हाल ही में कांग्रेस पार्टी की तरफ से अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाने पर भाजपा और उसके सहयोगियों ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खर्गे की तीखी आलोचना की थी। विडंबना यह है कि खुद भाजपा शासित नागपुर नगर निगम की बैठक में भी केवल दो ही अंतरे गाए गए। वंदे मातरम् को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के सख्त निर्देश हैं।

असम-मेघालय बॉर्डर पर भारी तनाव

- शिलॉन्ग में केयूसी की रैली के दौरान जमकर हंगामा
- असम के लोगों से मारपीट से शुरू हुआ था विवाद

शिलॉन्ग (एजेंसी)। बुधवार को मेघालय में असम के लोगों से मारपीट से शुरू हुआ विवाद अब मेघालय के कई राज्यों तक पहुंच गया है। मेघालय में सरकारी संपत्तियों पर आगजनी और पेट्रोल बम फेंकने की घटनाएं सामने आई हैं। असम ने भी मेघालय से लगी अपनी सीमाओं पर नाकेबंदी कर दी है। बुधवार को मेघालय के शिलॉन्ग में खासी स्टूडेंट्स यूनियन की रैली के दौरान असम के लोगों के साथ मारपीट कर उनके वाहनों को आग लगा दी गई थी। हिंसा में 31 गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया था, जिनमें ज्यादातर असम के नंबर की थीं। इसके बाद मेघालय के कई जिलों में हिंसा की छिटपुट घटनाएं शुरू हो गई थीं। हिंसा के शिकार ज्यादातर लोग असम के हैं। इसके विरोध में गुरुवार को गुवाहाटी के टैक्सी चालकों ने नेशनल हाईवे-27 पर आवाजाही रोक दी थी।

शिलॉन्ग में पुलिस चौकी पर हमला

हालांकि, शिलॉन्ग में गुरुवार को दिन भर हालात सामान्य रहे। लेकिन, रात करीब 9.30 बजे नोंगमेंसोंग पुलिस चौकी पर अज्ञात लोगों ने पेट्रोल बम फेंक दिया। बम चौकी के अंदर गिरा और आग लग गई। हालांकि, इस समय इमारत की ऊपरी मंजिल पर सीआरपीएफ के जवान मौजूद थे।

25 अगस्त तक तैनात रहेंगी केंद्रीय बलों की 5 कंपनियां

केंद्र ने गुरुवार को मेघालय में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में राज्य पुलिस की मदद के लिए केंद्रीय बलों की पांच कंपनियां तैनात करने को मंजूरी दी। इनमें सीआरपीएफ की चार और रैपिड ऐक्शन फोर्स की एक कंपनी शामिल है। ये कंपनियां 25 अगस्त तक राज्य में तैनात रहेंगी। मेघालय सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और तनाव बढ़ाने वाली गतिविधियों से बचने की अपील की है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने शिलॉन्ग के संवेदनशील इलाकों और राज्य के दूसरे हिस्सों में सुरक्षा बढ़ा दी है। अधिकारी आगे की हिंसा रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री शांति बहाल करने पर सहमत

दोनों राज्यों के बीच तनाव कम करने के लिए मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। दोनों ने राज्यों में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने की बात कही। मेघालय के उप मुख्यमंत्री सियावभालांग धर और असम के कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा को बैठक करने की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों मंत्री स्थिति सुधारने, आगे की घटनाएं रोकने, यात्रियों और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जरूरी सामान व सेवाओं की लगातार आवाजाही पर चर्चा कर रहे हैं।

जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होती, यहीं बैठा रहूंगा

धरने पर राहुल गांधी,अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे से दिल्ली के संसद मार्ग थाने में धरने पर बैठे हैं। इनका कहना है कि जब तक पैलेट गन से पीड़ित साहिल लोहबच की एफआईआर दर्ज नहीं होती, तब तक वे यहां से हटेंगे नहीं। हालांकि बाद में पुलिस ने अज्ञात

व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इस दौरान राहुल ने साहिल को पैलेट गन से लगे छर्रे दिखाए। उन्होंने कहा, पैलेट गन चलने के सबूत हैं। ये छर्रे साहिल के शरीर से निकले हैं। अगर पुलिस ने गन नहीं चलाई तो किसने चलाई है। पुलिस कह रही है कि उन्हें एफआईआर नहीं करने के ऊपर से निर्देश हैं। उनके साथ प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद हैं। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्र साहिल घायल हो गए थे।

दिल्ली पुलिस बोली-शिकायत क्राइम ब्रांच को भेजी जाएगी- दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकायत पीड़ित ने खुद दी है। 20 जुलाई को दर्ज सभी मामलों की जांच पहले से क्राइम ब्रांच कर रही है। पुलिस ने शिकायतकर्ता को बताया है कि उसकी शिकायत भी क्राइम ब्रांच को भेजी जाएगी। वहीं, राहुल गांधी की मांग को सुनने के बाद डीसीपी ने कहा, अभी इस मामले में दिल्ली पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल बोले-शिकायत की कॉपी ही नहीं मिली

राहुल का आरोप है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन में साहिल पैलेट गन से घायल हुए। 14 अगस्त को उन्होंने दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन उन्हें शिकायत की कॉपी ही नहीं मिली। 17 अगस्त को ईमेल और फोन से भी शिकायत पर कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। एफआईआर दर्ज कराने के लिए राहुल गांधी जिद पर अड़े हैं। उन्होंने कहा,जब तक पैलेट गन मामले में एफआईआर दर्ज नहीं होगी, तब तक मैं थाने में ही बैठा रहूंगा। फिलहाल थाने में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन जारी है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के डीसीपी ऑफिस पहुंचे और पैलेट गन मामले में पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

राजस्थान में सीजेपी कार्यकर्ताओं पर हल्ला बोल

ग्रामीणों ने बोला हमला,पीट-पीट कर गांव से भगाया

जयपुर (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों पर जयपुर में हमला हुआ है। रांका शुक्रवार सुबह 10 बजे बगरू के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा का निरीक्षण करने पहुंचे थे। तभी ग्रामीणों ने उन्हें पीटकर वहां से खदेड़ दिया। उनकी गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। रांका के साथ मौजूद महिला समर्थकों पर गांव की महिलाओं ने मिट्टी फेंकी। रांका ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- हमले में गाड़ियों के शीशे और मोबाइल तोड़े गए, एक महिला से मारपीट हुई और उनकी शर्ट फाड़ दी गई।

स्कूल बंद, टीनशेड के नीचे पढ़ रहे बच्चे

रामपुरा गांव के सरकारी स्कूल की बिल्डिंग जर्जर हो गई है। स्कूल को बच्चों के लिए बंद कर दिया गया है। छत पर लोहे के एंगल लगाए गए हैं। स्कूल को 50 मीटर दूर एक बाड़े में शिफ्ट कर दिया गया है। बच्चे टीनशेड के नीचे पढ़ाई कर रहे हैं। बच्चे जहां पढ़ रहे हैं, उसके पास पशुओं का चारा भरा है। दीवारों की ईंटें गिर गई हैं। ग्रामीण जुगल किशोर शर्मा ने कहा- 'हमने कुछ नहीं किया। वे सरिए-आरी लेकर आए। कम से कम 200-250 लोग आए थे। हमने उन्हें कोई चोट नहीं पहुंचाई। उन्होंने खुद अपनी गाड़ी तोड़ ली।

देश भर में बढ़ गए हैं स्वाइन फ्लू के मामले

- एमपी में महिला की मौत,स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में स्वाइन फ्लू से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मेडिकल रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई है। महिला को कोई दूसरी बीमारी नहीं थी। मृतक की पहचान सरोज नागर (60) के रूप में हुई है।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को राजधानी की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में फ्लू की मौजूदा स्थिति, अस्पतालों की तैयारियों, जांच और इलाज की सुविधाओं के साथ बीमारी को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा की गई। यह बैठक दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी की खबरों के बीच हुई। इस साल दिल्ली में अब तक फ्लू के 1,349 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि पिछले साल सिर्फ 229 केस दर्ज किए गए थे।

मिजोरम में 5 आरोपी गिरफ्तार

मिजोरम के मामित जिला में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग असम से अफ्रीकन स्वाइन फ्लू से संक्रमित 45 सुअर लेकर आए थे। सुअरों को आइजॉल ले जाया जा रहा था।

भोजशाला के पास जुमे की नमाज को लेकर तनाव

- विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ, शंख बजाकर जयघोष

धार (एजेंसी)। धार में भोजशाला से सटे खसरा नंबर 612 पर जुमे की नमाज को लेकर शुक्रवार को तनाव की स्थिति बन गई। हिंदू संगठन के सदस्य नमाज के विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। शंख बजाकर जयघोष भी किया गया। वहीं, करीब 500 नमाजी निर्धारित स्थान पर नमाज अदा करने पहुंचे। खसरा नंबर 612 के मेन गेट तक नमाजियों की भीड़ रही।

प्रशासन और पुलिस ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। भोजशाला के प्रवेश द्वार, बाहरी क्षेत्र और नमाज स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। करीब 1,000 जवानों का बल सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया था। इसके अलावा ड्रोन, सीसीटीवी और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए भी निगरानी की जा रही है।

भोज उत्सव समिति बोली- हर शुक्रवार करते आए हैं हनुमान चालीसा

भोज उत्सव समिति के संरक्षक विश्वास पांडे ने कहा- हम तो प्रत्येक शुक्रवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते आए हैं और करते रहेंगे। हमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार हिंदू समाज को मिला है, उसी के तहत हम पूजा-पाठ कर रहे हैं। उन्होंने कहा- उससे (नमाज से) हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

आसमान में नजर आएगा ब्लड मून,अद्भुत होगा नजारा!

अगस्त के आखिर में कई देशों में दिखेगा दुर्लभ चंद्र ग्रहण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अगस्त का महीना खगोल वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए बेहद खास है। महीने की शुरुआत में जहां एक पूर्ण सूर्य ग्रहण आखिर में एक शानदार चंद्र ग्रहण होने जा रहा है, जिसे दुनिया के बड़े हिस्से में देखा जा सकेगा। इस दौरान पूर्णिमा का चांद पृथ्वी की छाया से होकर गुजरेगा, जिससे आसमान में वह डरावने लाल रंग में नजर आएगा। इस दौरान चंद्रमा का 96 प्रतिशत हिस्सा पृथ्वी की छाया में होगा और केवल एक पतला हिस्सा सीधे सूरज की रोशनी में होगा। चंद्र ग्रहण तब होता है जब चांद, पृथ्वी और सूरज एक सीध में सामने आते हैं। इस दौरान चांद पृथ्वी की छाया से होकर गुजरता है। हालांकि, चंद्र ग्रहण के दौरान चांद आसमान से गायब नहीं होता बल्कि यह गहरे लाल रंग में नजर आता है।

भारत में नहीं दिखाई देगा दुर्लभ चंद्र ग्रहण

27-28 को होने वाला गहरा आंशिक चंद्र ग्रहण उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों के साथ यूरोप और अफ्रीका के कुछ इलाकों में भी दिखाई देगा। कुछ जगहों पर काफी गहरा दिखेगा जबकि दूसरी जगहों पर इसका सिर्फ कुछ हिस्सा ही दिखाई देगा। हालांकि, इसे भारत में नहीं देखा जा सकेगा, क्योंकि इस दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में दिन हो रहा होगा। चंद्र ग्रहण की खास बात यह है कि सूर्य ग्रहण के उलट, इसे बिना किसी खास चश्मे के नंगी आंखों से देखा जा सकेगा।

युवाओं से संवाद बढ़ाएं और साइलो तोड़ें, पीएम मोदी ने दिए अधिकारियों को खास निर्देश

-तीसरी उच्चस्तरीय सचिव बैठक में दीर्घकालिक सोच, एआई-मानव समन्वय, डेटा साझाकरण और पोर्ट-लेड विकास पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर भारत सरकार के सचिवों के साथ तीसरी उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के भविष्य के कार्य एजेंडे की समीक्षा की। बैठक में बुनियादी ढांचा एवं कनेक्टिविटी, सुरक्षा एवं विदेश मामलों तथा सुशासन से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से विभागीय सीमाओं से ऊपर उठकर समन्वित कार्य संस्कृति विकसित करने और युवाओं के साथ सरकार का संवाद मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रमुख मंत्रालयों एवं विभागों के सचिव तथा प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बुधवार को हुई इस हाईलेबल बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अधिकारियों को केवल मौजूदा चुनौतियों और आंकड़ों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि भारत के भविष्य को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ नीति निर्माण और क्रियान्वयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में दूरदर्शी सोच अत्यंत आवश्यक है।

विभागों के बीच तालमेल की कमी को 'साइलो' की समस्या बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक ढांचे की नहीं, बल्कि कार्यशैली और सोच की चुनौती भी है। उन्होंने अधिकारियों से अपनी जिम्मेदारियों का स्वामित्व लेने तथा अपनापन और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ काम करने को कहा। कोविड-19 महामारी और पश्चिम एशिया संकट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संकट के समय मंत्रालयों ने जिस प्रभावी समन्वय का प्रदर्शन किया था, उसे सरकार की स्थायी कार्य संस्कृति बनाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई का अधिकतम उपयोग किया जाए, लेकिन मानवीय निर्णय क्षमता और विशेषज्ञता को उसके साथ जोड़े रखना आवश्यक है। इसी प्रकार उन्होंने डेटा को देश की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए विभागों के बीच डेटा इंटरऑपरेबिलिटी और बेहतर साझाकरण की जरूरत रेखांकित की, ताकि उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो सके।

बैठक में विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और युवाओं के साथ सरकारी विभागों के संवाद को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी की भागीदारी से नीति निर्माण में नवाचार और अपरंपरागत विचारों को प्रोत्साहन मिलेगा। रक्षा अनुसंधान, जहाज निर्माण, पोर्ट-लेड डेवलपमेंट तथा विनिर्माण एवं निर्यात उद्योगों की बेहतर कनेक्टिविटी को लेकर भी उन्होंने मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक के समापन पर प्रधानमंत्री मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों से कनिष्ठ अधिकारियों के साथ अधिक अनौपचारिक संवाद स्थापित करने, विभिन्न कैडरों और विभागों के बीच मजबूत नेटवर्क विकसित करने तथा पूरी सरकार में टीम भावना और समन्वित दृष्टिकोण को और सुदृढ़ बनाने का आग्रह किया।

माता-पिता पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं करेंगे : रोहिणी आचार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की पुत्री रोहिणी आचार्य एक बार फिर अपने बयानों को लेकर चर्चा में हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को जवाब देने के बाद अब उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से अपने रुख को स्पष्ट किया है। रोहिणी ने साफ कहा है कि उनके माता-पिता, लालू प्रसाद और राबड़ी देवी, पर यदि कोई अभद्र या अमर्यादित टिप्पणी करेगा तो वह उसका जवाब उसी भाषा में देंगी। रोहिणी ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनके लिए माता-पिता से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं है। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि माता-पिता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी होने पर उनकी ओर से जवाब उसी भाषा में दिया जाएगा, जिस भाषा में टिप्पणी की गई होगी। रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मांझी ने किसी अन्य व्यक्ति के बयान के संदर्भ में लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के बारे में टिप्पणी की थी, जबकि उस बयान से उनके माता-पिता का कोई लेना-देना नहीं था। रोहिणी के अनुसार, मांझी ने विषय से हटकर लालू प्रसाद और राबड़ी देवी पर टिप्पणी की, जिसे उन्होंने पूर्वाग्रह से ग्रसित और ओछी टिप्पणी बताया। रोहिणी ने कहा कि एक बेटी होने के नाते ऐसी टिप्पणी का जवाब देना उनके लिए स्वाभाविक था। अपनी भाषा की मर्यादा पर बात करते हुए रोहिणी ने कहा कि वह इसका बखूबी ख्याल रखना जानती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग अपनी बात मर्यादा के दायरे में रखते हैं, वह उनकी मर्यादा का भी सम्मान करती हैं। उन्होंने उन मीडिया रिपोर्टों का भी जिक्र किया, जिनमें उनके किसी व्यक्ति के बचाव में खड़े होने या किसी का बचाव करने की बात कही जा रही थी। इस तरह के नरेटिव को सिरे से खारिज करते हुए रोहिणी ने कहा कि वह पल-पल अपनी राय बदलने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो उनके अनुसार गलत था या है, वह गलत ही रहेगा, चाहे वह कोई भी व्यक्ति हो। उन्होंने कहा कि वह अपने स्टैंड, राय और विचार पर दृढ़ता से कायम रहने वालों में से हैं और आगे भी इसी तरह अपने विचारों पर कायम रहेंगी। रोहिणी के इस पोस्ट को हालिया राजनीतिक बयानबाजी के बीच उनके रुख को और अधिक स्पष्ट करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर मचा सियासी घमासान, फडणवीस और सपकाल आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के पुणे दौरे से पहले महाराष्ट्र में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के वरिष्ठ नेता हर्षवर्धन सपकाल और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर आमने-सामने आ गए हैं। फडणवीस ने दावा किया था कि राहुल गांधी का यह कार्यक्रम केवल कांग्रेस नेताओं द्वारा संचालित कॉलेजों के छात्रों तक ही सीमित रहेगा, जबकि सपकाल ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सपकाल ने स्पष्ट किया कि 22 अगस्त को एआईएसएसएमएस कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम सभी छात्रों के लिए खुला रहेगा। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने पुणे पहुंचे सपकाल ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि यह छात्राओं के साथ सीधा संवाद का कार्यक्रम होगा। उन्होंने पुणे के ऐतिहासिक महत्व पर जोर देते हुए कहा, यह कार्यक्रम पुणे में हो रहा है, जो लड़कियों की शिक्षा की नींव रखने वाली सावित्रीबाई फुले और जीजामाता की भूमि है, जिन्होंने अपने पुत्र छत्रपति शिवाजी महाराज को हिंदवी स्वराज्य का मंत्र दिया। फडणवीस ने नागपुर में बयान देते हुए कहा था कि उनकी जानकारी के अनुसार, गांधी कांग्रेस नेताओं द्वारा संचालित कॉलेजों में पंजीकृत छात्रों के साथ ही बातचीत करेंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम को एक नियंत्रित माहौल में होने वाला बताया और आशंका जताई थी कि यह खुले संवाद के बजाय एकतरफा भाषण हो सकता है। हालांकि, सपकाल ने फडणवीस के इस दावे पर कोई पाबंदी होने से साफ इनकार किया और कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। यह जुबानी जंग राहुल गांधी के पुणे में छात्रों के साथ सीधे जुड़ने के प्रयास से पहले राजनीतिक माहौल को गरमा रही है।

गुजरात में जहरीली शराब का कहर, मृतकों की संख्या 11, अस्पताल में 20 लोगों का इलाज

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली और नकली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। करीब 20 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। घटना के बाद भावनगर शहर और आसपास के इलाकों में अवैध शराब की बिक्री को लेकर प्रशासन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नकली शराब को लोकप्रिय आईएमएफएल ब्रांड की डुप्लीकेट बोतलों में भरकर बेचा गया। पुलिस के अनुसार, शराब की कुछ खेप मध्य प्रदेश से भावनगर पहुंचने की आशंका है। मामले में पुलिस ने अब तक कई संदिग्ध शराब तस्करों को हिरासत में लिया है. बड़ी संख्या में नकली शराब की बोतलें जब्त की हैं। 21 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी है। गुजरात में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री के मामले सामने आने से पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

सड़कों पर तड़तड़ाने लगी गोलियां और लहराने लगे हथियार, देहरादून में छात्र गुटों का खूनी तांडव

देहरादून (एजेंसी)। शिक्षा और शांति के लिए विख्यात देहरादून की पहचान को गुरुवार को छात्र गुटों के खूनी संघर्ष ने झकझोर दिया। पलनगर इंडस्ट्रियल एरिया से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते शहर की सबसे भीड़भाड़ वाली सड़कों पर करीब तीन किलोमीटर तक फैल गया, जिसमें पिस्टल और लाठी-डंडों का जमकर इस्तेमाल हुआ। दिनदहाड़े हुए इस तांडव में छह राउंड फायरिंग हुई और एक युवक घायल हो गया, जिससे शांत शहर में दहशत फैल गई। यह घटना देहरादून के बदलते मिजाज की एक खतरनाक तस्वीर पेश करती है, जिसे अब तक सुकून और शिक्षा के केंद्र के तौर पर जाना जाता रहा है। सबसे गंभीर बात यह रही कि यह हिंसा किसी सुनसान कोने में नहीं, बल्कि शहर की मुख्य सड़कों पर हुई, जहाँ एक पक्ष कार में तो दूसरा बाइकों से पीछा कर रहा था। रास्ते में चार पुलिस पिकेट होने के बावजूद यह विवाद एक स्थान पर नहीं रुका, बल्कि शहर के भीतर दौड़ता हुआ दूसरी जगह पहुंचा। यह सिर्फ एक आकस्मिक घटना नहीं है, यह उस गंभीर समस्या की ओर इशारा करती है जब छात्र गुटों की रंजिश कैंपस की सीमाओं को लांघकर सड़क पर उतर आती है और विवाद का जवाब तर्क से नहीं, बल्कि हथियारों से दिया जाता है। देहरादून में छात्र गुटों के बीच हिंसा का यह पहला मामला नहीं है। कुछ महीने पहले हुए दिव्यांशु जटराणा हत्याकांड ने भी छात्र विवादों के खूनी अंजाम की भयावहता दिखाई थी। उस घटना के बाद छात्र गतिविधियों पर निगरानी और संस्थानों के साथ समन्वय की बातें कही गईं थीं, लेकिन गुरुवार की घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई का असर सिर्फ घटना के बाद ही दिखाई देता है। हजारों बाहरी छात्र देहरादून में किराये के मकानों और छात्रावासों में रहते हैं, लेकिन उनकी गतिविधियों पर पुलिस सत्यापन और निगरानी का तंत्र कमजोर दिखता है।

जयपुर में भाजपा और सीजेपी कार्यकर्ताओं में टकराव, रांका को ग्रामीणों ने खदेड़ा

-सरकारी स्कूल का जायजा लेने पहुंचे थे सीजेपी कार्यकर्ता

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान की राजधानी जयपुर के गांव रामपुरा-कंवरपुरा में शुक्रवार को सरकारी स्कूल के निरीक्षण को लेकर भाजपा समर्थक ग्रामीणों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ताओं के बीच खासा विवाद हो गया। दरअसल सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका अपनी टीम के साथ एक सरकारी स्कूल की असल स्थिति का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने उनके स्कूल में प्रवेश का विरोध कर दिया। कहा-सुनी हुई और देखते ही देखते विवाद हाथापाई तक पहुंच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रामीणों के विरोध के बाद रांका और उनके साथ आए कार्यकर्ताओं को मौके से लौटना पड़ा। रिपोर्टों में वाहनों के शीशे टूटने और पथराव की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि, घटना को लेकर दोनों पक्षों के आरोप अलग-अलग हैं। रांका ने आरोप लगाया कि उनके साथियों के साथ मारपीट भाजपा समर्थकों ने की, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि वे गांव के सरकारी स्कूल में बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं चाहते।

मौजूदा विवाद की जड़ स्कूल भवन की खराब हालत बताई जा रही है। सीजेपी का दावा है कि बच्चे जर्जर भवन के कारण वैकल्पिक व्यवस्था में पढ़ने को मजबूर हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल भवन के लिए सरकारी बजट स्वीकृत हो चुका है और वे स्वयं इसके निर्माण को लेकर प्रयास कर रहे हैं। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है और पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर भी नजर है।

मंदिर निर्माण से जुड़ा कोई भी कार्य समिति के अध्यक्ष के फैसले के बिना नहीं हुआ

-पूर्व महासचिव चंपत राय ने नृपेंद्र मिश्र को लेकर नौ पन्नों का पत्र जारी कर लगाए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।
अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद एक बार फिर सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष रहे नृपेंद्र मिश्र को लेकर नौ पन्नों का पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर परिसर के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और ट्रस्ट की व्यवस्था तक कई मुद्दों पर अपनी बात रखी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंपत राय ने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण से जुड़े अहम फैसलों में नृपेंद्र मिश्र की भूमिका बेहद प्रभावशाली रही और उनकी पसंद के लोगों को समिति में शामिल किया गया। चंपत राय के मुताबिक मंदिर निर्माण समिति की बैठकों में फैसले लिए जाते थे, लेकिन कई मामलों में बाद में बदलाव कर नृपेंद्र मिश्र के निर्णयों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने दावा किया कि मंदिर निर्माण से जुड़ा कोई भी महत्वपूर्ण कार्य समिति के अध्यक्ष के फैसले के बिना नहीं हुआ। पत्र में यह भी कहा गया है कि उनकी पसंद के कुछ लोग समिति में शामिल किए गए, जिनमें से कुछ छह साल में केवल एक-दो बार ही अयोध्या आए हैं।

चंपत राय ने कहा कि नृपेंद्र मिश्र के सुझाव पर लार्सन एंड टूब्रो को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी दी गई थी। टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स को परियोजना प्रबंधन सलाहकार बनाया गया। मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा को 1986 में अशोक सिंघल ने चुना था और बाद में उन्हें ही निर्माण योजना में बनाए रखा। परिसर के अन्य भवनों के डिजाइन का काम नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म को दिया गया। चंपत राय ने पत्र में राम जन्मभूमि विवाद के इतिहास और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ होने तक की घटनाओं का भी उल्लेख किया।

चंपत राय ने मंदिर की दर्शन व्यवस्था और वित्तीय प्रणाली की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद प्रतिदिन 75 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचने लगे। महाकुंभ में यह संख्या तीन लाख से ज्यादा थी। श्रद्धालुओं के लिए आठ अलग-अलग लाइनें बनाई गई हैं। ट्रस्ट के बैंक खातों में चेकबुक का इस्तेमाल नहीं होता और भुगतान बैंक ट्रांसफर से किए जाते हैं। खातों का आंतरिक और वैधानिक ऑडिट भी कराया जाता है।

बता दें राम मंदिर में चढ़ावे चोरी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय ने 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 6 जुलाई को उन्होंने ट्रस्टी अनिल मिश्र को लेकर भी आरोप लगाए थे। अब नृपेंद्र मिश्र पर जारी नौ पन्नों के पत्र से मंदिर निर्माण और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद फिर चर्चा में आ गया है।

मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत चौपाल-2026 का शुभारंभ, युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन से मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के अंतर्गत चौपाल-2026 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश में 13 हजार से अधिक उद्यमियों को सहयोग दिया जा चुका है। वहीं आठ हजार से अधिक महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को उद्यमिता तथा आजीविका के अवसरों से जोड़ा गया है। उन्होंने देहरादून के आईटी पार्क स्थित 13 गांव में प्रदेश के सभी जनपदों के स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के विपणन के लिए राज्य स्तरीय विपणन केंद्र खोलने की घोषणा भी की। हरिद्वार में कार्यक्रम विकास भवन सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि रानीपुर विधायक आदेश चौहान और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को आभासी माध्यम से देखा। इसके बाद दोनों ने सूचना, शिक्षा एवं संचार वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण उद्यम त्वरण परियोजना और ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएगी। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि योजना युवाओं, महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि अब तक 600 से अधिक उद्यमियों को वस्तु एवं सेवा कर पंजीकरण, उद्यम पंजीकरण, खाद्य लाइसेंस और व्यापार चिह्न सहित आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं तथा चार हजार से अधिक लोगों का नामांकन हो चुका है। परियोजना निदेशक नलिनी घिड़ियाल ने बताया कि सामुदायिक रसोई पहल के तहत 40 से अधिक महिलाओं ने व्यवसाय शुरू किया है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। चौपाल में 100 से अधिक युवा, महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं और उद्यमी मौजूद रहे।

कुंभ की तैयारियों में सौंदर्यीकरण और यात्री सुविधाओं पर जोर, चंडी चौक पर लगेगी नंदी की प्रतिमा

हरिद्वार, (शिखर समाचार)। कुंभ मेला 2027 की तैयारियों को गति देने के लिए मेलाधिकारी सोनिका ने गुरुवार को कनखल, देवपुरा, ऋषिकुल और चंडी चौक सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण, सौंदर्यीकरण और यात्री सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए। कनखल के चौक बाजार में उन्होंने ऐतिहासिक झंडा चौक के सुधार और सौंदर्यीकरण की योजना की जानकारी ली तथा कार्य शीघ्र शुरू करने को कहा। उन्होंने क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त रखने के साथ रेलिंग और प्रकाश व्यवस्था बेहतर करने तथा भवनों के अग्रभाग में सुधार के निर्देश दिए। रेलवे स्टेशन मार्ग और शिव मूर्ति चौक के निरीक्षण के दौरान भी यातायात व्यवस्था सुचारु रखने और अतिक्रमण पर प्रभावी रोक लगाने को कहा गया। देवपुरा और ऋषिकुल क्षेत्र में फुटपाथ व सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए छोटी पार्किंग विकसित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए। पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए फुटपाथ, रेलिंग और बैठने के लिए छायादार स्थान विकसित करने पर जोर दिया गया। ऋषिकुल पुल के समीप गंगनहर पर निमार्णाधीन घाटों और नहर पटरी मार्ग को स्वच्छ व अतिक्रमणमुक्त रखने को कहा गया। चंडी चौक के निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने इसे कुंभ नगरी का प्रमुख प्रवेश केंद्र बताते हुए इसके विशेष सौंदर्यीकरण पर जोर दिया। चौराहे का सुधार राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कराएगा, जबकि हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण और नगर निगम सौंदर्यीकरण कार्य करेंगे। धार्मिक महत्व को देखते हुए चंडी चौक पर आकर्षक नंदी प्रतिमा स्थापित करने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा चंडी चौक पुल पर भित्ति चित्र और भवन अग्रभाग सुधार कराने के निर्देश दिए गए। ललताराव पुल मार्ग पर निमार्णाधीन पार्कों का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को हटाए गए अतिक्रमण की दोबारा वापसी रोकने के लिए नियमित निगरानी और विभागीय समन्वय बनाए रखने को कहा गया।

पानी समुद्र में बहे और किसान बूंद-बूंद को तरसे ये ठीक नहीं : शाह

- दो राज्यों के जल विवाद पर अमित शाह ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंतरराज्यीय जल विवादों को बातचीत से सुलझाने के सुझाव को दक्षिण भारत के राज्यों ने समर्थन दिया है। गुरुवार को दक्षिण क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा, जहाँ लोकसभा सीटों के परिसीमन पर भी गहन चर्चा हुई। अमित शाह ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अपने राज्य के हितों की रक्षा करना गलत नहीं है, लेकिन अगर पानी की कमी के कारण किसी राज्य को वर्षों तक वंचित रहना पड़े और पानी समुद्र में बहता रहे, तो यह किसी के हित में नहीं है।

शाह ने भारत को अगले 100 वर्षों तक पानी की कमी से बचाने के लिए ब्रह्मपुत्र से कावेरी और गोदावरी तक प्रमुख नदियों को जोड़ने का सुझाव दिया, जिससे कई जलमार्ग भी विकसित हो सकते हैं। उन्होंने उत्तर भारत में नदी जल बंटवारे के आठ में से पांच ब्रिटिश-पूर्व विवादों के सफल समाधान का उदाहरण दिया, जहां पांच महीने पहले अंतिम समझौता हुआ था। हालांकि, बैठक में लोकसभा सीटों के परिसीमन का मुद्दा विवाद का विषय बन गया। दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण से उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व में नुकसान की आशंका जताई। कर्नाटक और तमिलनाडु ने मांग की कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटें अगले 25 वर्षों तक बनी रहें। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने परिषद से प्रस्ताव पारित कर केंद्र से 1971 की जनगणना को परिसीमन का आधार बनाए रखने और महिलाओं के आरक्षण को मौजूदा सीटों के भीतर ही लागू करने की मांग की।

अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी अपनी चिंताओं के साथ सामने आए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु को मेकेदातु बांध परियोजना से उनके हितों की रक्षा का आश्वासन दिया, हालांकि तमिलनाडु के मंत्री ने स्पष्ट किया कि कावेरी जल विवाद पर बैठक में चर्चा नहीं हुई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कुप्पम के रास्ते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु को जोड़ने वाले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर और अमरावती-बेंगलुरु-चेन्नई ट्रांजिट नेटवर्क का प्रस्ताव रखा। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना ने परिसंपत्तियों और देनदारियों के बंटवारे के मामलों को गृह मंत्रालय के साथ सुलझाने पर सहमति जताई। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा उठाया और स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्रीय सुरक्षा में सहकारी संघवाद पर जोर दिया। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमरका ने कृष्णा नदी के पानी पर राज्य के अधिकारों की सुरक्षा और सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहयोग मांगा, जबकि पुडुचेरी ने सालभर पानी की उपलब्धता के लिए केंद्र और तमिलनाडु से सहयोग की अपील की।

डीएम रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में हुई किसान दिवस की जिला स्तरीय बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, प्रभारी उप कृषि निदेशक अमित कुमार के साथ-साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे। किसान दिवस में सर्वप्रथम जिला कृषि अधिकारी गाजियाबाद द्वारा गत किसान दिवस की शिकायतों की अनुपालन आख्या का विस्तृत ब्यौरा समस्त कृषकों के सम्मुख पढ़कर सुनाया गया, जिसमें गत किसान दिवस की शिकायतों के निस्तारण पर कृषकों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। कृछ शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण अति शीघ्र कर कृषक एवं उप कृषि निदेशक कार्यालय गाजियाबाद को आख्या उपलब्ध करायें साथ ही कुछ प्रकरण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में टीम का गठन कर अति शीघ्र आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने निर्देशित किया गया कि आगामी किसान दिवस में परियोजना निदेशक, भाराराप्रा या प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। मोरटा गाँव में जल निकासी की व्यवस्था सुचारू करने के लिए नगर

निगम एवं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। शाहपुर से पाईप लाईन तक टूटे हुए रास्ते के निस्तारण हेतु नगर निगम गाजियाबाद को अतिशीघ्र कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम रसूलपुर सिकरोड़ा की सड़क में गड्ढों को भरवाने हेतु अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग द्वारा को अतिशीघ्र कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश है कि किसानों की शिकायतों को शीघ्रता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाएं, इस कार्य में लापरवाही बरतने वालों अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की अमल में लाई जायेगी। किसान दिवस की बैठक में सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहना अनिवार्य है, यदि ऐसा नहीं पाया जाता है तो सम्बंधित के खिलाफ भी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। बैठक में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी बिजेन्द्र सिंह, मनोज नागर, दक्ष नागर, प्रमोद त्यागी, चाणक्या प्रमुख, छोटे चौधरी, मनोज चौधरी, सुखदेव सिंह, धर्मदत्त त्यागी आदि कृषकों ने जिलाधिकारी को शिकायतों के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। किसान दिवस में विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग, गन्ना विभाग, मत्सय विभाग, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, प्रतिनिधि मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद के साथ-साथ अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। किसान दिवस में लगभाग 120 कृषकों तथा सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

गंगनहर पटरी पर चेकिंग के दौरान पकड़ा गया चोरी का आरोपी, नौ मुकदमे मिले दर्ज

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर की मेन मार्केट स्थित सुनार की दुकान से 19 अगस्त को हुई लाखों रुपये की नकदी और जेवरात चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 6,500 रुपये की नकदी और दो जोड़ी पायजेब बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मेरठ, बागपत और मुजफ्फरनगर जिलों में नौ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस घटना में शामिल अन्य आरोपियों और चोरी किए गए माल की बरामदगी के संबंध में पूछताछ कर रही है। खतौली के मोहल्ला कानूनगोयान निवासी प्रिंस कुमार वर्मा की मेन मार्केट में सुनार की दुकान है। 19 अगस्त को वह खाना खाने के लिए गए थे। इसी दौरान दुकान खुली होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोर लाखों रुपये की नकदी और जेवरात चोरी कर फरार हो गए थे। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान गंगनहर पटरी पर रेलवे पुल के निकट एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम साहिल उर्फ भूरा पुत्र हासिम निवासी राजोवाला बाग, मोहल्ला कल्याण सिंह, मवाना, मेरठ बताया। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना में संलिप्तता स्वीकार की। उसके आपराधिक इतिहास की जांच में नौ मुकदमे सामने आए हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक तेजवीर सिंह, रजत सिंह तथा सिपाही धनेश कुमार और जसपाल शामिल रहे।

मोदीनगर रेलवे ओवरब्रिज की धीमी रफ्तार का मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के राज चौराहा स्थित हापुड़ रोड रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की धीमी गति का मामला अब लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दरबार तक पहुंच गया है। भाजपा विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर ओवरब्रिज के निर्माण की स्थिति से अवगत कराया और निर्माण कार्य में तेजी लाकर इसे जल्द पूरा कराने की मांग की। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है।विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने मुख्यमंत्री को बताया कि वर्ष 2024 में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शुरू हुआ था और इसे तीन वर्ष में पूरा किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन अब तक करीब एक चौथाई काम ही पूरा हो सका है। आरोप है कि पिछले कई महीनों से निर्माण कार्य बंद पड़ा है। इसके

कारण रेलवे फाटक बंद होने के दौरान लोगों और स्कूली बच्चों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। उन्होंने निर्माण कार्य की गति बढ़ाकर जल्द से जल्द ओवरब्रिज पूरा कराने का आग्रह किया।

विधायक ने मोदीनगर पालिका क्षेत्र में सिखेड़ा रोड से कपड़ा मिल तक नाले के पक्काकरण के प्रस्ताव को भी शीघ्र मंजूरी देने की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत ईसापुर से तोड़ी वाया भदौला मार्ग तथा सीकरी से कलछीना मार्ग के निर्माण और सुदृढ़ीकरण की मांग भी उठाई।

डॉ. मंजू शिवाच के अनुसार मुख्यमंत्री ने सभी प्रस्तावों और मांगों पर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया है। ओवरब्रिज का निर्माण जल्द पूरा होने की उम्मीद से क्षेत्रवासियों को जाम की समस्या से राहत मिलने की संभावना है।

लोनी में पुलिस मुठभेड़: नकबजनी का आरोपी पैर में गोली लगने से घायल, 50 लाख के जेवर बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लोनी थाना पुलिस ने नकबजनी की वारदात में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और नकबजनी की घटना में चोरी किए गए करीब 50 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए। इसी कड़ी में थाना लोनी क्षेत्र के निठोरा अंडरपास के पास पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि नकबजनी की घटना में वांछित अभियुक्त मोटरसाइकिल से निठोरा की ओर से आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चेकिंग तेज कर दी। कुछ देर बाद एक मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने

का इशारा किया, लेकिन उसने पहले बाइक धीमी की और फिर अचानक तेज गति से निठोरा की ओर भागने लगा। संदिग्ध के कंधे पर पिट्ठू बैग टंगा हुआ था। शक होने पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। भागने के दौरान उसकी मोटरसाइकिल फिसल गई। इसके बाद उसने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसके पैर में गोली लग गई। पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम सचिन बताया। सचिन ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने 20 अगस्त की रात लोनी के गिरि मार्केट क्षेत्र में एक घर में घुसकर नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने उसके पास से इसी घटना में चोरी किए गए सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये है। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी राम किशन ने बताया कि इसके खिलाफ कमिश्नरेट गाजियाबाद के विभिन्न थानों में करीब एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें नकबजनी, चोरी, चोरी के माल की बरामदगी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम से संबंधित मामले शामिल हैं। पुलिस टीम अब बरामद आभूषणों के संबंध में भी जांच कर रही है कि उसने पूर्व में कितनी अन्य वारदातों को अंजाम दिया है और उसके साथ इस अपराध में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

आशा को 70वीं प्रदेशीय विद्यालयीय हैंडबॉल टीम अंडर-14 की चयनकर्ता नियुक्त किया

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत सहायक अध्यापिका आशा को 70वीं प्रदेशीय विद्यालयीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में अंडर-14 बालिका वर्ग की प्रदेशीय टीम का चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। यह प्रतियोगिता बनारस में आयोजित की जाएगी। आशा की इस उपलब्धि पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों और खेल से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जानकारी के अनुसार सिम्भावली विकासखंड के उच्च प्राथमिक

विद्यालय भोवापुर में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत आशा को प्रदेशीय विद्यालयीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए चयनकर्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्रतिभावान खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चयनकर्ता के रूप में आशा खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए प्रदेशीय अंडर-14 टीम के लिए योग्य खिलाड़ियों के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। आशा को चयनकर्ता नियुक्त किए जाने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी, खंड शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी योगेश गुप्ता, खेल शिक्षिका जयश्री, मनप्रीत खेरा, डॉ. सुमन अग्रवाल, कुसुम और हेमा शर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने बधाई दी। अधिकारियों और शिक्षकों ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों के क्षेत्र में भी शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। आशा की नियुक्ति को जिले के लिए गौरव की उपलब्धि बताया गया।

कैला भट्टा में हाजी खलील के कथित कब्जों पर महापौर का शिकंजा, चार दुकानों और डेयरी पर लगवाया ताला

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कैला भट्टा क्षेत्र में नगर निगम की जमीन पर कथित अवैध कब्जे के खिलाफ महापौर सुनीता दयाल ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। महापौर ने नगर निगम की संपत्ति विभाग की टीम और पुलिस बल के साथ कैला भट्टा पहुंचकर चार दुकानों तथा इस्लाम नगर ट्यूबेल कंपाउंड की जमीन पर संचालित डेयरी को खाली कराकर ताला लगवाया। महापौर कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहीं और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कैला गांव स्थित खसरा संख्या-92 तथा इस्लाम नगर ट्यूबेल कंपाउंड की जमीन को लेकर नगर निगम में कब्जे की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। नगर निगम की ओर से 9 जुलाई 2026 को संबंधित स्थानों पर नोटिस चस्पा किए गए थे। नोटिस में जमीन को नगर निगम की संपत्ति बताते हुए कथित अवैध कब्जाधारियों से स्वयं

कब्जा हटाने को कहा गया था। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि कब्जा स्वयं नहीं हटाने की स्थिति में नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जाएगी और इसकी जिम्मेदारी निगम की नहीं होगी। नोटिस चस्पा किए जाने के बाद भी संबंधित पक्ष की ओर से जमीन पर वैध स्वामित्व से जुड़े पुख्ता दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। हाल ही में महापौर को जानकारी मिली कि कैला भट्टा स्थित इन दुकानों को बेचने की तैयारी की जा रही है। सूचना के बाद उन्होंने नगर निगम की संपत्ति टीम और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कराई। अधिकारियों ने दुकानों को खाली कराया और चार दुकानों पर नगर निगम के ताले लगाए गए। इसके बाद इस्लाम नगर ट्यूबेल परिसर में पहुंचकर वहां संचालित डेयरी को भी खाली कराया गया और उस पर ताला लगाया गया। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि कैला भट्टा क्षेत्र में जमीन पर कब्जे को लेकर हाजी खलील और फारुख चौधरी के खिलाफ लगातार शिकायतें मिलती रही हैं। संबंधित प्रकरणों के दस्तावेजों में हाजी खलील का नाम सामने आया है और पूर्व में नगर निगम की ओर से एफआईआर भी दर्ज कराई जा चुकी है। नगर निगम की संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति को अवैध कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों स्थानों पर नगर निगम की जमीन को कब्जामुक्त कराने की कार्रवाई की गई है। यदि जांच में अवैध कब्जे और अन्य अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई कराई जाएगी। भूमाफिया गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए इस मामले में मुख्यमंत्री से भी वार्ता की जाएगी। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद कैला भट्टा क्षेत्र में अवैध कब्जों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। नगर निगम की संपत्तियों को चिन्हित कर उन पर कब्जे की शिकायतों की जांच और आवश्यक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

फुगाना में धूमधाम से निकली संत रविदास कलश यात्रा, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। तहसील क्षेत्र के गांव फुगाना में शुक्रवार को संत शिरोमणि रविदास कलश यात्रा धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। कलश यात्रा में गांव की महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और युवतियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। गाजे-बाजे के साथ निकली यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा को देखने और संत रविदास के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने के लिए ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे गांव में धार्मिक माहौल बना रहा और लोगों में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा विधायक उमेश मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने संत रविदास के जीवन और उनके विचारों को पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी बताया। उमेश मलिक ने कहा कि संत रविदास ने समाज को समानता, भाईचारे और परोपकार का संदेश दिया, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। कलश यात्रा में उमड़ा जनसमूह इस बात का प्रमाण है कि संत रविदास की शिक्षाएं समाज के विभिन्न वर्गों में गहराई से रची-बसी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन आपसी भाईचारे तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान जितेंद्र मलिक, परमेश सैनी, तेलूराम कश्यप, मोनू कुरथल, नरेंद्र मलिक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारीज ने विद्यार्थियों को दिलाया नशामुक्त जीवन का संकल्प

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। दस करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र की ओर से नगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान सैकड़ों विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय कर्मचारियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवन अपनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया।

नगर के हिंदू इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज और ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी राधा बहन ने प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को हाथ उठाकर सामूहिक रूप से नशामुक्त रहने की प्रतिज्ञा दिलाई। अभियान में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर राधा बहन ने कहा कि नशामुक्त समाज ही स्वस्थ, सुखी और सशक्त राष्ट्र का आधार है। नशा व्यक्ति के शरीर, मन और आर्थिक स्थिति को नुकसान पहुंचाने के साथ साथ उसके सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं का नशे और अन्य व्यसनों से दूर रहना आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ, सकारात्मक और संस्कारयुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने नशामुक्त युवा, नशामुक्त भारत के नारे लगाए और समाज को नशे की बुराई से मुक्त कराने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी राधा बहन के साथ बीके नीलम, अलका थापन सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक और अन्य लोग मौजूद रहे।

डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

मोदीनगर (शिखर समाचार)। डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल के डायमंड हॉल में वर्ष 2026 का छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मार्च पास्ट, बैंड प्रदर्शन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। नव निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज पहनाकर उनके पद एवं कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई। कक्षा एक से पांच तक कनव को हेड बॉय और काश्वी को हेड गर्ल, कक्षा छह से आठ तक अदम्य पाठक को हेड बॉय और आरोही को हेड गर्ल तथा कक्षा नौ से 12 तक हर्षित को हेड बॉय और कक्षा 12 विज्ञान की दिव्या चंदेला को हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में विजय भव और मनमोहक राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर बी.एड. कॉलेज की प्राचार्या एकता भारद्वाज, मुख्य कार्यकारी निदेशक दीपांकर शर्मा, एम.एम. इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या एवं टेक्सटाइल शाखा की प्रधानाध्यापिका सपना खुराना सहित विद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे। सभी ने नव निर्वाचित छात्र नेताओं को शुभकामनाएं दीं। दीपांकर शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र परिषद की जिम्मेदारी केवल सम्मान नहीं, बल्कि स्वयं को साबित करने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा शर्मा ने छात्र नेताओं को अनुशासन, जिम्मेदारी, नेतृत्व और टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। संयुक्त उपप्रधानाचार्या ऋतु अग्रवाल ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन सामूहिक रूप से वंदे मातरम् के गायन के साथ हुआ। इस दौरान विद्यालय परिसर में देशभक्ति और नेतृत्व की भावना का उत्साहपूर्ण वातावरण दिखाई दिया।

जिलाधिकारी ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण, राहत कार्य तेज करने के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना ने शुक्रवार को जनपद के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित और संभावित गांवों में राहत सामग्री वितरण, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अस्थायी आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें तत्काल आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक समय से राहत सामग्री, भोजन और आवश्यक दवाएं पहुंचाई जाएं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सकीय टीमों को तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं, ताकि लोगों को समय पर उपचार मिल सके। कविता मीना ने कहा कि प्रशासन बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। किसी भी पीड़ित व्यक्ति को सहायता से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्यों में पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण
(ISO 9001:2015 एवं ISO 14001:2015 प्रमाणित संस्था)
विकास पथ, गाज़ियाबाद

"सर्वजनिक सूचना"

एतद् द्वारा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गीता यादव पत्नी श्री नन्द किशोर यादव द्वारा प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत तलपट मानचित्र में नियोजित भूखण्ड संख्या– ए–4, दुर्गा इण्डस्ट्रियल पार्क, जी. टी. रोड, गाजियाबाद क्षेत्रफल 1551.24 वर्ग मी० पर मानचित्र आवेदन संख्या– GDA/BP/MS/2026-27/9639 स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशन, 2025 के अध्याय–15 के प्रस्तर–15.1.3 (i) (iv) व (v) में उल्लेखित है कि महायोजना भू–उपयोग अथवा अनुमोदित ले–आउट में परिभाषित भू–उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार जन–सामान्य से आपत्ति/सुझाव प्राप्त किये जाने के दृष्टिगत प्रस्तुत मानचित्र की स्वीकृति से पूर्व आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किये जाते है। मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशन, 2025 में निहित प्राविधानों के अनुसार औधोगिक से व्यवसायिक क्रिया उपयोग किये जाने हेतु अनुमन्य है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उक्त के सम्बन्ध में अपनी कोई आपत्ति/सुझाव देना चाहे तो उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति/सुझाव कार्यालय, मुख्य नगर नियोजक/स्वागत कक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में प्रस्तुत कर सकता है। कार्यालय में नियत अवधि में प्राप्त होने वाले आपत्ति/सुझाव पर विचार किया जायेगा। उक्त समयावधि के उपरान्त प्राप्त होने वाले किसी भी आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जा सकेंगा।

अपर सचिव

ई–मेल: helplinegda@gmail.com, f : @gdagzb, t : @gdagzb
हैल्पलाईन: 0120–3342433/व्हाट्सैप नं: 9818988807, वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर........ हमारा संकल्प

संक्षिप्त समाचार

24 घंटे से बिजली न आने से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर की नारेबाजी, लाइनमैन को बंधक बनाया

कानपुर, एजेंसी। शुक्लागंज के मिश्रा कॉलोनी मछली गेट के पास रखा ट्रांसफार्मर बुधवार रात 11 बजे खराब हो गया था। गुरुवार रात 11 बजे तक दूसरा ट्रांसफार्मर लगने के बाद भी बिजली आपूर्ति चालू न होने पर क्षेत्रीय लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जमकर हंगामा किया। साथ ही लाइनमैन को बंधक बना लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पब्लिक को शांत कर लाइनमैन को छुड़ाया इसके बाद बिजली विभाग ने ट्रांसफार्मर मरम्मत करने का काम शुरू कराया।

पूर्वात्तर रेलवे ने पहली बार तीन मालगाड़ियों को जोड़कर चलाई अवध महाशक्ति फेट ट्रेन

लखनऊ, एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने माल परिवहन को अधिक कुशल व मजबूत बनाने के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। थ्री इन वन फ्रेट ट्रेन अवध महाशक्ति को गोंडा से मुरादाबाद तक चलाया गया। इस ट्रेन को तीन मालगाड़ियों को आपस में जोड़कर बनाया गया था। जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक डॉ. शिल्पी कन्नौजिया के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे की पहली %%अवध महाशक्ति%% फ्रेट ट्रेन का सफल संचालन किया गया। गोंडा डिपो की ओर से तैयार इस ट्रेन में कुल 129 वैगन और तीन इंजन लगे थे। इस पहल से रेलवे की परिवहन क्षमता और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। तीन गाड़ियों को एक साथ चलाने से समय, ईंधन और मानव संसाधन की बचत होगी। साथ ही ट्रैक क्षमता का भी बेहतर उपयोग हो सकेगा। अलग-अलग ट्रेनें चलाने के बजाय एक ही ट्रिप में अधिक माल की ढुलाई होने से ग्राहकों को तेज और किफायती सेवा मिलेगी। डीआरएम ने इसे मंडल के विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट तालमेल और प्रबंधन का परिणाम बताया।

सात राज्यों के सीएम, मंत्री और तीन देशों के राजदूत होंगे शामिल ; योगी मुख्य अतिथि

वाराणसी, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) का 56वां वार्षिक सम्मेलन अनंत काशी शुक्रवार से शुरू हो रहा है। तीन दिनों तक नदेसर स्थित ताज में आयोजित इस सम्मेलन में छह से अधिक राज्यों के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री, केंद्रीय पर्यटन मंत्री के अलावा तीन देशों श्रीलंका, लारेंस व थाईलैंड के राजदूत भाग लेंगे। देशभर से एक हजार से अधिक प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। इस दौरान बनारस के सांस्कृतिक, कला और संस्कृति की विरासत को सहेजने वाले 14 पद्म और भारत रत्न सम्मान प्राप्त कलाकारों और उनके परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। एफएचआरएआई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बृहस्पतिवार को छावनी स्थित एक होटल में पत्रकारों को बताया कि पर्यटन मंत्रालय के सहयोग और उत्तर प्रदेश पर्यटन की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे। विशिष्ट अतिथियों में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव, गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खूंते के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश के मंत्री व पर्यटन मंत्री हिस्सा लेंगे। इंडियन होटल्स कंपनी के एमडी एवं सीईओ पुनीत छटवाल, आईटीसी होटल्स के एमडी अनिल चड्डा, रेडिसन, हिल्टन, आईएचजी और लेमन ट्री जैसी वैश्विक हॉस्पिटैलिटी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक 11 सत्र चलेंगे। इसमें आध्यात्मिक एवं वेलनेस पर्यटन, एमआईसीई, वेडिंग डेस्टिनेशन, सतत हॉस्पिटैलिटी, एआई व डिजिटल परिवर्तन, ओडीओपी-ओडीओसी से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे विषयों पर चर्चा होगी। सुरेंद्र कुमार जायसवाल ने कहा कि यह सम्मेलन विरासत और नवाचार को जोड़कर भारत के पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

शासन का बड़ा फैसला, अब शहीद परिवार की मेधावी, दिव्यांग छात्राओं को 10 प्रतिशत कम अंक पर भी स्कूटी

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में उच्च शिक्षा में छात्राओं की ड्रॉपआउट दर कम करने के लिए रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना लागू की जा रही है। योजना के तहत शैक्षिक सत्र 2025-26 में स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं में से टॉप पांच प्रतिशत छात्राओं को स्कूटी दी जाएगी। सामान्य मेधावी छात्राओं के लिए निर्धारित मेरिट से 10 फीसदी कम अंक पाने वाली शहीद परिवार की मेधावी, दिव्यांग और निराश्रित छात्राएं भी पात्र होंगी। इसके लिए छात्राओं का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल की ओर से जारी दिशानिर्देश के तहत शहीद परिवार में सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं और अर्द्धसैनिक बलों में स्थायी या अस्थायी रूप से नियुक्त कमीशन अधिकारी व सैनिक, जो कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए हों, शामिल हैं। अविवाहित शहीद सैनिक की मां और अविवाहित बहन को आश्रित माना जाएगा।

योजना में उच्च शिक्षा विभाग और अन्य विभागों के राज्य और निजी विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध राजकीय, एडेड और स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शामिल होंगे। पोर्टल लाइव होने के एक सप्ताह में विश्वविद्यालय पात्र छात्राओं की सूची संबंधित डीएम और निदेशक उच्च शिक्षा को भेजेंगे। डीएम सत्यापन के बाद चयनित वेंडर से स्कूटी आवंटित कराएंगे और वितरण के बाद प्रमाणपत्र पोर्टल पर अपलोड करेंगे।दिव्यांग श्रेणी में मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफीलिया आदि से ग्रस्त ऐसी छात्राएं पात्र होंगी, जिनका कमर से ऊपर का हिस्सा स्वस्थ हो और वे मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल स्वयं चला सकें। जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को उनकी दिव्यांगता 80 फीसदी या उससे अधिक प्रमाणित करनी होगी। इन्हें स्कूटी के साथ रेट्रोफिटेड स्टेबलाइजर किट भी मिलेगी। वहीं, निराश्रित श्रेणी में वे छात्राएं होंगी, जिनके माता-पिता में से किसी एक की मृत्यु हो गई हो और परिवार में भरण-पोषण करने वाला कोई सदस्य न हो। परिवार की सालाना आय 12 लाख रुपये तक होने पर छात्राएं योजना में शामिल होंगी।स्कूटी पैकेज में पंजीकरण शुल्क, व्यापक वाहन बीमा, आईएसआई मार्का हेलमेट, चार लीटर पेट्रोल और पूरी एसेसरीज शामिल होगी।

पांच साल में 20 लोगों की चली गई जान, सो रहे हैं जिम्मेदार

बारिश में बढ़ जाता है खतरा

आगरा, एजेंसी। बारिश का पानी निकालने के लिए बनाए गए नाले जिम्मेदारों की लापरवाही से जानलेवा साबित हो रहे हैं। खुले और बदबूदार नाले बीते पांच वर्षों में 20 लोगों की जान ले चुके हैं। 20 फीट तक गहरे और खुले पड़े नाले सीधे तौर पर मौत के कुएं बन चुके हैं। कोई घर के सामने खेलते हुए गिरा तो कोई बाजार से लौटते हुए।

हर बारिश में खुले नालों का खौफनाक मंजर उन लोगों को डराता है जो गिरने के बाद जैसे-तैसे बच सके। राजपुर चुंगी पर पांच बाइक सवारों के डबल पेट्रोल पंप नाले में गिरने की घटना के बाद नालों को ढकने की मांग तेज हो गई है।

चोक पड़े गहरे नाले में गिरकर हाल में ही सुभाष बाजार में गंगा देवी की मौत हो गई थी। शहर में 410 छोटे-बड़े नाले हैं जिनमें बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। मंटोला, महावीर नाला, भैंरो नाला समेत 18 नाले 20 फीट तक गहरे हैं। बारिश में पानी में डूबी सड़कों और नालों के बीच का फर्क खत्म हो जाता है और लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं। राजपुर चुंगी और सुभाष बाजार जैसे हादसे अफसरों की संवेदनहीनता बयां करते हैं। हादसों के शिकार लोगों का कहना है कि इन नालों को आरसीसी स्लैब या लोहे के जाल से ढका नहीं गया तो और जिंदगियां जाएंगी।

पार्षदों ने भी उठाई मांग : भाजपा पार्षद दल के उपनेता प्रकाश केसवानी ने कहा कि नालों में गिरकर कई जानें जा चुकी हैं। गहरे नालों को सबसे पहले ढका जाए। ये जानलेवा साबित हो रहे हैं। वहीं बसपा पार्षद दल के नेता कप्तान सिंह ने बताया कि राजपुर चुंगी पर जिस तरह से बाइक सवार गिरे, उसे देखते हुए गहरे नाले तत्काल ढके जाएं। नगर निगम में इसका प्रस्ताव लाएंगे।

स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा बुरा प्रभाव : नालों के किनारे शहर के पांच लाख से ज्यादा लोग रह रहे हैं। एसएन मेडिकल कॉलेज के डॉ. यतेंद्र चाहर ने बताया कि खुले नालों के किनारे रहने वाले लोगों को त्वचा रोग के साथ सीवर के कारण उठने वाली दुर्गंध से सांस संबंधी दिक्कतें हो जाती हैं। क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से एलर्जी, संक्रामक रोग का भी खतरा रहता है।

एसएन मेडिकल कॉलेज में दवाओं का टोटा, पर्चे की आधी दवाएं भी नहीं मिल रहीं

आगरा, एजेंसी। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में बच्चों के दवाओं की भारी कमी है। ओपीडी में पर्चे पर लिखी दवाओं में से आधे से भी कम मिल रही हैं। तीमारदारों का आरोप है कि काउंटर से सस्ती दवाएं ही मिल रहीं, महंगी खरीदनी पड़ रही हैं। इससे पैसा अधिक खर्च हो रहा है, परेशानी भी हो रही है।

बाल रोग विभाग की ओपीडी में रोजाना 200 से अधिक बच्चे आ रहे हैं। इसमें वायरल फीवर, मिर्गी, पेट रोग, डायरिया, फूड पॉइजनिंग की परेशानी के अधिक हैं। यहां कैल्शियम, मल्टीविटामिन, मिर्गी, पेट रोग समेत अन्य मर्ज की दवाओं की कमी है। सिरप का भी टोटा है। पर्चे पर लिखी दवाएं पूरी नहीं मिलने पर तीमारदार इनको खरीद रहे हैं। लंबे समय से दवाओं की कमी चल रही है। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश चिकित्सा आपूर्ति निगम (यूपीएमएससीएल) को मांग भेजी जा चुकी है। आवक में देरी हो रही है। इसी सप्ताह से जरूरी दवाएं प्राप्त होने लगेंगी।

ये बोले तीमारदार

चार में से एक ही दवा मिली : सिकंदरा के राकेश कुमार ने बताया कि वह बेटी को दिखाने एसएन में आए। डॉक्टर साहब ने चार दवाएं लिखी, एक ही मिली है, बाकी की तीन खरीदनी पड़ेंगी।

दौरे का सिरप नहीं, 400 का खरीदा

मोती महल की पूजा ने बताया कि उसके बच्चे को मिर्गी का दौरा आता है। यहां आधी दवाएं ही मिल रही हैं। एक सिरप 400 का आता है, वह हर बार खरीदना पड़ता है।

600 रुपये की खरीदी दवा

जलेसर के शैलेंद्र ने बताया कि भतीजी को दिखाने आया हूं। आंत की बीमारी है। पूरी दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। पिछली बार 600 रुपये की दवाएं खरीदनी पड़ी।

सहकारिता से समृद्धि की राह, नवनिर्वाचित समिति ने ली शपथ

देहरादून (शिखर समाचार)। देहरादून क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड की नव निर्वाचित प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं संचालक मंडल का शपथ ग्रहण समारोह समिति के सहकारी बाजार स्थित कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री खजानदास रहे। वंदेमातरम् के बाद अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समिति सचिव संजीव शर्मा ने नवनिर्वाचित संचालक मंडल को शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि नरेश बंसल ने कहा कि सहकारिता हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। परिवार भी सहकारिता की भावना पर चलता है, जहां हर सदस्य अपनी जिम्मेदारी निभाकर परिवार को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं। उत्तराखंड में किसानों को बिना ब्याज ऋण उपलब्ध कराने और महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सहकारिता के माध्यम से किसानों और महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार लाया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि खजानदास ने सहकारिता की मूल अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए नवनिर्वाचित संचालक मंडल को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई समिति के नेतृत्व में संस्था नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी और सहकारिता से जुड़े लोगों को अधिक लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में वीर सावरकर संगठन के अध्यक्ष कुलदीप स्वेडिया, पंडितवाड़ी साधन सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम मजी, सहसपुर ब्लॉक के वरिष्ठ सहकारी बंधु परमाल सिंह, समाजसेवी आभा शर्मा और समिति उपाध्यक्ष सुधीर कुमार ने भी विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित अध्यक्ष शालिनी दीक्षित ने की तथा संचालन समिति सचिव संजीव शर्मा ने किया।

बिना बिल-फोटो के 1.51 करोड़ का भुगतान, पोर्टल पर अपलोड मिले रफ कागजात, जांच के आदेश

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में भीतरगांव क्षेत्र पंचायत में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विकास कार्यों के नाम पर करीब 1.51 करोड़ रुपये के भुगतान ने सरकारी व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि 10 लाख रुपये से अधिक लागत वाले कई कार्यों में निर्धारित स्वीकृति प्रक्रिया का पालन किए बिना भुगतान कर दिया गया।

इतना ही नहीं ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर दर्ज कई कार्यों में बिल और कार्य की फोटो के बजाय मेजरमेंट बिल (एमबी) और टीडीएस कटौती के नाम पर रफ टीडीएस कैलकुलेशन रिपोर्ट की फोटो अपलोड की गई है। क्षेत्र पंचायतों में राज्य वित्त और 15वें वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि से विकास कार्य कराए जाते हैं।

बिल और फोटो पोर्टल पर अपलोड करना होता है : नियमानुसार 10 लाख रुपये से अधिक के कार्यों के प्रस्ताव पर डीपीआरओ, सीडीओ और आवश्यकतानुसार जिलाधिकारी स्तर से स्वीकृति के बाद ही काम कराया जाता है। कार्य पूरा होने के बाद बिल और फोटो पोर्टल पर अपलोड करना होता है। जांच के बाद लेखाकार और खंड विकास अधिकारी की निगरानी में भुगतान होता है।

विभागीय अधिकारियों में हड़कंप : लेकिन भीतरगांव में पोर्टल पर दर्ज कार्यों को देखें, तो कई में 10 लाख रुपये की सीमा पार कर भुगतान किया गया है। यही नहीं कई कार्यों की एक आईडी बनाई गई लेकिन पोर्टल पर भुगतान को दो हिस्सों में बांटकर दर्ज कर दिया। इस खुलासे के बाद से विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

10 लाख से अधिक के इन कार्यों का नियम की अनदेखी कर हुआ भुगतान : रसूलपुर जाजपुर में जय सिंह के घर से रामनिवास के घर तक सड़क निर्माण कार्य 10.33 लाख रुपये से कराया गया।

सिहुपुर प्राथमिक विद्यालय के बाहर राजन शुक्ला के घर से सोनेलाल के घर तक डामर सड़क निर्माण कार्य 10.37 लाख रुपये से कराया गया।

कुड़नी में बीएएमए इंटर कॉलेज के बाहर डामर रोड का निर्माण कार्य 11 लाख से अधिक की राशि से कराया गया।

शाखारी में हीरालाल के घर तक सड़क निर्माण कार्य 11.35 लाख रुपये से कराया गया।

बैजूपुर में शिवम के घर से विजय प्रताप के घर तक सड़क व नाली निर्माण कार्य 11.39 लाख रुपये से कराया गया।

कुड़नी में अरविंद कुशवाहा के घर से श्रीराम के घर तक सड़क व नाली निर्माण कार्य 11.43 लाख रुपये से कराया गया।

शाह गांव में रतिराम के घर से जलिया देवी मंदिर तक इंटरलॉकिंग कार्य 14.74 लाख रुपये से कराया गया।

रावली बैराज तटबंध पर फिर मंडराया खतरा, तेज बहाव के सामने दावे बेअसर

बिजनौर (शिखर समाचार)। गंगा नदी में पानी का बहाव तेज होने के साथ रावली बैराज तटबंध पर एक बार फिर खतरा मंडराने लगा है। जिस स्थान पर पिछले वर्ष तटबंध में कटान शुरू हुआ था, उसी क्षेत्र में दोबारा दरारें पड़ने और तटबंध के धंसने का खतरा पैदा हो गया है। हालांकि सिंचाई विभाग के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और तटबंध की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

गत वर्ष गंगा में तेज बहाव के कारण रावली बैराज तटबंध करीब एक किलोमीटर की लंबाई में कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने लगा था। विभागीय अधिकारियों ने तत्काल बचाव कार्य कर गंगा के पानी को तटबंध के पार जाने से रोका था। उस दौरान कटान रोकने के लिए गंगा किनारे खड़े हजारों पेड़ों को भी काटना पड़ा था। बाद में शासन स्तर के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर तटबंध को मजबूत बनाने के निर्देश दिए थे। विभागीय प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद तटबंध की मरम्मत के लिए 40 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इसके बाद एसीबीएम तकनीक से मरम्मत कार्य कराया गया, जिसे बरसात शुरू होने से पहले पूरा कर लिया गया। एक जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तटबंध का लोकार्पण किया था।

अब तेज बहाव के दौरान उसी स्थान पर दोबारा दरारें दिखाई देने से तटबंध की मजबूती पर सवाल उठ रहे हैं। मध्य गंगा बैराज खंड-5 के अधिशासी अभियंता करण पाल सिंह ने बताया कि विभागीय टीम लगातार निगरानी कर रही है। पानी कम होने के बाद तटबंध की ओर बहाव बढ़ा है, जिससे खतरा थोड़ा बढ़ा है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है और आवश्यक बचाव कार्य जारी हैं।

तटबंध की सुरक्षा के लिए सात किलोमीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा जल प्रवाह मार्ग भी बनाया गया था। विभाग का उद्देश्य था कि तेज बहाव का अधिकांश पानी इस मार्ग से होकर निकले और तटबंध पर दबाव कम रहे। हालांकि मौके पर लोगों का कहना है कि जल प्रवाह मार्ग से अपेक्षाकृत कम पानी गुजर रहा है और तटबंध की ओर दबाव अधिक है। विभाग की ओर से तटबंध पर मिट्टी के कट्टे भरने के साथ मशीनों से बचाव कार्य कराया जा रहा है। पर्याप्त बोल्डर भी उपलब्ध कराए गए हैं। सहायक अभियंता ओमकार सिंह, बीपी सिंह, विकास दीप और अवर अभियंता मोहम्मद आरिफ समेत टीम निगरानी में जुटी है।

पुलिस विभाग में देर रात बड़े स्तर पर तबादले, गोंडा-सुल्तानपुर सहित सात जिलों के बदले गए कप्तान

लखनऊ, एजेंसी। डीजीपी मुख्यालय ने बृहस्पतिवार देर रात सात जिलों के पुलिस कप्तान समेत नौ आईपीएस का तबादला कर दिया। गोंडा के एसपी विनीत जायसवाल को सुल्तानपुर का एसपी बनाया गया है। सुल्तानपुर में तैनात चारू निगम को यूपी 112 भेजा गया है।

पुलिस के बल प्रयोग को लेकर विवादों में घिरे मेरठ के एसएसपी अविनाश पांडेय को डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। झांसी के एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति को मेरठ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिजनौर के एसपी अभिषेक को गोंडा का नया कप्तान बनाया गया है। बलरामपुर के कप्तान विकास कुमार को झांसी का एसएसपी बनाया गया है।

संभल के एसपी केके बिश्नोई को बिजनौर का कप्तान बनाया गया है। बाराबंकी में एएसपी विकास चन्द्र त्रिपाठी को आईपीएस बनने के बाद संभल का एसपी बनाया गया है। इसी तरह आईपीएस बने हरदोई के एएसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह को बलरामपुर का एसपी बनाया गया है।

इस फेरबदल के तहत मेरठ, झांसी, सुल्तानपुर, गोण्डा, बिजनौर, सम्भल और बलरामपुर समेत कई जिलों की कमान नए अधिकारियों को सौंपी गई है। प्रशासनिक कसावट और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए इन तबादलों में कई जिलों के कप्तानों को बदला गया है, जबकि कुछ अधिकारियों को मुख्यालय व अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों में तैनात किया गया है।

भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष को किया हाउस अरेस्ट! मेरठ पुलिस की कार्रवाई से मचा हड़कंप, समर्थकों में आक्रोश

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ में भाजपा से जुड़े वरिष्ठ नेता को हाउस अरेस्ट किए जाने की खबर से राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मच गई। सिवालखास विधानसभा क्षेत्र के सरूरपुर खुर्द निवासी भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव को मेरठ पुलिस द्वारा नजरबंद किए जाने की बात सामने आने के बाद उनके समर्थकों में तीखी नाराजगी है। समर्थकों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बिना स्पष्ट कारण बताए किसी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता को घर में नजरबंद करना लोकतांत्रिक अधिकारों पर सवाल खड़ा करता है। बताया गया कि वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन रवाना होने से पहले ही उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

समर्थकों का दावा है कि संबंधित नेता पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सामाजिक गतिविधियों के लिए सक्रिय रहे हैं और मेरठ की विभिन्न विधानसभा सीटों पर उनका व्यापक जनसंपर्क है। वह शोषित, पीड़ित और वंचित लोगों की समस्याओं को लेकर आवाज उठाने तथा न्याय एवं सम्मान के लिए संघर्ष करने का दावा करते हैं। विशेष ओलंपियाड भारत से जुड़े होने के साथ उनके संगठन की देश के 21 राज्यों में मौजूदगी होने की भी बात कही गई है।

समर्थकों ने कहा कि नेता स्वयं भाजपा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता रखते हैं और प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री की नीतियों के समर्थक हैं। ऐसे में उनकी नजरबंदी ने समर्थकों को और अधिक आक्रोशित कर दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी क्या वजह थी जिसके चलते पुलिस को उन्हें दिल्ली जाने से रोकते हुए घर में नजरबंद करना पड़ा। हालांकि पुलिस की ओर से इस कार्रवाई के कारण के संबंध में कोई स्पष्ट आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

समर्थकों ने चेतावनी दी कि यदि नजरबंदी का कारण सार्वजनिक नहीं किया गया और कार्रवाई का संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो मामला व्यापक सामाजिक मुद्दा बन सकता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से कार्रवाई का आधार स्पष्ट करने और नेता को तत्काल मुक्त करने की मांग की है। फिलहाल इस घटनाक्रम को लेकर मेरठ के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में चचाओं का दौर तेज है।

किसान आदित्य आत्मदाह प्रकरण पर भाकियू तोमर का हल्ला बोल, सात दिन में कार्रवाई नहीं तो 27 अगस्त को धरना

शामली (शिखर समाचार)। गांव गोरनी निवासी किसान आदित्य द्वारा कथित रूप से अधिकारियों की प्रताड़ना से परेशान होकर आत्मदाह का प्रयास किए जाने के मामले में भारतीय किसान यूनियन तोमर ने निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर शुक्रवार को कलक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम अपर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा। इसमें दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और मामले की समयबद्ध जांच कराने की मांग की गई।

भाकियू तोमर के जिलाध्यक्ष मौ. साजिद अल्वी के नेतृत्व में पीड़ित किसान के परिवार और दर्जनों पदाधिकारी कलक्ट्रेट पहुंचे। धरने को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि किसान आदित्य ने कानूनगो अमरीश शर्मा, पटवारी दिलशाद और दरोगा सोमपाल की कथित कार्यप्रणाली एवं प्रताड़ना से परेशान होकर आत्मदाह जैसा कदम उठाया। संगठन ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर यह पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित कर्मचारी किन अधिकारियों के आदेश या दबाव में किसान के खेत पर पहुंचे थे।

संगठन ने किसान और उसके परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज करने, उपलब्ध साक्ष्यों को जांच में शामिल करने तथा आत्मदाह के दौरान बनाए गए वीडियो को सुरक्षित रखने की मांग की। साथ ही किसान से जुड़े भूमि, राजस्व, बिजली और पुलिस सहित अन्य प्रशासनिक विवादों की निष्पक्ष समीक्षा कर समाधान कराने की मांग की गई। पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता देने की मांग भी उठाई गई।

भाकियू तोमर ने चेतावनी दी कि यदि सात दिन के भीतर मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो 27 अगस्त को जिलाधिकारी कार्यालय पर बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। धरने के दौरान पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह भी किसानों के बीच पहुंचे और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस दौरान साकिब मलिक, नोशाद अल्वी, दानिश मलिक, राजन चौधरी, अब्दुल रहमान, नवाब अली, कल्लू, चंद्रवीर सिंह, अनिल कुमार, परवेज चौधरी, अमित बेनीवाल और साजिद सहित अनेक किसान व पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा को लेकर डीसीपी धवल जयसवाल की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी, एंटी रोमियो टीमों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महिला सुरक्षा को लेकर डीसीपी धवल जयसवाल की अध्यक्षता में पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम, शिकायतों के प्रभावी निस्तारण और महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। गोष्ठी में अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल, सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध तथा कमिश्नरेट के सभी थानों की एंटी रोमियो स्क्वायड टीमें मौजूद रहीं। उन्होंने महिला एवं बालिका सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर टीमों के साथ विचार-विमर्श किया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि महिलाओं से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन पर त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने कहा कि महिला अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस की सक्रिय मौजूदगी और प्रभावी निगरानी बेहद जरूरी है। एंटी रोमियो स्क्वायड की टीमें अपने-अपने थाना क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण करें और स्कूल, कॉलेज, बाजार, सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौराहों तथा महिलाओं की आवाजाही वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतें। संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल नजर

रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए।उन्होंने टीमों को निर्देशित किया कि महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े मामलों में पुलिस का व्यवहार पूरी तरह संवेदनशील और सहयोगात्मक होना चाहिए। किसी भी पीड़िता या शिकायतकर्ता की बात को गंभीरता से सुना जाए तथा उसकी समस्या के समाधान के लिए नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। पुलिस की प्राथमिकता यह हो कि महिलाओं को किसी भी प्रकार का भय महसूस न हो और वह अपनी शिकायत बिना संकोच पुलिस तक पहुंचा सकें। बैठक के दौरान महिला सुरक्षा से जुड़े अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। एंटी रोमियो स्क्वायड टीमों को अपने क्षेत्रों में महिलाओं और छात्राओं को पुलिस हेल्पलाइन तथा सुरक्षा उपायों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को परेशान करने, पीछा करने या अशोभनीय व्यवहार करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने टीमों से कहा कि सुरक्षा व्यवस्था केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि इसे नियमित पुलिसिंग का हिस्सा बनाया जाए। प्रत्येक थाना क्षेत्र में महिला सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील स्थानों की लगातार निगरानी की जाए और आवश्यकता के अनुसार पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। पुलिस उपायुक्त ने सभी टीमों को सतर्कता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई को प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। प्रत्येक महिला एवं बालिका को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य करें।

दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला को मारपीट कर घर से निकाला, छह के खिलाफ मुकदमा

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर कस्बे की एक महिला ने ससुराल पक्ष के लोगों पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति, ससुर, सास और तीन ननद समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया गया और मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। कस्बे के मंगरौली रोड निवासी ज्योति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 10 फरवरी 2020 को मोहल्ला मॉडलपुरिया निवासी हिमांशु के साथ हुई थी। पीड़िता के अनुसार उसकी विधवा मां और भाइयों ने अपनी कृषि भूमि बेचकर सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज देकर शादी की थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष के लोगों ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी और मांग पूरी न होने पर उसका उत्पीड़न किया जाने लगा। ज्योति का आरोप है कि 18 जुलाई 2026 को ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने का प्रयास करते हुए उसे घर से निकाल दिया। महिला ने बताया कि वह वर्तमान में पांच माह की गर्भवती है और अपनी विधवा मां के पास रह रही है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति हिमांशु समेत छह आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीमा पॉलिसी रिफंड के नाम पर 24 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, 2 ठग गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बीमा पॉलिसी का रिफंड कराने के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसाकर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का साइबर क्राइम पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने मामले में दो ठग को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ठगी में इस्तेमाल किए गए तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। ठग के खिलाफ दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान तीन राज्यों में करीब 24 लाख रुपये की साइबर ठगी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। इसी कड़ी में गाजियाबाद के कविनगर क्षेत्र निवासी रमेश कुमार शर्मा से बीमा पॉलिसी का रिफंड कराने के नाम पर 11 लाख रुपये की ठगी की गई थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर साइबर क्राइम टीम जांच में जुटी थी। जांच के दौरान पुलिस ने सुनील कुमार और आशीष शर्मा को थाना कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया। इनके पास से घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। ठगी की रकम में से 1.43 लाख रुपये को फ्रीज कराया गया है, जिसे एनसीआरपी पोर्टल की एसओपी के अनुसार पीड़ित को वापस कराने की कार्रवाई चल रही है। पूछताछ में ठगों ने पुलिस को बताया कि वह पहले नोएडा के सेक्टर-62 स्थित एक बीमा पॉलिसी ब्रोकिंग कंपनी में कॉलिंग का काम करते थे। वहां काम करने के दौरान उन्हें ग्राहकों का बीमा संबंधी डाटा मिलता था। उन्होंने इसी डाटा का इस्तेमाल साइबर ठगी के लिए करना शुरू कर दिया। वह ग्राहकों को बीमा पॉलिसी की विभिन्न सेवाओं और रिफंड के नाम पर फोन करते तथा अलग-अलग टैक्स और शुल्क जमा कराने की बात कहकर अपने बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करा लेते थे। उनके पास पहले से पीड़ितों की बीमा पॉलिसी से जुड़ी जानकारी होती थी। इसी कारण फोन करने पर पीड़ितों

को उन पर आसानी से भरोसा हो जाता था। विश्वास कायम करने के लिए वह इंटरनेट से बीमा कंपनी के कर्मचारियों के आईकार्ड डाउनलोड कर उन्हें व्हाट्सऐप के जरिए पीड़ितों को भेजते थे। सुनील कुमार कथित तौर पर केके पांडेय और आशीष शर्मा पवन कुमार पटेल नाम से बीमा एजेंट बनकर लोगों को फोन करते थे। साइबर ठगी के लिए बीमा कंपनी का डाटा और बैंक खातों की व्यवस्था आशीष शर्मा करता था। इनसे बरामद दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच में पुलिस को गाजियाबाद के अलावा तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी साइबर ठगी की घटनाओं का पता चला। हैदराबाद निवासी बृजेश कुमार मौर्य से करीब 2.50 लाख रुपये और महाराष्ट्र के डोम्बीवली निवासी सतीश विनायक नाके से करीब 9.87 लाख रुपये की ठगी हुई थी। इस तरह तीन घटनाओं में करीब 24 लाख रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है। पुलिस को इनके मोबाइल फोन से अन्य लोगों के साथ हुई व्हाट्सऐप चैट भी मिली हैं। इनके आधार पर साइबर क्राइम टीम अन्य संभावित ठगी की घटनाओं का पता लगाने में जुटी है। गिरफ्तार ठगों की पहचान सुनील कुमार निवासी अलीगढ़ और आशीष शर्मा निवासी फरीदाबाद के रूप में हुई है।दोनों 12वीं तक शिक्षित हैं।

ट्रांसफार्मर चोर अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश, छह आरोपी गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता कर किया खुलासा

शामली (शिखर समाचार)। बाबरी थाना पुलिस ने ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ट्रांसफार्मरों से चोरी किया गया सामान, दो तमंचे, कारतूस, दो चाकू, चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण और वारदात में प्रयुक्त कार बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह ने शामली समेत आसपास के कई जिलों में ट्रांसफार्मरों से सामान चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दिया है।
शुक्रवार को पुलिस लाइन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने बताया कि 15-16 अगस्त की रात बाबरी थाना क्षेत्र के गांव खानपुर के जंगल में लगे तीन ट्रांसफार्मरों से सामान चोरी किया गया था। इसके अलावा आदर्शमंडी थाना क्षेत्र में 8-9 अगस्त की रात द एवेन्यू के सामने तथा 2-3 अगस्त की रात गांव गोहरनी के जंगल में भी ट्रांसफार्मरों से सामान

चोरी हुआ था। संबंधित मामलों में मुकदमे दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।
अभियान के तहत बाबरी पुलिस ने छह आरोपियों साजिद निवासी बुढ़ाना तथा सुल्तान, आरिफ, सायान, सादाब और शाहबाद निवासी सरधना, मेरठ को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने करीब पांच दिन पहले अपने साथी शोएब के साथ खानपुर के जंगल में तीन ट्रांसफार्मरों को नीचे गिराकर सामान चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार चोरी का कुछ सामान शोएब दिल्ली ले जाकर कबाड़ियों को बेच चुका है, जबकि कुछ सामान जंगल में छिपाया गया था।
आरोपियों ने बड़ौत, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और शामली के जंगलों में ट्रांसफार्मरों से चोरी की कई घटनाएं करना भी स्वीकार किया है। पुलिस ने दो 315 बोर के तमंचे, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा, दो चाकू, ट्रांसफार्मर की छह कुंडली, रस्सी, कटर, लोहे के ब्लेड, प्लास, पेचकस, पाना, चाबियां और अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

जिम्स कॉलेज में लगा रीसायकल मेला, छात्रों को दिया कचरा प्रबंधन का संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विधि विभाग, जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस के विधिक सहायता प्रकोष्ठ की ओर से गुरुवार को रीसायकल मेले का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्ध नगर के पर्यावरण संरक्षण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के तहत आयोजित किया गया। मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों को कचरे के उचित प्रबंधन, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन व्हाई वेस्ट वेडनेसडे फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर प्रो. डॉ. पल्लवी गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। विधि विभाग के अन्य शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कचरे का उचित प्रबंधन पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ-साथ भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रीसायकल मेले के दौरान विद्यार्थियों को सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग रखने, अनुपयोगी सामग्री का दोबारा इस्तेमाल करने तथा प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी सामग्री तैयार कर कई आकर्षक मॉडल भी प्रदर्शित किए। इन मॉडलों के माध्यम से कचरे को संसाधन में बदलने और रचनात्मक तरीके से उसका पुनः उपयोग करने का संदेश दिया गया। विधिक सहायता प्रकोष्ठ की ओर से कहा गया कि कचरा प्रबंधन केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है। यदि लोग अपने स्तर पर कचरे को अलग करने और उसका उचित निस्तारण करने की आदत अपनाएं तो पर्यावरण संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने स्वच्छ, हरित और टिकाऊ पर्यावरण के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

बीएसए ने प्राथमिक विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, कक्षाओं में जाकर परखी बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने गांव अनवरपुर में संचालित प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं और बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी पढ़ाई के स्तर को परखा। साथ ही कक्षा-कक्ष में चल रही सीखने की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अनुसार नियमित रूप से पढ़ाने के साथ उनकी समझ और सीखने की क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कक्षा में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने और उन्हें सीखने के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की भी जानकारी ली गई। बीएसए ने निर्देशित किया कि बच्चों को प्रतिदिन निर्धारित मेन्यू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाए। भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विद्यालय परिसर और कक्षाओं में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर रखने तथा बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। बीएसए ने शिक्षकों से कहा कि नियमित उपस्थिति के लिए अभिभावकों से भी संपर्क किया जाए और बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों पर प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई, 12 अस्थाई दुकानें ध्वस्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के शहरी सेवा विभाग की ओर से सड़क किनारे अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान तिलपता चौक से एक मूर्ति, एक मूर्ति से रोजा चौक, सेक्टर-16बी, एनटीपीसी सोसायटी और जगत फार्म बाजार के आसपास सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। प्राधिकरण की टीम ने चुहड़पुर में सड़क किनारे अस्थाई ढांचे बनाकर संचालित की जा रही 12 अवैध दुकानों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों के अनुसार इन अस्थाई दुकानों

के कारण सड़क पर आवागमन प्रभावित हो रहा था और यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न हो रही थी। कार्रवाई के दौरान तीन काउंटर, एक तख्त और एक मेज भी जब्त कर प्राधिकरण के भंडार गृह में जमा कराई गई। इसके अलावा शाहबेरी रोड और एटीएस सोसायटी के आसपास भी अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी, खोखे, अस्थाई दुकान अथवा अन्य ढांचे लगाकर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों और सड़क किनारे अतिक्रमण कर आवागमन में बाधा पैदा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्राधिकरण की कार्रवाई से सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

फैमिली आईडी बनाने में जुटी शामली नगर पालिका, तीन हजार का लक्ष्य, 1364 परिवारों की आईडी तैयार

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद शामली ने एक परिवार-एक पहचान योजना के तहत फैमिली आईडी बनाने का अभियान शुरू कर दिया है। पालिका को तीन हजार परिवारों की आईडी बनाने का लक्ष्य मिला है, जिसमें अब तक 1364 परिवारों की फैमिली आईडी तैयार की जा चुकी हैं। पालिका प्रशासन ने अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना से जोड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।
पालिका सभागार में आयोजित बैठक में चेयरमैन अरविंद संगल ने बताया कि 24 अगस्त से नगर पालिका कार्यालय में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक निःशुल्क फैमिली आईडी बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं है, वे परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड और आधार से जुड़े सक्रिय मोबाइल नंबर के माध्यम से

पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।
उन्होंने बताया कि राशन कार्ड धारक परिवारों को अलग से फैमिली आईडी बनवाने की आवश्यकता नहीं है। उनका राशन कार्ड नंबर ही फैमिली आईडी के रूप में मान्य होगा। फैमिली आईडी बनने के बाद पात्र परिवारों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, पेंशन और अन्य सुविधाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। पालिका की ओर से लोगों से अभियान का लाभ उठाने की अपील की गई है।
बैठक में पूर्व सभासद राजीव मलिक, प्रदीप वर्मा, संजय बंसल, सुरेशचंद कौशिक, आजम खां, अमित कुमार, विनोद निर्वाल, गजेंद्र सिंह, वैभव गर्ग सहित पालिका कर्मचारी और अन्य लोग मौजूद रहे।

होटल रेडिएंट में अनैतिक देह व्यापार की सूचना पर छापा, महिला समेत चार गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। आदर्शमंडी थाना पुलिस और महिला थाना शामली की संयुक्त टीम ने एमएसके रोड स्थित होटल रेडिएंट में अनैतिक देह व्यापार संचालित होने की सूचना पर छापेमारी कर तीन पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से चार मोबाइल फोन, 3460 रुपये की नकदी और होटल का रजिस्टर बरामद करने का दावा किया है। पुलिस होटल संचालक की तलाश में जुटी है और मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार 20 अगस्त की रात आदर्शमंडी पुलिस को सूचना मिली थी कि एमएसके रोड स्थित होटल रेडिएंट में अनैतिक देह व्यापार संचालित किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद सीओ सिटी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में आदर्शमंडी थाना पुलिस और महिला थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर होटल पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुज निर्वाल निवासी चौधरी चरण सिंह कॉलोनी शामली, प्रशांत शर्मा उर्फ नितेश निवासी दादरी, थाना दौराला, मेरठ तथा जतिन निवासी दयानंद नगर शामली के रूप में हुई है। पुलिस ने एक महिला आरोपी को भी हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि मौके से बरामद सामान को जांच में शामिल किया गया है। पुलिस ने होटल से चार मोबाइल फोन, 3460 रुपये की नकदी और होटल का रजिस्टर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार रजिस्टर और मोबाइल फोन की जांच के आधार पर मामले से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं होटल संचालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

गाजियाबाद के सुनियोजित विकास को मिली रफ्तार, एलिवेटेड कॉरिडोर समेत कई अहम प्रस्ताव प्राधिकरण की 173वीं बोर्ड बैठक में मंजूर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की 173वीं बोर्ड बैठक में शहर के सुनियोजित और आधुनिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की गई। अध्यक्ष एवं मेरठ मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यातायात व्यवस्था, आवासीय विकास, बाढ़ सुरक्षा, नई टाउनशिप, निवेश और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर विचार किया गया। बैठक में घंटाघर स्थित रामलीला मैदान के सामने से चौधरी मोड़ होते हुए भाटिया मोड़ आधार सेवा केंद्र तक करीब दो किलोमीटर लंबे चार लेन ऊपरी यातायात मार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई। इससे शहर के व्यस्त जीटी रोड पर यातायात दबाव कम होने और जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। परियोजना को शहरी चुनौती कोष के तहत वित्तपोषित करने की दिशा में भी सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है।

बैठक में हरनंदीपुरम आवासीय योजना, प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और एयरोसिटी क्षेत्र को बाढ़ से सुरक्षित रखने के लिए हिंडन नदी के दाहिने तट पर बंधा निर्माण प्रस्ताव भी मंजूर किया गया। करीब 501 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होने वाली हरनंदीपुरम योजना के प्रथम चरण के लिए भूमि उपयोग परिवर्तन को स्वीकृति दी गई। वहीं मोरटी, अटौर और मेवला अगरी गांवों की भूमि पर करीब 541 हेक्टेयर क्षेत्र में एयरोसिटी विकसित करने के लिए भूमि जुटाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। शाहपुर बम्हैटा में निजी निवेश से प्रस्तावित टाउनशिप के लिए भूमि उपयोग परिवर्तन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट से संबंधित प्रस्ताव भी मंजूर किए गए। सागा क्रेसेंट पार्क और पार्क टाउन एकीकृत टाउनशिप की परियोजना अवधि बढ़ाने को भी स्वीकृति मिली। इंदिरापुरम के दो भूखंडों के भूमि उपयोग को आवासीय समूह आवास में बदलने तथा राजनगर में भूमि उपयोग परिवर्तन का प्रस्ताव भी पारित हुआ। हापुड़ के धौलाना क्षेत्र में करीब 13.15 हेक्टेयर भूमि को कृषि से औद्योगिक उपयोग में बदलने की मंजूरी दी गई। अधिकारियों को सभी स्वीकृत योजनाओं में गुणवत्ता, समयबद्धता और जनहित को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

देव नंदिनी कॉलेज में दीक्षारंभ और स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

हापुड़ (शिखर समाचार)। देव नंदिनी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शुक्रवार को बीएससी नर्सिंग और जीएनएम के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ एवं स्थापना दिवस समारोह-2026 उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा और विशिष्ट अतिथि भारतीय चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज जैन रहे। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वरिष्ठ छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. शाइनी पीसी ने संस्थान की उपलब्धियों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ चिकित्सकीय प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दानिश और विवेक ने

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, परीक्षा नीति, चिकित्सकीय प्रशिक्षण, रोजगार, रैगिंग विरोधी नियमों और कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चेयरमैन डॉ. श्याम कुमार ने कहा कि नर्सिंग केवल करियर नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना से जुड़ा पेशा है। निदेशक डॉ. विमलेश शर्मा ने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने की सीख दी, जबकि न्यासी डॉ. गोविंद सिंह ने बड़े लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य सलाहकार डॉ. अशोक मैत्रेय ने अनुशासन को सफलता की नींव बताया। भारतीय चिकित्सा संघ अध्यक्ष डॉ. मनोज जैन ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित नर्सों की मांग लगातार बढ़ रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा ने कहा कि कुशल और संवेदनशील नर्स स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान और सेवाभाव के माध्यम से समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का आह्वान किया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने परिचय देते हुए नर्सिंग क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने का संकल्प लिया। संचालन कार्यक्रम समन्वयक दीप्ति और शाहरून ने किया। प्रियंका ने आभार व्यक्त किया। आयोजन कार्यकारी निदेशक संतोष कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

संपादकीय

न्याय की मांग या सियासी टकराव : पैलेट गन विवाद ने फिर खड़े किए बड़े सवाल

राजधानी दिल्ली में 21 अगस्त का दिन लोकतंत्र, पुलिस की जवाबदेही और राजनीतिक प्रतिरोध के रिश्ते पर एक गंभीर सवाल छोड़ गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पैलेट गन से घायल बताए जा रहे 19 वर्षीय साहिल लोचब को साथ लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचे और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। कुछ ही समय में प्रियंका गांधी, जयराम रमेश, सलमान खुर्शीद, कुमारी शैलजा और कांग्रेस के अन्य नेता भी वहां पहुंच गए। मामला केवल एक राजनीतिक प्रदर्शन का नहीं है। इसके केंद्र में एक युवक की चोट, पुलिस कार्रवाई की वैधता, प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया और उस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच का प्रश्न है। दिनभर के घटनाक्रम के बाद दिल्ली पुलिस ने साहिल की शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली।

यह विवाद 20 जुलाई को जंतर मंतर और संसद की ओर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़ा है। उस दिन प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच टकराव हुआ था। प्रारंभ में दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया था, लेकिन बाद में सामने आई पुलिस की सामान्य डायरी की प्रविष्टि ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया। रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस रिकॉर्ड में बताया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एक पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान गैर घातक सामग्री के साथ प्लास्टिक पैलेट के दो राउंड भी इस्तेमाल किए। पुलिस का तर्क रहा है कि इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक पैलेट धातु के पैलेट से अलग होते हैं और अपेक्षाकृत कम नुकसान पहुंचाने के लिए बनाए जाते हैं। दूसरी ओर, घायलों की मेडिकल रिपोर्ट और उनके अनुभव इस दावे की मानवीय कीमत को सामने रखते हैं। साहिल लोचब का मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चोट आंख पर लगी और उसकी दृष्टि को लेकर गंभीर चिंता सामने आई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसने अपनी आंख की रोशनी वापस आने की अनिश्चितता व्यक्त की थी। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवा प्रदर्शन में घायल हुआ है तो उसकी शिकायत को दर्ज करने और उसकी जांच कराने में देरी क्यों होनी चाहिए। हालांकि इस पूरे प्रकरण को केवल एकतरफा नजरिये से देखना भी उचित नहीं होगा। पुलिस और सुरक्षा बलों का पक्ष भी जांच का हिस्सा होना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा कर्मियों के घायल होने, भीड़ के उग्र होने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता। लोकतांत्रिक विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन विरोध के नाम पर हिंसा या सार्वजनिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं है। इसी तरह कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर जरूरत से अधिक बल प्रयोग भी स्वीकार्य नहीं हो सकता। असली कसौटी यही है कि बल कितना, कब और किस परिस्थिति में इस्तेमाल किया गया तथा क्या उससे कम कठोर विकल्प उपलब्ध थे। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण विकास सर्वोच्च न्यायालय की पहल है। शीर्ष अदालत ने पांच सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति गठित की है, जिसकी अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। समिति पुलिस और अर्धसैनिक बलों पर अत्यधिक या अनुपातहीन बल प्रयोग के आरोपों के साथ प्रदर्शनकारियों द्वारा सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कथित हिंसा की भी जांच करेगी। महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को भी गंभीरता से देखने को कहा गया है।

~ मौलिक चिंतन ~

स्वयं को महाज्ञानी और बाकी को मूढ अज्ञानी समझने से बड़ी कोई और मूर्खता नहीं होती है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

स्कूलों के दरवाजे बंद, सवालों से क्यों डर रहीं हैं सरकारें?

सनत जैन

जयपुर के रामपुरा-कंवरपुरा गांव में सरकारी स्कूल की स्थिति देखने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों की झड़प और मारपीट की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सीजेपी का आरोप है, इस विरोध के पीछे भाजपा समर्थक थे। उपलब्ध रिपोर्ट में भाजपा ने दावा किया है, ग्रामीणों ने कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं का विरोध करते हुए उनके साथ मारपीट कर उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाया है। इसमें भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। मुद्दा केवल यह नहीं है, जयपुर में किसने किसे पीटा। असली प्रश्न यह है, सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति देखने, उसकी तस्वीर लेने और उसे जनता के सामने रखने से किसे डर लग रहा है? राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश तथा फोटो-वीडियोग्राफी के लिए प्रधानाचार्य की अनुमति अनिवार्य करने का आदेश क्यों सामने आया है? छात्रों से बातचीत करने पर क्यों रोक लगाई जा रही है? आदेश पर सरकार का तर्क बच्चों की सुरक्षा, निजता और विद्यालय में अनावश्यक व्यवधान को रोकने की बात कही जा रही है। यह तर्क पूरी तरह से सही नहीं है। यह आदेश ऐसे समय पर आया है जब जेन-अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएं अपनी मांग को लेकर कई राज्यों के कई स्थानों पर सड़क पर उतरे हैं। जब सीजेपी एवं अन्य राजनीतिक दल सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर अभियान चला रहे हैं, तब स्वाभाविक रूप से पारदर्शिता और सच को छुपाने को लेकर सवाल उठते हैं।

उत्तर प्रदेश में भी बिना अनुमति सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों और यूट्यूबर्स के प्रवेश पर रोक की खबर है। वहां भी प्रशासन का तर्क सुरक्षा और पढ़ाई में व्यवधान बताया गया है। यह कहना कि दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें अपनी कमियां छिपाना चाहती हैं। पारदर्शिता और सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जा सकता है, यह सवाल जरूर महत्वपूर्ण है। दूसरी तरफ भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े छात्र संगठनों की सक्रियता को इसी व्यापक राजनीति से जोड़ा जा रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा भाजपा से जुड़े हुए अनुवांशिक संगठन लंबे समय से विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश कर-के वहां हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन पर इस तरीके की कोई रोक-टोक नहीं है। यदि कोई संगठन स्कूल-कॉलेजों की समसस्यों को देखकर और सुनकर समाधान के लिए प्रशासन और सरकार के सामने लाना चाहते हैं, तो लोकतंत्र में उसका स्वागत होना चाहिए। यही अधिकार विपक्षी दलों और स्वतंत्र सामाजिक संगठनों को भी मिलना चाहिए। इसको लेकर राजनीति शुरू हो गई है। शिक्षा संस्थान किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं हैं। वे जनता के पैसे से चलते हैं। वहां पढ़ने वाले बच्चे समाज के भविष्य हैं। स्कूल की टूटी छत, जर्जर भवन, शिक्षक की कमी, शौचालय, पेयजल, प्रयोगशाला या पाठ्यपुस्तकों की कमी की किसी भी समस्या को उजागर करने वाला व्यक्ति राजनीतिक विरोधी हो सकता है। कम उम्र के छात्रों की समस्या को खत्म करने की जिम्मेदारी सरकार की ही होगी। शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकार में शामिल है। ऐसी स्थिति में कम उम्र के छात्रों के अधिकार को कैसे छीना जा सकता है।

जयपुर की घटना इसलिए गंभीर है, क्योंकि सीजेपी शिक्षा एवं परीक्षा संबंधी मुहिम को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। राजस्थान में प्रशासन, पुलिस और भाजपा कार्यकताओं से टकराव की खबरें सामने आना चिंता का कारण है। कुछ दिन पहले अलवर में जर्जर स्कूल को लेकर सीजेपी अभियान के बाद सरकार द्वारा मांगें स्वीकार किए जाने की रिपोर्ट आई थी। इसका अर्थ यह है कि दबाव बनाने वाली सक्रियता से व्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है। राजनीति का सबसे खतरनाक रूप तब सामने आता है, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जंग मुद्दों पर नहीं, बल्कि एक-दूसरे को मैदान से हटाने के लिए होने लगे। भाजपा कार्यकताओं ने किसी संगठन के कार्यकताओं पर हमला किया है? तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। यदि सीजेपी के कार्यकताओं ने बिना अनुमति स्कूल में प्रवेश किया या स्थानीय लोगों को आपत्ति थी, उसके लिए कानून के तहत शांतिपूर्ण ढंग से प्रतिक्रिया होनी चाहिए। भीड़ को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सोशल मीडिया पर चल रहे जेन जेड और जेन अल्फा से जुड़े आंदोलनों को लेकर भी राजनीतिक दलों में नई रणनीतियां बनना शुरू कर दी हैं। छात्र एवं युवा अब आश्वासन राजनीतिक भाषण नहीं सुनता है। वह अपनी समस्याओं का समाधान निश्चित समय सीमा पर चाहता है। वह सवाल का जवाब भी तुरंत चाहता है। आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, फीस, डिजिटल अधिकार और सरकारी संस्थानों की पारदर्शिता बड़े राजनीतिक मुद्दे बनेंगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। भाजपा और संघ परिवार यदि युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में सक्रियता बढ़ाते हैं। इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप विपक्षी दल भी ऐसा करने का प्रयास करेंगे। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष को समान अधिकार प्राप्त हैं। मुकाबला होना चाहिए,विचारों मे हिंसा का कोई स्थान नहीं है। सरकार के लिए सबसे अच्छा रास्ता स्कूलों के दरवाजे बंद करना नहीं, स्कूलों की समस्याओं को जवाबदेही के साथ सुलझाना और पारदर्शी बनाना है। कोई भी कैमरा वहां की व्यवस्था की सच्चाई को दिखाएगा, तो व्यवस्था से जुड़े हुए लोग जवाबदेह होंगे। सरकार को इसमें शर्मिंदा होने के स्थान पर, जिन अधिकारियों के ऊपर इसकी जिम्मेदारी थी, उनके ऊपर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि व्यवस्थाओं में सुधार हो। बाहरी लोगों के प्रवेश के लिए नियम बनाना उचित हो सकता है, मगर स्वतंत्र निरीक्षण, पत्रकारिता और जनप्रतिनिधियों की निगरानी के लिए स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। जयपुर मैं जो घटना हुई है, उसकी निष्पक्ष जांच से सच सामने आना चाहिए। इसमें भाजपा कार्यकताओं की भूमिका है, तो उन पर कार्रवाई हो, यदि किसी पक्ष ने कानून तोड़ा है, उसके खिलाफ समान कार्रवाई हो। लोकतंत्र में सत्ता की असली ताकत विरोधी आवाज को दबाने में नहीं, बल्कि विरोधी आवाज सुनकर व्यवस्था को बेहतर बनाने में है। सरकारी स्कूलों के दरवाजे बच्चों के लिए खुले रहने चाहिए। उनकी समस्याओं पर सवाल पूछने वालों के लिए भी लोकतांत्रिक रास्ते भी खुले रहने चाहिए। सवाल स्कूल का नहीं छात्रों के मौलिक अधिकार से भी जुड़ा हुआ है। यदि 16 साल से कम उम्र के छात्र सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रहे हैं, यह सरकार के लिए शर्मिंदगी का कारण है। वर्तमान का बच्चा अपनी जरूरत के लिए इसी तरह का प्रदर्शन अपने घर पर भी करता है और अब वह स्कूल में उसकी जो जरूरत है उन मांगों को लेकर जब सड़कों पर उतर रहा है तो इस मामले को दबाया नहीं जा सकता है। बच्चे तो बच्चे हैं, जिद करेंगे, जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी। उनका प्रदर्शन आक्रामक ही होता जाएगा।

सड़क पर पैदल चलना भी मौलिक अधिकार, फिर फुटपाथ क्यों बेहाल?

सुनील कुमार महला

सड़क पर पैदल चलना मौलिक अधिकार है, लेकिन आज भारत के कई शहरों में पैदल चलना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। दरअसल, आज भी बहुत से शहरों में फुटपाथ या तो बने ही नहीं हैं, या उन पर अतिक्रमण, पार्किंग और निर्माण सामग्री के कारण लोगों के चलने की जगह नहीं बचती। ऐसे में यहां पर प्रश्न यह उठता है कि जब किसी व्यक्ति के पास सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल चलने की जगह ही नहीं है, तो उसे वास्तव में आवागमन की आजादी कैसे मिल सकती है?

उक्त संदर्भ में यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले ही यानी कि 19 जून 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह कहा है कि सुरक्षित और निर्धारित पैदल मार्ग पर चलना भी संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) के तहत आवागमन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। वास्तव में, यह मामला उस दुखद घटना से जुड़ा हुआ था, जिसमें पांच साल के एक बच्चे की सड़क पर टैंकर की चपेट में आने से मौत हो गई थी। वहां न फुटपाथ था और न ही सड़क पार करने की सुरक्षित व्यवस्था। कहना गलत नहीं होगा कि आज कई भारतीय शहरों में फुटपाथ पर अतिक्रमण, टूटे या गायब फुटपाथ, सड़क पार करने के लिए अपर्याप्त क्रॉसिंग, तेज रफ्तार वाहन और यातायात नियमों का उल्लंघन पैदल यात्रियों के लिए जोखिम बढ़ाते हैं और हमारे देश में पैदल यात्रियों की सुरक्षा अभी भी एक गंभीर चुनौती है। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी भारत में सड़क दुर्घटनाएँ-2023 के अनुसार, वर्ष 2023 में 35,221 पैदल यात्रियों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जो कुल सड़क दुर्घटना मौतों का 20.4% थी।सच तो यह है कि आज पर्याप्त पैदल यात्री बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है?। यहां पाठकों को बताता चलूं कि फुटपाथों का निर्माण और रखरखाव मुख्यतः राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के दायरे में आता है, इसलिए सरकारों और संबंधित निकायों को इन पर ध्यान देना चाहिए। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वैसे विश्व में सड़क की गुणवत्ता, फुटपाथ, पैदल पार-पथ, ट्रैफिक नियंत्रण और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के मामलों में नीदरलैंड को दुनिया के सबसे अच्छे उदाहरणों में गिना जाता है। सच तो यह है कि नींदरलैंड पैदल चलने के लिए दुनिया में एक अग्रणी देश है, जहां पैदल और साइकिल यात्रियों के लिए अलग एवं सुरक्षित मार्ग, कम गति वाले क्षेत्र और बेहतर सड़क डिजाइन उपलब्ध हैं। नींदरलैंड के बाद डेनमार्क विशेषकर कोपेनहेगन में पैदल यात्रियों के लिए सुव्यवस्थित फुटपाथ, क्रॉसिंग और ट्रैफिक-शांत क्षेत्र हैं। वहीं पर स्वीडन विश्व में कम पैदल मृत्यु दर और मजबूत सड़क-सुरक्षा व्यवस्था के कारण अग्रणी देशों में शामिल है।नॉर्वे(यूरोप में) तथा फिनलैंड भी पैदल मार्गों और सड़क पार करने की सुरक्षित व्यवस्था के मामले में विश्व में अहम् और महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि 19 जून 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सड़क पर पैदल चलने के संदर्भ में जो फैसला दिया है,इस फैसले का सीधा सा संदेश यही है कि सरकार और स्थानीय निकायों की यह जिम्मेदारी है कि ये लोगों को सुरक्षित फुटपाथ और सड़क पार करने की उचित सुविधा उपलब्ध कराएं। वास्तव में,सच तो यह है कि नगर निगम, नगरपालिका, शहरी विकास प्राधिकरण और पंचायतों को आगे आकर इस दिशा में गंभीरता और संवेदनशीलता से काम करना होगा।बहरहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, आंकड़े हमारी चिंताएं बढ़ाते हैं। यह बहुत ही दुखद है कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 20 प्रतिशत से अधिक लोग पैदल यात्री होते हैं। कई शहरों में फुटपाथ टूटे हुए, संकरे, असुरक्षित या लगातार बाधित पाए गए हैं। यानी समस्या केवल फुटपाथ बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित, चौड़ा, समतल और सभी के लिए सुगम बनाने की है। वास्तव

में,इसके लिए यह बहुत ही जरूरी है कि फुटपाथों पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग न हो, वहां पर पर्याप्त रोशनी हो, सड़क पार करने के लिए सुरक्षित क्रॉसिंग बने और दिव्यांगजनों के लिए रैंप तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों। सड़क की खुदाई या निर्माण कार्य के दौरान भी पैदल यात्रियों के रास्ते को पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए।

निष्कर्षतः यह बात कही जा सकती है कि सड़कें केवल वाहनों के लिए नहीं हैं। पैदल यात्री, बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांगजन सभी सड़क के बराबर अधिकार रखते हैं। सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकार और सरकार की जिम्मेदारी का हिस्सा है। (सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

कब तक जारी रहेगा जहरीली शराब का जानलेवा कहर?

मनोज कुमार अग्रवाल

जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है। ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है। यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुँचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल सैकड़ों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है। ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है। यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुँचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल सैकड़ों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून और समाज के सामने एक गंभीर सवाल हैं । कुछ दिन सप्ताह माह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में पहुंच जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ?

आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। शुरूआती रिपोटों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? पुलिस की शुरूआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है।हाल ही में मई माह में महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ त्रासदी इलाकों में जहरीली शराब पीने से 14 से 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस जांच के अनुसार, अवैध रूप से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इंडस्ट्रियल ग्रेड का घातक मेथनॉल मिक्स किया गया था।मई माह में ही पंजाब के अमृतसर के पांच गांवों में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्य वार ऐसी मौतों का हवाला देता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक क्षेत्र विशेष की समस्या नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही एक खतरनाक चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली बिक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी बिक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है।यह सारा अवैध कारोबार बिना सरकारी तंत्र की मिलीभगत के सम्भव नहीं है स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्त्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है। संदिग्ध शराब पीने के बाद उल्टी, चक्कर, दृष्टि धुंधली होने वा अन्य परेशानी के मामलों में तुरंत अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है। कई बार इलाज में देर भी मौतों की संख्या बढ़ा देती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जहरीली शराब से हुई हर मौत को महज एक आंकड़ा समझने की मानसिकता बदलनी होगी। मरने वाला किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य, बेटा, पिता या भाई होता है। उसके जाने के बाद परिवार केवल भावनात्मक नहीं बल्कि आर्थिक संकट में भी डूब जाता है। देश में तकनीक बड़ी है, पुलिस के पास आधुनिक संसाधन हैं, राज्यों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान पहले से आसान हुआ है। ऐसे में यह स्वीकार करना मुश्किल है कि अवैध शराब की पेटियां एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचे और व्यवस्था को भनक तक न लगे। भावनगर की घटना फिर चेतावनी दे रही है कि नकली शराब केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा का प्रश्न है। कार्रवाई तब सार्थक होगी जब अगली त्रासदी होने से पहले अपराधी नेटवर्क खत्म किया जाए। हर घटना के बाद वही सवाल पूछने की मजबूरी आखिर कब समाप्त होगी, कब थमेगा जहरीली शराब का कहर और कब बंद होगा बेगुनाहों की मौतों का यह सिलसिला। एक मौत पूरे परिवार को मार देती है कई बार परिवार के एक मात्र कमाने वाले सदस्य की मौत से पूरा परिवार प्रभावित होता है। सरकार को इन मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए।

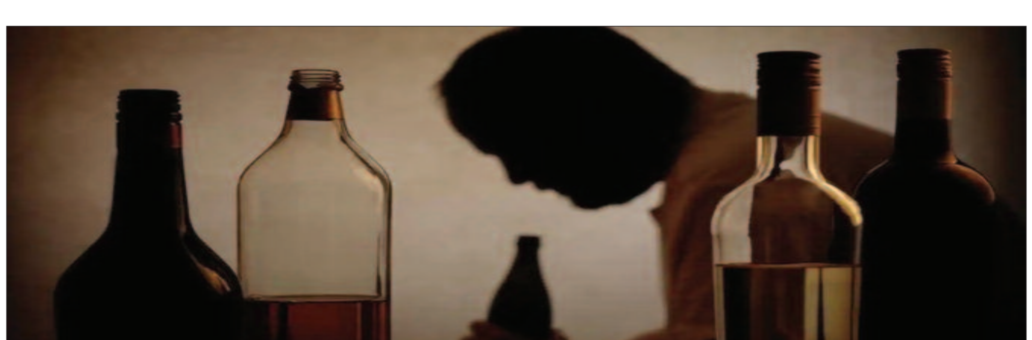

मोटे अनाजों में प्रमुख

बाजरा

भूमि का चुनाव

बाजरे की असिंचित फसल उन मिट्टियों में अच्छी उपज देती है, जिनकी जलधारण क्षमता अपेक्षाकृत अधिक होती है। रेतीली मटियार दोमट और मटियार दोमट भूमि में बाजरा की भरपूर पैदावार होती है।

भूमि की तैयारी

बाजरा वर्षा आधारित फसल है। ऐसी फसल के लिए गर्मियों की जुताई अच्छी पाई गई है। इससे खरपतवारों पर नियंत्रण करने में मदद मिलती है। वर्षा के शुरू होने पर हल या बखर चलाकर खेत को भुरभुरा बनायें तथा खरपतवार रहित करें।

उन्नत किस्में

अ. संकर किस्में - आईसीएमएच-356, जवाहर बाजरा हायब्रिड-1, जवाहर बाजरा हायब्रिड-2, हरित बटल रोग निरोधक

ब. परागित किस्में - जवाहर बाजरा किस्म-2, जवाहर बाजरा किस्म-3, जवाहर बाजरा किस्म-4, राज-171

बुआई

बाजरा की बुआई के लिए जुलाई का पहला पखवाड़ा ही उत्तम है। इस समय पर लगाए गए बाजरा पर रोगों का प्रकोप कम होता है तथा फूल आते समय सामान्य वर्षा होने पर प्राय: भूमि

में नमी का अभाव नहीं होता है।

बीज की मात्रा और पौधों का घनत्व

बाजरा की संकर किस्मों की कतारों के बीच 45 सेमी की दूरी रखना जरूरी है, जिसमें पौधों से पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेमी होना चाहिए। बीज 1 से 2.5 सेमी की गहराई पर बोना चाहिए। इस प्रकार प्रति हेक्टेयर 1.8 लाख से 2 लाख तक उचित पौध संख्या के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त रहती है। बुआई के पूर्व बीजोपचार जरुरी है बीज का उपचार एप्रान-35 एसडी की 6 ग्राम मात्रा को प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें, जिससे डाउनी मिल्डयू रोग के प्रारंभिक प्रकोप से बचा जा सके।

उर्वरक की मात्रा एवं देने का तरीका

बुआई के पूर्व 87 किलोग्राम यूरिया, 300 किलोग्राम और 33 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

पौधों की छटाई

बाजरा के पौधें के पूर्ण विकास के लिए उपयुक्त स्थान मिलना आवश्यक है। अत: घने पौधों की छंटाई करके पौधों की आपसी दूरी उपयुक्त कर देनी चाहिए।

जल प्रबंध

बाजरा का केवल 3.3 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। अत: जल का समुचित प्रबंध करना सफल खेती और उत्पादन स्थिरता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। वर्षा का केवल 5-15 प्रतिशत जल पौधों की बढ़वार के लिए उपलब्ध हो पाता है। इस प्रकार बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में जल का वैज्ञानिक प्रबंधन ही उनकी सफल खेती में सहायक हो सकता है। भूमि तल को समतल बना देने पर भूमि पर गिरने वाली वर्षा का समान वितरण होता है। तथा पानी भूमि में लम्बे समय तक भरे रहने के कारण इसका उत्तम संरक्षण करना संभव होता है। मेड़ बांधने की क्रिया जल संरक्षण में काफी सहायक पायी गयी है। वर्षा जल खेत में लम्बे समय तक खड़े रहने के कारण बहाव के माध्यम से बह जाने वाले जल की अधिक से अधिक मात्रा भूमि द्वारा ग्रहण कर ली जाती है तथा यह मात्रा भूगत होने के कारण सुरक्षित रहती है। यह विश्वास किया जाता है कि भूमि की ऊपरी सतह को संहत करने पर बाजरा के पौधे की जड़े अधिक गहराई तक जाती है जिसके कारण उपलब्ध भूमि जल का अच्छा उपयोग होता है तथा जड़ों का जल ग्रहण क्षेत्र भी बढ़ जाता है। इस क्रिया को शायद इसी कारण से मूल प्रशिक्षण (रुट ट्रेनिंग) भी कहा जाता है। क्योंकि जड़ों के नीचे की और बढ़ने का प्रशिक्षण दिया जाता है, यानि कि ऐसी स्थिति बनायी जाती है कि इसकी बढ़वार नीचे की ओर अधिक हो।

जल निकास

बाजरे की फसल यदि काफी देर तक पानी खड़ा रहे, तो इससे फसल को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए बुवाई से पूर्व खेत को समतल कर लेना चाहिए

अमरबेल का नियंत्रण

प्रसारण

- परजीवी के बीज एवं तने के भाग सिंचाई करने से जल द्वारा एक खेत से दूसरे खेत में चले जाते हैं।
- खाद द्वारा भी बीज खेत में आ जाते हैं।
- तने के टुकड़ों का स्थानांतरण मनुष्यों एवं जंतुओं द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर कर दिया जाता है।
- इसके बीज बरसीम, रिजका के बीजों के साथ जुड़े रह सकते हैं।

हानि

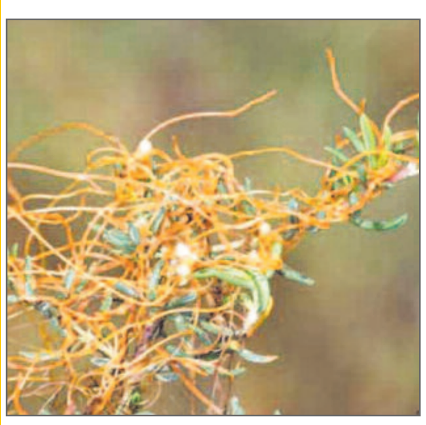

अमरबेल के संक्रमण से मात्रात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार से हानि होती है-

- नींबू में 30-35 प्रतिशत
- मूंग में 70-90 प्रतिशत
- उड़द में 30-40 प्रतिशत
- रिजका, बरसीम में 60-70 प्रतिशत तक उपज में हानि होती है।

नियंत्रण

इस परजीवी पादप के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंध करना अति आवश्यक है-

नियंत्रण के उपाय

- नमक के 10 प्रतिशत (1 लीटर पानी में 100 ग्राम) घोल में बीजोपचार करके फसल के बीजों की बुवाई करें।
- अमरबेल के बीज रहित फसल के बीज ही बुवाई के काम लें।
- कृषि यंत्रों व पशुओं को अमरबेल से संक्रमित खेतों से स्वच्छ खेतों में न आने दें।
- अमरबेल से ग्रसित फार्म से कम्पोस्ट खाद तैयार न करें।

शस्य नियंत्रण

संक्रमित पौधों को परजीवी में बीज बनने से पहले उखाड़ कर जला दें।

- कम से कम पांच वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- पाश फसलें जैसे ग्वार आदि उगाना चाहिए इसकी बढ़वार कम होगी।
- फसलों की सहनशील किस्में जैसे रिजके की एलएलसी 6 व एलएलसी 7, मूंग की एम-4 व उदड़ की टी-9 किस्में बोनी चाहिए।

जैविक नियंत्रण

मैलेनाग्रोमाइजा करुक्यूटा व कालेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडीस के द्वारा भी इसका नियंत्रण कर सकते हैं।

- ल्यूबाओ-2 जो कि कोलेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडिस करुक्यूटी रोगजनक का उत्पाद है, से भी जैविक नियंत्रण कर सकते हैं।

रासायनिक नियंत्रण

- क्लोरोफॉम 6-7 किग्रा (सक्रिय तत्व) या डाइक्लोनेनील 2 किग्रा (सक्रिय तत्व) प्रति हेक्टेयर मिट्टी में प्रयुक्त करें।
- खड़ी फसल (रिजका व बरसीम) में कटाई के 5-10 दिन बाद डाइकव्ट 6-10 किग्रा प्रति हेक्टेयर आवश्यकतानुसार पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पेड़ों तथा बहुवर्षीय बेलों पर पेराक्वाट के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें। तथा उपचारित परपोषी पौधों की जल्दी सिंचाई करें।
- यदि अमरबेल पर छिड़काव के बाद कोई अवशेष बच जाये तो पुनः बताये शाकनाशियों का छिड़काव करें।

इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया। इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

धान की मेडागास्कर खेती

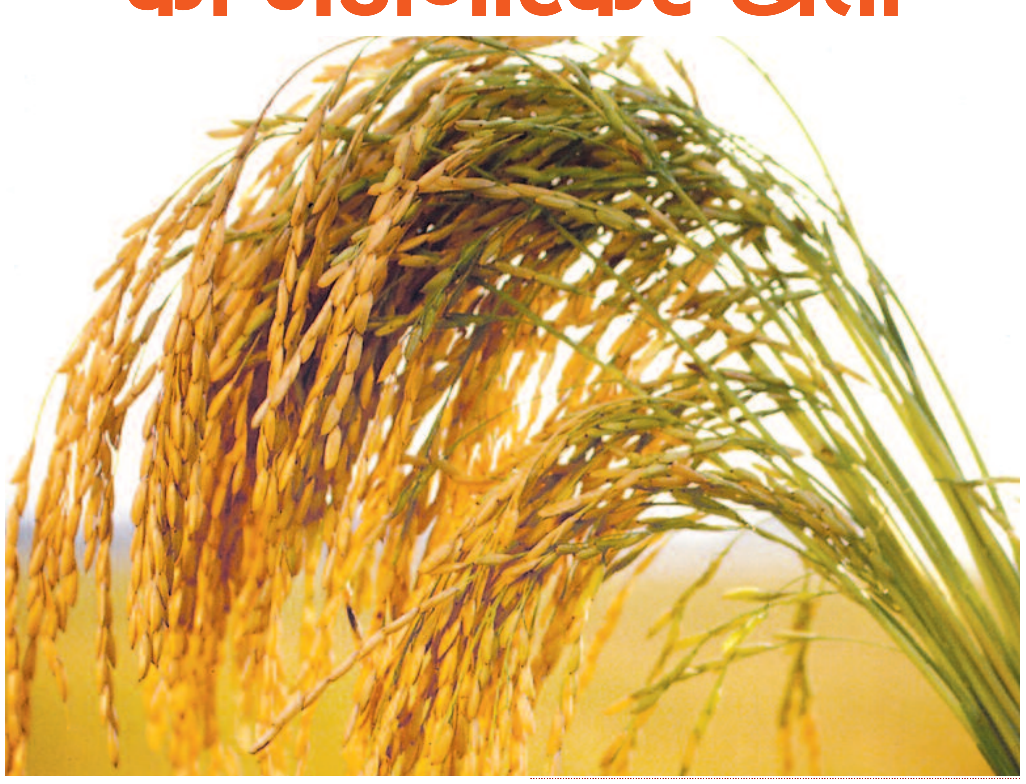

भारत में हरित क्रांति आने के बाद से लेकर अब तक विभिन्न आदानों की इकाई लागत में काफी वृद्धि हुई है इस वृद्धि के फलस्वरुप शुद्ध लाभ भी कम प्राप्त हो रहा है, इस हेतु यह आवश्यक हो गया है कि इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जाये। इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

मेडागास्कर विधि की कृषि कार्यमाला

खेत का चुनाव-मेडागास्कर विधि से धान की खेती करने हेतु उचित जल निकास वाली भूमि का चुनाव करना चाहिए तथा सिंचाई की भी व्यवस्था खेत पर होना चाहिए। बीज की मात्रा-इस विधि से धान की रोपाई करने के लिए 10-12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता प्रति हेक्टेयर पड़ती है।

धान की उन्नत किस्में

कम अवधि में पकने वाली किस्में-तृप्ति, पूर्वा, जेआर 75

मध्यम समय में पकने वाली किस्में-जेआर 201,दीप्ति, जेआर 353

सामान्य अवधि में पकने वाली किस्में-आई.आर. 36, आई.आर. 64, माधुरी,पूसा सुगंधा

देर से पकने वाली किस्में :-स्वर्णा, श्यामला, महासुरी

संकर किस्में-एपीएचआर-1, एपीएचआर-2, एमजीआर-1, सीएनआर एच-1, पंत संकर धान

नर्सरी हेतु खेत की तैयारी एवं बीज की बुवाई

खेत की अच्छी तरह आड़ी-तिरछी जुताई कर मिट्टी को भुरभुरी कर लेना चाहिए तत्पश्चात एक मीटर चौड़ी 10 मीटर लम्बी 15 सेमी ऊंचाई की क्यारी बना लें, क्यारी के दोनों ओर सिंचाई नाली बनाये क्यारी तैयार कर 50-60 किलोग्राम नाडेप कम्पोस्ट मिलाकर समतल कर दें तैयार क्यारी में उपचारित बीज को बिखेर दें तथा ऊपर से कम्पोस्ट खाद की पतली परत बिछाकर बीजों को ढ़क दे बीज का उपचार कर ही क्यारी डालना चाहिए। बीज उपचार हेतु स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 3 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर से उपयोग करना आवश्यक होता है। प्रति क्यारी 120 ग्राम बीज की मात्रा या 12 ग्राम प्रति वर्ग मीटर बीज की रोपणी डालने की आवश्यकता होती है। रोपणी की बोनी उपरांत प्रथम सिंचाई हजारे से की जाना चाहिए, शेष सिंचाई रोपणी के दोनों तरफ उपलब्ध सिंचाई नाली से करना चाहिए।

रोपाई हेतु खेत की तैयारी

रोपाई किये जाने वाले खेत की अच्छी तरह जुताई कर भुरभुरा कर लें तथा खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल कर लेना चाहिए। तथा खेत में 8-10 टन नाडेप कम्पोस्ट/गोबर की पकी हुई खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देना चाहिए। इस प्रकार रोपणी के लिए खेत तैयार हो जायेगा। सामान्यत: 10-15 दिन की पौध इस पद्धति में रोपाई हेतु उपयुक्त होती है। इन पौधों को जड़ सहित सावधानीपूर्वक उखाड़ कर 20 से 30 मिनट के अंदर खेत में रोप देना चाहिए। रोपाई एक से दो सेमी गहराई पर करें तथा पौध को खेत में सीधा रोपना चाहिए। रोपाई के समय खेत में पानी भरा नहीं होना चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधे की रोपाई करें तथा पौध से पौध की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 23 सेमी रखना चाहिए, जिससे कंसे अधिक संख्या में निकलते हैं।

खाद उर्वरक की मात्रा

खेत की मिट्टी का परीक्षण कराकर तत्वों की उपलब्धता जानने के बाद ही खाद की मात्रा निश्चित की जानी चाहिए, इस विधि में कार्बनिक खादों एवं रासायनिक खादों का उपयोग करना अनिवार्य है चयनित खेत में हरी खाद के लिए सनई/ढैंचा की बोनी कर 20-25 दिन बाद मचाई कर मिट्टी में मिला दें तथा 3-4 दिन के लिए छोड़ दें तत्पश्चात रोपाई करें। रासायनिक खाद में 80 किलोग्राम 50 किलोग्राम फास्फोरस तथा 30 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता प्रति हेक्टर होती है। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा का उपयोग आधार खाद के रुप में किया जाना चाहिए व नत्रजन का उपयोग तीन किश्तों में 20 प्रतिशत के एक सप्ताह बाद 50 प्रतिशत कंसे फूटने के समय एवं शेष 30 प्रतिशत गभोट के प्रारंभ काल में किया जाना चाहिए। वानस्पतिक वृद्धि अधिक होने पर नत्रजन की मात्रा कम की जा सकती है।

वैश्विक अस्थिरता और महंगाई चिंताओं के बीच सोना-चांदी फिर चमके

सोना 1,205 रुपए मजबूत, चांदी में 1,745 रुपए की तेजी

नई दिल्ली।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ती महंगाई की चिंताओं के बीच शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। निवेशक मुद्रा और बॉन्ड बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के कारण सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा ईरान पर व्यापक प्रतिबंधों की आशंका से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें महंगाई की चिंताएं बढ़ा रही हैं। इसके साथ ही, केंद्रीय बैंकों, विशेषकर चीन की लगातार खरीदारी ने भी बहुमूल्य धातुओं को मजबूत समर्थन प्रदान किया है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी बहुमूल्य धातुओं की चमक बरकरार रही। खबर लिखे जाने के समय एमसीएक्स पर सोने का अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 256 रुपये की तेजी के साथ 1,59,681 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,367 रुपये की बढ़त के साथ 2,44,610 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर था। सुबह के सत्र में सोने का बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 1,205 रुपये की तेजी के साथ 1,60,630 रुपये पर और चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,745 रुपये की बढ़त के साथ 2,44,988 रुपये पर खुला था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना और चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 4,592.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर था, जो पिछले बंद भाव 4,571.40 डॉलर से 21.10 डॉलर की बढ़त दर्शाता है। इसी तरह, चांदी भी 0.96 डॉलर की तेजी के साथ 69.06 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जबकि इसका पिछला बंद भाव 68.10 डॉलर था। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंकाएं, भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अपनाई जा रही ढीली मौद्रिक नीतियां सोने-चांदी को आगे भी समर्थन देती रहेंगी। निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं, खासकर ऐसे समय में जब पारंपरिक वित्तीय बाजार अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने भंडार में सोने की खरीदारी जारी रखना भी कीमतों को उच्च स्तर पर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महंगी चीनी से कड़वा हुआ त्योहारों का स्वाद, बंगाल में कीमतें 70 रुपए के पार

केंद्र ने 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात की दी अनुमति; कारोबारी बोले- आयात नाकाफी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा सहित आगामी त्योहारी सीज़न से ठीक पहले चीनी की कीमतें आसमान छू गई हैं। खुदरा बाजार में चीनी 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, जिससे उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ गया है। पिछले एक महीने में ही यह 20 रुपये महंगी हुई है। व्यापारियों के अनुसार बीते कुछ दिनों में ही कीमतों में अचानक 10 प्रतिशत का उछाल आया है। चीनी से बने गुड़, बताशा और नकुलदाना जैसे उत्पादों के दाम भी इसी तरह बढ़े हैं। कन्फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशन (सीडब्ल्यूबीटीए) के एक अे धिकारी ने चीनी मिलों पर नियंत्रण न होने और एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के बढ़ते उपयोग को इसका मुख्य कारण बताया है। कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक दशक बाद 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति दी है। साथ ही, थोक खरीदारों पर भी भंडार सीमा (15 दिन की खपत) लगाई है। हालांकि, कारोबारियों का कहना है कि आयात की यह मात्रा देश की केवल दो सप्ताह की मांग को पूरा करेगी और फिलहाल इसका खुदरा बाजार पर कोई खास असर नहीं दिख रहा है। उनका मानना है कि अधिक हस्तक्षेप की जरूरत है। वहीं पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने चीनी की कीमत वृद्धि के लिए एथनॉल मिश्रण को नहीं बल्कि जमाखोरी को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, एक चीनी मिल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मिलों में पेराई अप्रैल में ही खत्म हो चुकी है और अब वे केवल अपने मौजूदा भंडार से चीनी जारी कर रही हैं, इससे अधिक कुछ नहीं कर सकतीं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही उतार-चढ़ा हावी रहने से बाजार पर अंकुश लगा रहा। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण से भी बाजार पर दबाव आया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना। दिनभर के कारोबार के बाद दोनों प्रमुख सूचकांक सपाट बंद हुए।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 3.11 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 77,540.83 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी केवल 20.15 अंक बढ़कर 24,252.00 के स्तर पर बंद हुआ। आज बड़े शेयरों में कमजोरी रही पर छोटे और मध्यम शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप सूचकांक में 0.1 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.69 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

इससे साफ है कि खुदरा निवेशकों का भरोसा छोटे शेयरों में बना हुआ है।

आज के कारोबार में धातु और निजी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा चमक रही। इन दोनों सेक्टरों ने बाजार को सहारा देने का काम किया जबकि , एफएमसीजी, ऑटो और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव रहा और इन्होंने बाजार के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन किया। आज सबसे अधिक गिरावट मारुति सुजुकी और इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 82.30 अंक बढ़कर 77,620.02 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी भी 18.65 अंक की बढ़त के साथ 24,250.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रॉडर मार्केट में मिलाजुला रुख दिखा।

निफ्टी मिडकैप में 0.04 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.44 फीसदी की अच्छी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल फिर महंगा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की जनता को एक बार फिर महंगाई का सामना करना पड़ा है। सरकार ने पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है, जिसके बाद नए दाम 21 अगस्त से लागू हो गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद अब पाकिस्तान में पेट्रोल 337.78 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल 364.70 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। एक स्थानीय अखबार की रिपोर्ट के अनुसार सरकार पेट्रोल पर 114 रुपये और डीजल पर 100 रुपये प्रति लीटर तक का भारी टैक्स और ड्यूटी वसूल रही है, जो ईंधन की उच्च कीमतों का एक प्रमुख कारण है। पेट्रोलियम डिवीजन के नोटिफिकेशन के मुताबिक, ये नई कीमतें 21 अगस्त से प्रभावी हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव के चलते, अब ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी दैनिक आधार पर ईंधन की कीमतें तय करेगी। तुलनात्मक रूप से, भारतीय मुद्रा में पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत लगभग 114.85 रुपये प्रति लीटर बैठती है, जो भारत के बड़े शहरों, जैसे दिल्ली (102.12 रुपये) और चंडीगढ़ (101.54 रुपये), की तुलना में काफी अधिक है, जिससे पाकिस्तानी उपभोक्ताओं पर भारी बोझ पड़ रहा है।

अपस्टॉक्स आईपीओ की तैयारी में, 40 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य

निवेश बैंकों से प्रारंभिक चर्चा शुरू, 2 करोड़ ग्राहक का आंकड़ा पार कर कंपनी का विस्तार पर जोर

मुंबई।

प्रमुख निवेश मंच अपस्टॉक्स ने अपने महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए निवेश बैंकों के साथ शुरुआती चर्चा शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 35-40 करोड़ डॉलर (लगभग 3,351-3,829 करोड़ रुपये) जुटाने की योजना बना रही है, ऐसे समय में जब इसने अपने केवाईसी पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने के साथ ही मौजूदा निवेशकों की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। अपस्टॉक्स ने अब तक छह वित्त पोषण दौरों के माध्यम से करीब 22 करोड़ डॉलर जुटाए हैं और 2021 में 3.5 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया था। इस बीच कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि उसके केवाईसी पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। अपस्टॉक्स का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में अपने उपयोगकर्ता आधार को बढ़ाकर 10 करोड़ तक पहुंचाना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस उपलब्धि पर कहा कि उनका ध्यान ग्राहकों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने और वित्तीय बाजारों तक उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित है। यह आईपीओ कंपनी को अपने विस्तार योजनाओं को गति देने में मदद करेगा।

पीएनबी की चेतावनी, निष्क्रिय खाते बंद होने का खतरा, तुरंत करें केवायसी अपडेट

बैंक ने ग्राहकों को सितंबर तक केवायसी अपडेट करने या लेनदेन करने की चेतावनी दी

मुंबई।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने लाखों ग्राहकों के लिए एक अहम चेतावनी जारी की है। बैंक ने ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है जिनमें लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनका बैलेंस शून्य है। ग्राहकों को सितंबर तक कार्रवाई करने की सलाह दी गई है, ताकि उनके खाते बंद होने से बच सकें। पीएनबी के अनुसार, ऐसे बैंक खाते जिनमें पिछले तीन साल से कोई लेनदेन दर्ज नहीं हुआ है और खाते में कोई राशि भी नहीं है, उन्हें बंद किया जा सकता है। बैंक ने यह कदम खातों के गलत इस्तेमाल और उनसे जुड़े जोखिमों को रोकने के लिए उठाया है। पीएनबी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर भी यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है, जिसमें खाताधारकों को सचेत किया गया है। निष्क्रिय खाताधारक अपने खाते को बंद होने से बचाने के लिए सितंबर तक संबंधित बैंक शाखा में अपने केवायसी दस्तावेज जमा कराकर इसे दोबारा सक्रिय करवा सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ग्राहक बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल जारी रख सकेंगे।

बैंक ने यह भी सलाह दी है कि कोई भी ग्राहक अपना खाता बंद करने का निर्णय लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि यह पेंशन, सब्सिडी, लोन, बीमा या किसी अन्य महत्वपूर्ण भुगतान से जुड़ा न हो। पीएनबी ने ग्राहकों से समय-समय पर अपने खाते में लेनदेन करने और अपनी केवायसी जानकारी अपडेट रखने का आग्रह किया है।

किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए ग्राहक पीएनबी के आधिकारिक हेल्पलाइन माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं।

भारतीय प्राइवेट क्रेडिट बाजार गुलजार, रियल एस्टेट सबसे आगे

अगले 1-2 वर्षों में बाजार की मजबूती बरकरार रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार अगले एक से दो वर्षों में भी मजबूत बना रह सकता है। एच1 2026 में रियल एस्टेट सेक्टर ने इसमें अहम भूमिका निभाई, जबकि घरेलू निवेशकों ने वैश्विक फंड्स को पीछे छोड़ दिया। इस अवधि में करीब 3.5 अरब डॉलर का निवेश हुआ। एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2026 की पहली छमाही (एच1 2026) में भारत के प्राइवेट क्रेडिट बाजार में उल्लेखनीय विस्तार हुआ, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू आर्थिक आधार और बेहतर बैंकिंग सेक्टर से प्रेरित था। इस दौरान कुल निवेश लगभग 3.5 अरब डॉलर रहा, जिसमें घरेलू फंड्स का दबदबा रहा। कुल डील वैल्यू में घरेलू खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 74 फीसदी रही, जबकि डील की संख्या में यह आंकड़ा 79 फीसदी रहा। सेक्टरवार विश्लेषण में रियल एस्टेट कुल प्राइवेट क्रेडिट डील वैल्यू के 35 फीसदी हिस्से के साथ सबसे आगे रहा, जिसके बाद हेल्थकेयर (13 फीसदी) का स्थान रहा। एक महत्वपूर्ण बदलाव फूड एंड बेवरेज (एफएंडबी) सेक्टर में देखा गया, जिसकी हिस्सेदारी एच 2 2025 में मात्र 1 फीसदी से बढ़कर एच1 2026 में 12 फीसदी पर पहुंच गई। यह तेजी भारतीय बैंकिंग सेक्टर की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति से भी प्रेरित है। मार्च 2026 तक बैंकों का कैपिटल टू रिस्क-वेटेड एसेट्स रेश्यो 17.7 फीसदी और सीईटी1 अनुपात 15.3 फीसदी रहा। वित्तीय वर्ष 2026 में सकल एनपीए अनुपात घटकर 1.8 फीसदी और शुद्ध एनपीए 0.4 फीसदी रह गया, जो एसेट क्वालिटी में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है। सर्वे में शामिल 60 फीसदी प्रतिभागियों ने अगले 1-2 वर्षों के लिए भारतीय प्राइवेट क्रेडिट बाजार को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। हालांकि, बढ़ती प्रतिस्पर्धा एक चिंता का विषय बनी हुई है। रियल एस्टेट, हालांकि सबसे सक्रिय सेक्टर है, इसे डिफॉल्ट के लिहाज से सबसे जोखिम भरा भी माना गया है। स्ट्रेस, कैपेक्स और विलय-अधिग्रहण फाइनेंसिंग इस बाजार की प्रमुख मांग बने हुए हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

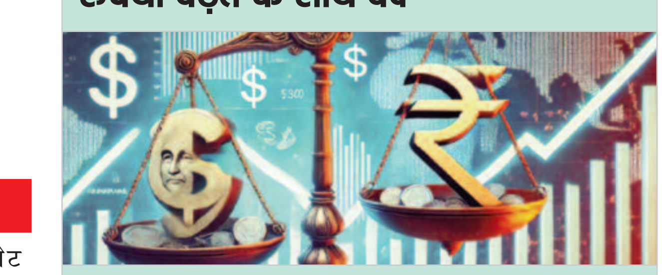

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 5 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.69 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे बढ़क 95.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों की चुनौती से भारत के लिए कमजोर डॉलर का असर कम हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.69 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त है। वहीं रुपया गुरुवार को शुरुआती बढ़त गंवाकर एक पैसे की गिरावट के साथ 95.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी टूटकर 98.74 पर आ गया।

टाटा मोटर्स की गाड़ियां होंगी महंगी, 1 सितंबर से 25,000 तक बढ़ेंगे दाम

कच्चे माल की बढ़ती लागत और वैश्विक चुनौतियों के कारण कंपनी ने लिया फैसला

नई दिल्ली।

अगर आप टाटा मोटर्स की कोई नई कार या एसयूवी खरीदने का मन बना रहे हैं, तो आपके लिए यह खबर महत्वपूर्ण है। कंपनी ने अपने यात्री वाहनों की कीमतों में 1 सितंबर 2024 से 25,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। यह कदम कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत और वैश्विक बाजार में बनी अनिश्चितता के चलते उठाया गया है, जिसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने शुक्रवार को घोषणा की कि यह मूल्य वृद्धि उसके पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो पर लागू होगी। हालांकि, किस मॉडल और वैरिएंट की कीमत में कितनी बढ़ोतरी होगी, इसका खुलासा कंपनी ने नहीं किया है। अधिकतम बढ़ोतरी 25,000 रुपये तक होगी। कंपनी ने बताया कि कच्चे माल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर बनी अनिश्चितता के कारण भी कंपनियों के खर्च पर भारी दबाव बना हुआ है। कंपनी अब तक बढ़ी हुई लागत का एक बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही थी, लेकिन लगातार बढ़ते खर्चों के कारण अब इसका कुछ बोझ ग्राहकों पर डालना अनिवार्य हो गया है। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार में रुकावट, महंगा कच्चा माल और बढ़ती परिचालन लागत वाहन कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भी ऊर्जा और आपूर्ति से जुड़ी लागतों पर पड़ रहा है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन पोर्टफोलियो में टियागो, टिगोर, पंच, अल्ट्रोज, नेक्सॉन, कर्व, हैरियर और सफारी जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे खरीदारी से पहले अपने नजदीकी डीलर से नई कीमतों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें। यह 2024 में टाटा मोटर्स की ओर से की जाने वाली तीसरी मूल्य वृद्धि होगी। इससे पहले कंपनी ने 1 अप्रैल से पेट्रोल-डीजल वाले यात्री वाहनों की कीमतों में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद 1 जुलाई से कंपनी ने अपने पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो के दाम 1.5 फीसदी बढ़ाए थे। अब 1 सितंबर से एक बार फिर कीमतों में 25,000 रुपये तक की वृद्धि होने जा रही है, जो ग्राहकों के लिए चुनौती पेश कर सकती है।

निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में मामूली सुधार, सर्विस सेक्टर ने संभाली कमान

अगस्त में कंपोजिट पीएमआई बढ़कर 54.6 हुआ, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आई सुस्ती

नई दिल्ली।

भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में अगस्त में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। जुलाई में चार साल के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद यह सुधार सेवा क्षेत्र की मजबूत रफ्तार से संभव हुआ, जिसने विनिर्माण क्षेत्र की धीमी पड़ती गतिविधियों को काफी हद तक संतुलित किया। एक सर्वे के मुताबिक अगस्त में कंपोजिट पीएमआई बढ़कर 54.6 पर पहुंच गया, जबकि जुलाई में यह 54.3 था। जारी सर्वे के अनुसार अगस्त में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में विस्तार लगातार 61वें महीने बना रहा, हालांकि कंपोजिट पीएमआई मार्च 2022 के बाद दूसरा सबसे कमजोर आंकड़ा रहा। इस दौरान सेवा क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियां जुलाई के 53.3 से बढ़कर 54.5 हो गईं, जो वृद्धि को प्रमुख सहारा मिला। इसके विपरीत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ और धीमी पड़ गई। पीएमआई जुलाई के 53.5 से घटकर अगस्त में 52.9 रह गया। एक अर्थशास्त्री ने बताया कि विनिर्माण ग्रोथ पांच साल में सबसे धीमी रही। नए ऑर्डर में सुधार हुआ, लेकिन उसकी गति उम्मीद से कम रही।

कंपनियों की इनपुट लागत सात महीनों की सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी, फिर भी उन्होंने ग्राहकों से वसूले जाने वाले अंतिम बिक्री मूल्य में तेजी से बढ़ोतरी की। अगस्त में कुल रोजगार सृजन में सुधार हुआ, जिसका मुख्य कारण सेवा क्षेत्र में कर्मचारियों की भर्ती थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में ढाई साल में पहली बार कर्मचारियों की संख्या में कमी दर्ज की गई। कुल मिलाकर अगस्त के आंकड़े जुलाई की तुलना में कुछ राहत देते हैं, लेकिन विनिर्माण क्षेत्र की लगातार कमजोर होती ग्रोथ और समग्र पीएमआई का अपेक्षाकृत निचला स्तर आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार पर दबाव बने रहने का संकेत देता है।

सेबी की बड़ी कार्रवाई, दो कंपनियों पर लगा प्रतिबंध

गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे जब्त करने का निर्देश

मुंबई

बाजार नियामक सेबी ने सेंसेक्स डेरिवेटिव्स अनुबंधों की साप्ताहिक अंतिम तिथि पर हुई कीमतों की असामान्य हेराफेरी के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। एक विस्तृत जांच के बाद, सेबी ने जेपी मॉर्गन की मॉरीशस स्थित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) कॉपटॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग को बाजार में कीमतों की कृत्रिम छेड़छाड़ का दोषी पाया है। नियामक ने इन कंपनियों को शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है और उनसे गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे को जब्त करने का आदेश दिया है। यह मामला 13 अगस्त को क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में हुई कीमतों की अचानक उछाल से जुड़ा है। सेबी की अंतरिम जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस उछाल के पीछे कॉपटॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट का हाथ था। कंपनी ने लगभग 98 रुपए करोड़ मूल्य के खरीद ऑर्डर दिए, जिनकी कीमत संदर्भ मूल्य से अधिकतम 3 फीसदी अधिक थी और कीमतों में बदलाव के साथ ही एक-तिहाई ऑर्डर रद्द कर दिए। सेबी का आरोप है कि कॉपटॉल ने सेंसेक्स के सांकेतिक समान मूल्य (आईईपी) को बढ़ाकर बंद भाव में हेरफेर करने की कोशिश की, ताकि अपनी सिंथेटिक लॉन्ग एसेट पोजीशन से मुनाफा कमाया जा सके।

उसी दिन, मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग ने सेंसेक्स की आठ कंपनियों के शेयरों में संदर्भ मूल्य से लगभग 2.5 फीसदी कम पर बड़ी संख्या में बिक्री ऑर्डर दिए, जिन्हें बाद में रद्द कर दिया गया। इससे सेंसेक्स का आईईपी चार से पांच मिनट तक नीचे आ गया, जिससे कंपनी को वायदा पोजीशन से लाभ मिलने की संभावना थी। नियामक ने स्पष्ट किया है कि दोनों संस्थाओं ने आपस में मिलकर नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से हेरफेर किया। सेबी के चेयरमैन ने बाजार में हेरफेर करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। इन घटनाओं ने बाजार से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ाई है और वे सीएएस व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

बंगाल का औद्योगिक सपना, दशकों का सफर और अनसुलझी तस्वीर

कोलकाता की चमकीली शहरी छवि, औद्योगिक मोर्चे पर स्थायी बदलाव की चुनौती

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल ने पिछले तीन दशकों में अपनी औद्योगिक और आर्थिक छवि को बदलने के लिए एक लंबा सफर तय किया है। 1994 में वाम मोर्चा सरकार द्वारा निजी निवेश के द्वार खोलने से लेकर आज तृणमूल कांग्रेस के आईटी हब के प्रयासों तक, राज्य ने निवेश आकर्षित करने और अपनी उग्र मजदूर संघों वाली छवि से उबरने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। हालांकि, चमकदार शहरी विकास के बावजूद, राज्य की औद्योगिक तस्वीर अभी भी कई चुनौतियों से घिरी हुई है। सितंबर 1994 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार ने मुख्यमंत्री ज्योति बसु के नेतृत्व में, निजी निवेश के लिए द्वार खोलते हुए एक नई औद्योगिक नीति की घोषणा की। लाइसेंस राज के ढहने के बाद, राज्य ने चुनिंदा क्षेत्रों में नई तकनीक और निवेश का स्वागत किया। हालांकि, अप्रैल 2000 में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की शुरुआत हुई, लेकिन अनेक समझौता ज्ञापन (एमओयू) ठोस निवेश या रोजगार में तब्दील नहीं हो पाए। तब तक राज्य की पहचान उग्र मजदूर संघों और औद्योगिक अशांति वाले प्रदेश के रूप में स्थापित हो चुकी थी, जिससे निवेशक दूर भाग रहे थे। नवंबर 2000 में बुद्धदेव भट्टाचार्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद स्थिति में सुधार आना शुरू हुआ। उनके अभी करो वाले दृष्टिकोण ने औद्योगीकरण को गति दी। कोलकाता में साल्ट लेक और राजारहाट जैसे क्षेत्रों में आईटी कंपनियों के परिसर, भव्य शॉपिंग मॉल और रेस्तरां तेजी से विकसित हुए। इन आधुनिक केंद्रों ने शहर के पुराने औपनिवेशिक स्वरूप से हटकर एक नई व्यावसायिक पहचान गढ़ी, जो कांच और इस्पात के टावरों से चमक उठी। पिछले 15 वर्षों में तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में भी यह गति जारी रही, जिसमें बंगाल सिलिकॉन वैली टेक हब जैसी परियोजनाओं ने आईटी क्षेत्र को बढ़ावा दिया है। हालांकि, इनमें से अधिकांश परियोजनाएं अभी भी निर्माणाधीन हैं। नए दफ्तरों और फ्लाईओवर ने भले ही कोलकाता की भौतिक तस्वीर बदल दी हो, लेकिन राज्य की औद्योगिक छवि में आया बदलाव अस्थायी प्रतीत होता है।

श्रीलंका ने कोलंबो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। 14 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सहन अराचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को शामिल किया गया है। पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके रिप्लेसमेंट रहे पासिंदु सोरियाबंदारा को भी टीम से बाहर रखा गया है। दूसरे ओपनर निशान मदुश्का को जगह नहीं मिली, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर रमेश मेंडिस और तेज गेंदबाज दिलशान मदुश्का भी टीम में जगह नहीं बना सके। अराचिगे को भारत ए के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अराचिगे ने भारत ए के खिलाफ हाल ही में श्रीलंका ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की थी और बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। अराचिगे ने पहले मैच में 72 और दूसरे मैच में 127 रन की पारी खेली थी। दो अनाधिकारिक मैचों की सीरीज में भारतीय साई सुदर्शन के बाद अराचिगे दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। अराचिगे को टेस्ट डेब्यू का इंतजार है। मिशारा लंका प्रीमियर लीग 2026 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने हाल के सीजन में नौ पारियों में 411 रन बनाए थे। उन्होंने गॉल गैलेंट्स के खिलाफ शतक भी बनाया था। वे मेजर क्लब्स टी20 कॉम्पिटिशन में शानदार फॉर्म में थे और महज 72 गेंदों पर 145 रन की पारी खेली थी। श्रीलंका पहला टेस्ट मैच हार चुकी है। सीरीज बचाने के लिए श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में भारत के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

श्रीलंका टीम:

लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पासिंदू सोरियाबंदारा, कामिंडू मेंडिस (उपकप्तान), धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सहन अराचिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो।

कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने टीम इंडिया और श्रीलंका क्रिकेट टीम की मेजबानी की

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने कोलंबो में श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले इंडिया हाउस में भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी की। भारतीय उच्चायुक्त झा ने गुरुवार रात भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही श्रीलंकाई टीम की भी मेजबानी की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी दी है और इसे एक 'यादगार शाम' बताया है। बीसीसीआई ने अपने एक्स में लिखा, 'कोलंबो में एक यादगार शाम। श्रीलंका में इंडिया के उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो के इंडिया हाउस में भारतीय टीम की मेजबानी की।' झा ने दोनों टीमों की मेजबानी करके खुशी जाहिर की और कार्यक्रम की कुछ झलकियां एक्स पर साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'टीम इंडिया के साथ चीयर कर रहा हूं। श्रीलंका में चल रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैचों के दौरान भारतीय और श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीमों की मेजबानी करके खुशी हो रही है। खेल के लिए एक जैसे जुनून से बंधा, क्रिकेट भारत और श्रीलंका के बीच हमेशा रहने वाले रिश्तों को और मजबूत कर रहा है।' भारत ने गाले में पहले टेस्ट में 165 रन की बड़ी जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। गाले टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमटकर 178 रनों से पिछड़ी थी। भारतीय टीम दूसरी पारी में 193 रन पर सिमटी और पहली पारी में मिले 178 रन की बढ़त के आधार पर श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का लक्ष्य दिया। श्रीलंका दूसरी पारी में 206 रन पर सिमट गई और 165 रन से मैच हार गई। दूसरी पारी में भारत के लिए मानव सुथार ने 6 विकेट लिए थे।

सिनसिनाटी ओपन

इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंची

एलेना रयबाकिना इंजरी की वजह से बाहर

सिनसिनाटी, एजेंसी। एलेना रयबाकिना को सिनसिनाटी ओपन क्वार्टर फाइनल मैच से बाएं टखने में चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इंजरी की वजह से जहां वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, वहीं उनकी विपक्षी इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंच गईं। मैच के दौरान स्वियाटेक 4-1 से आगे थीं और रयबाकिना 40-15 पर सर्व कर रही थीं। उसी समय रयबाकिना के लिए मुश्किल शुरू हुई। रयबाकिना नेट पर एक रैली खत्म नहीं कर सकीं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पॉइंट पर उन्हें अपनी पहली सर्व पर पुश करने में मुश्किल हुई, जो सिर्फ तीन शॉट तक चली, और गेम के बीच में मेडिकल जांच के बाद, रयबाकिना ने कुछ देर बाद मैच खत्म करने का फैसला किया। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अच्छा नहीं लग रहा है, मैं सर्व से पुश भी नहीं कर पा रही थी। चलने में दर्द हो रहा है। एमआरआई के बाद समस्या के बारे में और पता चलेगा।' उन्होंने कहा, 'यह मुझे लंबे समय से परेशान कर रहा था। कनाडा में बहुत सारे मैच खेलने और यहां लगातार दो मैच खेलने के बाद और मैच से पहले ठीक लग रहा था लेकिन बदकिस्मती से एक गलत मूवमेंट, एक लैंडिंग, और समस्या शुरू हो गई।' बुधवार को चौथे राउंड में सारा बेजलेक

सिनसिनाटी ओपन

आर्थर फिल्स ने थियागो अगस्टिन टिरेंटे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी। आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरेंटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी। फरवरी में आठ महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए फिल्स का शानदार सीजन रहा है। एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक, इस साल फ्रेंचमैन का टूर-लेवल रिकॉर्ड 30-10 रहा है, जिसमें बार्सिलोना में एक खिताब और मियामी और मैड्रिड में मास्टर्स 1000 इवेंट्स के सेमीफाइनल में पहुंचना शामिल है।

पहले सेट में 4-3 पर एक अहम ब्रेक हासिल करने के बाद, फिल्स ने लगातार जबरदस्त फोरहैंड लगाए, जिससे टिरांटे लगातार बैकफुट पर रहे। एटीपी के मुताबिक, 22 साल के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी और पूरे मैच के दौरान उन्हें कभी भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। अब वह टाइटल मैच में जगह बनाने के लिए फ्लेवियो कोबोली से भिड़ेंगे, दोनों खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचना चाहते हैं।

कोबोली ने घरेलू पसंदीदा टॉमी पॉल के खिलाफ 2-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओहियो में अपने पहले मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। 24 साल के खिलाड़ी अब जून में रोलैंड गैरोस चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के बाद अपने पहले सेमीफाइनल की तैयारी करेंगे। वह 2024 और 2025 में जैनिक सिनर के बाद सिनसिनाटी में अंतिम चार में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे इटैलियन खिलाड़ी हैं। पॉल के खिलाफ जीत के साथ, कोबोली ने यह भी पक्का कर लिया कि वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वह अभी लाइव रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 6 पर हैं।

जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने में पटियाला हाउस कोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज जैकब मार्टिन को पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 साल पुराने एक मामले में बड़ी राहत दी है। 2004 के इस मामले में कोर्ट ने मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। पूर्व क्रिकेटर पर फर्जी यूके आव्रजन स्टाम्प, यात्रा व्यवस्था और वित्तीय लेनदेन से जुड़ा आरोप लगाया गया था, जिसे साबित नहीं किया जा सका। अदालत को वित्तीय लेनदेन या अजवा स्पोर्ट्स क्लब पर उनके स्वामित्व या नियंत्रण से जुड़ा कोई भी ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं मिला। कई गवाह भी इन आरोपों को साबित करने में विफल रहे। मीडिया से बात करते हुए मार्टिन ने बताया कि यह मामला 2004 में उनकी टीम के एक सदस्य द्वारा ब्रिटेन का वीजा समाप्त होने के बाद वहां रुकने और फर्जी आव्रजन स्टाम्प लगवाकर भारत लौटने के बाद शुरू हुआ था। मूल एफआईआर में उनका नाम नहीं था। बाद में उनका नाम मामले में जोड़ दिया गया। घटना के बारे में मार्टिन ने कहा, 2004 में टीम इंग्लैंड खेलने गई थी। जो टीम 2004 में इंग्लैंड गई थी, उसमें से एक लड़के को छोड़कर बाकी सब वापस आ गए। वीजा की वैधता छह महीने की थी, वह छह महीने तक रह सकता था। वह इससे अधिक समय तक रुका रहा। किसी के जरिए उसने वहां फर्जी स्टैंपिंग करवा ली। फर्जी स्टैंपिंग कराने के बाद जब वह भारत वापस आया, तो उसे ब्रिटेन से डिपोर्ट कर दिया गया था। उसे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया और फिर उससे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, 'मेरा नाम एफआईआर में नहीं था, लेकिन जब जांच हुई, तो एक बड़ा नाम होने के नाते मुझे इस मामले में घसीटा गया।

यूएस ओपन 2026: प्राइज मनी में भारी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खिलाड़ियों द्वारा प्राइज मनी बढ़ाने की मांग लंबे समय से चल रही है। यूएस ओपन 2026 में खिलाड़ियों की ये मांग पूरी होने वाली है। यूएस ओपन में इस बार खिलाड़ियों के प्राइज मनी में इजाफा होने वाला है। यूएस ओपन की प्राइज मनी में 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। खिलाड़ियों की कुल सैलरी बढ़कर 108 मिलियन डॉलर हो गई है। टूर्नामेंट से पहले, यूएसटीए (यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन) ने एक बयान जारी कर इसकी घोषणा की। यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली ने कहा कि यह कदम खेल के आगे बढ़ने के लिए जरूरी हो सकता है। यह एथलीटों में कई सालों के निवेश में एक अहम पहला कदम है क्योंकि यूएस ओपन खिलाड़ियों के लिए सबसे अच्छा आर्थिक मौका और खिलाड़ियों, फैंस और पार्टनर्स के लिए टेनिस में सबसे कीमती प्लेटफॉर्म बना हुआ है। एकल विजेता को 52.65 करोड़ मिलेंगे। वहीं, एकल फाइनल में हारने वाले खिलाड़ी को करीब 26.80 करोड़ रुपये (2.8 मिलियन) दिए जाएंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को लगभग 7.46 करोड़ रुपये (780,000) और सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले प्लेयर्स को करीब 13.88 करोड़ रुपये (1.45 मिलियन) मिलेंगे। डबल्स मुकाबलों में पुरुष, महिला और मिक्स जीतने वाले प्लेयर्स को लगभग 9.57 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जिन्हें वे आपस में बाटेंगी। वहीं उपविजेता टीमों को करीब 5,00,000 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। इसके अलावा, व्हीलचेयर सिंगल्स के चैंपियन्स को लगभग 99 लाख रुपये (1,04,000) की इनामी राशि मिलेगी। पहले ही मैच में हारकर बाहर होने वाले खिलाड़ी को भी लगभग भारतीय रुपये में 1.34 करोड़ रुपये (140,000) मिलेंगे। यूएस ओपन रोमांचक होने वाला है। पिछले 4 महीने से पेशेवर टेनिस से दूर रहे पूर्व चैंपियन कार्लोस अल्काराज अपना खिताब बचाने के लिए उतरेंगे। अल्काराज ने अप्रैल के बाद से एक भी मैच नहीं खेला है। उन्हें बार्सिलोना ओपन के दौरान कलाई में चोट लग गई थी। चोट की वजह से वह फ्रेंच ओपन, विंबलडन और कई दूसरे टूर्नामेंट से भी बाहर रहे। यूएस ओपन 2026 की शुरुआत 23 अगस्त से होगी और 13 सितंबर को पुरुषों के फाइनल के साथ खत्म होगा।

डोपिंग को लेकर नाडा की बड़ी कार्रवाई, इस भारतीय भाला फेंक एथलीट पर लगाया 10 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग को लेकर कड़ी कार्रवाई की है। ओलंपियन भाला फेंक एथलीट शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए 10 साल का प्रतिबंध लगाया गया है। पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता और ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने 10 साल का प्रतिबंध लगाया है। शिवपाल प्रतिबंधित पदार्थ मेथाएंडिएनोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। 31 साल की उम्र में यह प्रतिबंध उनके खेल करियर का अंत कर सकता है। शिवपाल ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

पहले लगा था चार साल का प्रतिबंध

नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अगस्त 2022 में उन्हें डोपिंग उल्लघंन का दोषी मानते हुए 2021 से चार साल का प्रतिबंध लगाया था। यह प्रतिबंध 2025 तक चलना था, लेकिन शिवपाल ने नाडा के अपील पैनल के सामने सफलतापूर्वक तर्क दिया कि उनकी डोप जांच में पॉजिटिव आने के पीछे दूषित सप्लीमेंट्स जिम्मेदार थे। जनवरी 2023 में अपील पैनल ने उनकी दलील स्वीकार करते हुए प्रतिबंध को चार साल से घटाकर सिर्फ एक साल कर दिया।

एशियाई चैंपियनशिप में जीता था रजत

शिवपाल के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 2019 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतना है। दोहा में उन्होंने 86.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह पदक हासिल किया था। हालिया मामलों में कार्रवाई का सामना करने वाले शिवपाल अकेले भारतीय एथलीट नहीं हैं। धाविका एमवी जिल्ना को भी दूसरे डोपिंग उल्लघंन के लिए अस्थायी रूप से निलंबित किया गया और वह मेफेंटरमाइन के लिए पॉजिटिव मिलीं। इससे पहले 2021 में शिवपाल का डोप नमूना प्रतियोगिता से बाहर की गई जांच में एक स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था।

कट शॉट बना यशस्वी जायसवाल का 'दुश्मन', 27 गेंदों में 4 बार फंसे...कोलंबो टेस्ट से पहले की गंभीर तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी मैदान में 23 अगस्त (रविवार) से होना है. लेकिन इस मुकाबले से पहले यशस्वी जायसवाल अपनी एक खास कमजोरी पर जोरदार मेहनत कर रहे हैं. भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाना है. मुकाबले से दो दिन पहले यशस्वी जायसवाल ने नेट्स में अपनी उस कमजोरी पर खास तौर पर काम किया, जो गॉल टेस्ट में फिर सामने आई थी. ऑफ स्टंप के बाहर तेज गेंदबाजों की गेंद पर कट शॉट खेलने की उनकी आदत इन दिनों परेशानी बनती दिख रही है. भारत के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल अब तक 30 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और उन्होंने हर टेस्ट अलग-अलग मैदान पर खेला है. टेस्ट डेब्यू से लेकर अब तक उनका सफर कैरेबियाई देशों, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और अब श्रीलंका तक पहुंच चुका है. सिर्फ तीन साल के टेस्ट करियर में ही जायसवाल भारतीय बल्लेबाजी की अहम कड़ी बन चुके हैं. सफेद गेंद क्रिकेट वाली उनकी आक्रामकता

नेट्स में शुरू हुआ सुधार का काम

जायसवाल के गलत शॉट खेलने का प्रतिशत भी बढ़ा है. पहले यह आंकड़ा 31.1 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 48.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है. यही वजह रही कि शुक्रवार को कोलंबो के स्स्ष्ट मैदान पर भारत के तेज गेंदबाजों ने नेट्स में उन्हें लगातार इस एरिया में परखने की कोशिश की.

कट शॉट बना परेशानी की वजह?

गॉल टेस्ट में श्रीलंका के तेज गेंदबाज फर्नांडो ने जायसवाल को ऑफ स्टंप के बाहर की लेंथ गेंद पर फंसाया. जायसवाल गेंद को कट करने के लिए गए, लेकिन किनारा लगा और गेंद विकेटकीपर डिकवाला के पास चली गई. आंकड़े बताते हैं कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलते हुए आउट होने का पैटर्न हाल के महीनों में बढ़ा है. पिछले साल अक्टूबर में भारतीय घरेलू टेस्ट सीजन शुरू होने के बाद से जायसवाल सिर्फ 27 गेंदों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलने के प्रयास में चार बार आउट हो चुके हैं. वहीं टेस्ट डेब्यू से लेकर पिछले साल इंग्लैंड दौरे तक, करीब दो साल के दौरान वह 190 गेंदों में सिर्फ चार बार इस शॉट पर आउट हुए थे. यानी हाल के समय में यह कमजोरी ज्यादा साफ होकर सामने आई है.

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

त्रिसा-गायत्री ने दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी को हराया, महिला डबल्स में मेडल पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महिला डबल्स जोड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में उलटफेर करते हुए दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी जी यिफान और झांग शुक्सियन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। त्रिसा-गायत्री की जीत ने देश के लिए मेडल पक्का कर दिया है। भारतीय जोड़ी ने एक गेम पीछे रहने के बाद चीनी जोड़ी पर 16-21, 21-15, 21-13 से जीत दर्ज की और महिला डबल्स में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली दूसरी जोड़ी बन गई। इससे पहले महिला डबल्स में 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने कांस्य पदक जीता था। शुरुआत में भारतीय जोड़ी कमजोर दिखी क्योंकि जिया और झांग ने 6-2 की बढ़त बना ली और शुरुआती गेम तक अपनी बढ़त बनाए रखी। त्रिसा और गायत्री ने धीरे-धीरे अपनी आक्रामक रिदम पाई, अपने पावरफुल स्मैश और नेट के दम पर अंतर को 8-9 कर दिया। हालांकि, रिकवरी इतनी नहीं थी कि चीनी खिलाड़ी को 11-8 की बढ़त के साथ ब्रेक में जाने से रोका जा सके और आखिरकार शुरुआती गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम भारतीयों ने अपने विरोधियों को वैसा नियंत्रण नहीं करने दिया, लंबी रैलियों में उनका मुकाबला किया और दबाव में डिफेंड करते हुए इंटरवल पर 11-10 की मामूली बढ़त हासिल की। वहां से, त्रिसा और गायत्री और ज्यादा आक्रामक हो गईं। उनके क्रॉस-कोर्ट अटैक ने बार-बार चीनी जोड़ी को कोर्ट के पार खींचा, जबकि उनके डिफेंस ने जिया और झांग के दबाव को झेला। इंडियन्स ने 17-14 की बढ़त के साथ शुरुआत की और फिर गेम 21-15 से खत्म करके निर्णायक बना दिया। निर्णायक गेम में 4-4 से बराबरी की शुरुआत के बाद, त्रिसा ने एक जोरदार स्मैश से ब्रेकथ्रू पाया, और भारतीय जोड़ी ने बढ़त बना ली। लगातार सात पॉइंट्स ने मैच का पासा पलट दिया, जिससे वे 4-4 से 9-4 पर आ गए। त्रिसा के अटैक ने चीनी जोड़ी को नुकसान पहुंचाना जारी रखा। भारतीय जोड़ी ने 11-5 की बड़ी बढ़त के साथ इंटरवल में एंट्री की। साइड बदलने के बाद, जिया और झांग ने थोड़ी देर के लिए अपनी चुनौती को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार तीन पॉइंट्स जीतकर अपनी लय वापस पा ली। चीनी जोड़ी पर बढ़ते दबाव के साथ, उनके गेम में गलतियां होने लगीं। 18-9 पर, भारतीय बस बराबरी पर थे। झांग के शॉट को आउट दिए जाने के बाद एक समीक्षा से नतीजे में ज्यादा बदलाव नहीं आया। चीनी जोड़ी की दो और गलतियों ने त्रिसा और गायत्री को निर्णायक पाइंट दिला दिए। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी का पदक पक्का हो गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ झ ज दे दो चा ची
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3985

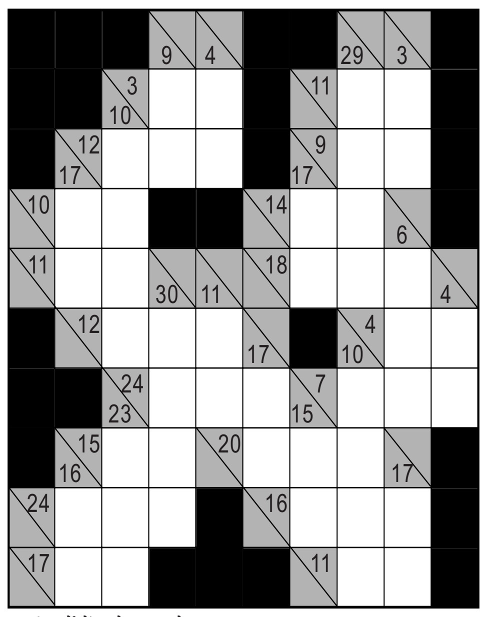

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23 — 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3984 का हल

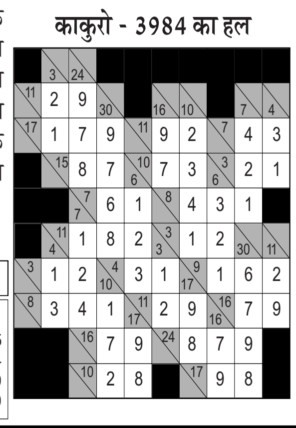

हंसी के फूव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा- 'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला- 'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली- 'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था- 'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा- 'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3985

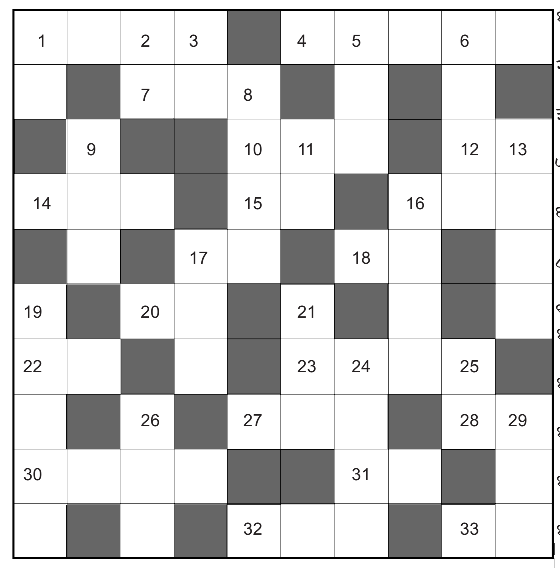

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3984

सूडोकु -3985

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3984 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 3985

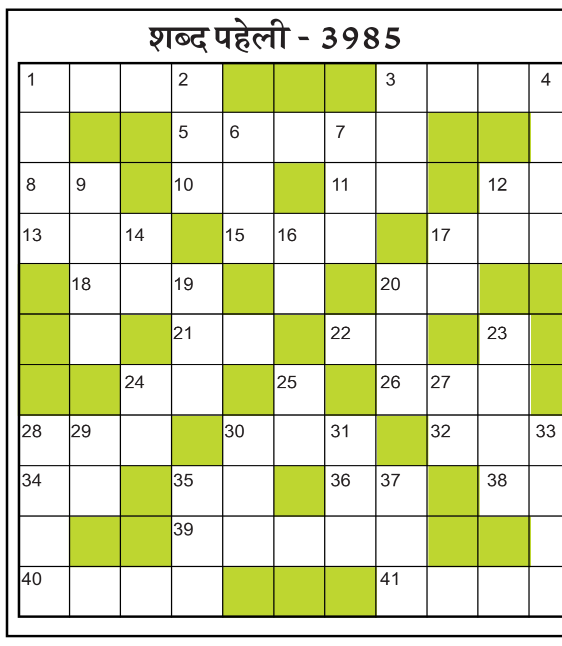

बाएँ से दाएँ

1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. दाड़म,एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. मां,आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक,कणिका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट,अभिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संधिपत्र,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ,तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -3984 का हल

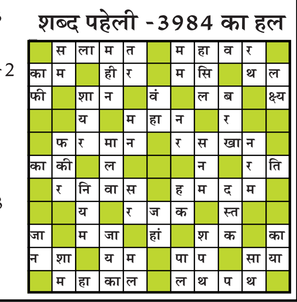

बंद धमनियां : जीवनशैली में बदलाव जरूरी

आज की इस भागती-दौड़ती जिंदगी का सबसे बड़ा शिकार हुआ है हमारा दिल, जो हमारे शरीर का सबसे नाजुक भाग भी है। हर चौबीस घंटे में एक लाख बार धड़कने वाले इस दिल पर ही हमारा जीवन आश्रित है। दिन-प्रतिदिन हृदय रोगों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया भर में हार्ट अटैक मौत का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। लगभग 8 से 10 से प्रतिशत लोग हार्ट अटैक से एक माह के अंदर और लगभग 10 प्रतिशत हार्ट अटैक के बाद पहले साल में ही मौत के मुंह में चले जाते हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा यह है कि जहां विकसित देशों में हृदय रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। दरअसल यह बीमारी व्यक्तियों की जीवनशैली से जुड़ी है जो हमारी अज्ञानता, अत्यधिक व्यस्तता, तनाव व भोजन की गलत आदतों के कारण बढ़ रही है।

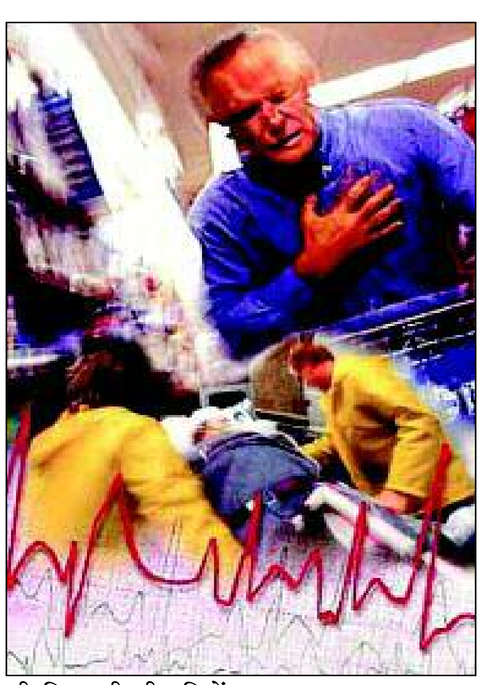

बीमारी का कारण ?

नई दिल्ली स्थित साओल हार्ट सैंटर के निदेशक डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि पुरूषों की तरह ही महिलाओं के लिए भी दिल की बीमारियों के लिए धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, आनुवांशिक आदि तथ्य शामिल होते हैं। कुछ पल के लिए अपनी जीवनशैली, पारिवारिक इतिहास और अपने सामान्य स्वस्थ्य की ओर देखें, यद्यपि आप अपने पारिवारिक इतिहास या आयु के बारे में कुछ नहीं कर सकते, लेकिन आप बहुत से अन्य तथ्यों को बदल तो सकते हैं। तो बताए गए कारणों के साथ आज हार्ट-अटैक का सर्वोपरि कारण है कोलेस्ट्रोल। शरीर में सामान्य मात्रा में कोलेस्ट्रोल का होना स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। अगर शरीर में जरूरत से ज्यादा कोलेस्ट्रोल हो तो एयेस्कलेरोसिस रोग होता है। इस रोग में धमनियों में मोम जैसा पदार्थ जम जाता है जिससे वे बहुत संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का प्रवाह सही तरह से नहीं हो पाता है जिससे दिल का दौरा पड़ जाता है।

लक्षण और इलाज

एंजाइना या हार्ट अटैक का रोग हृदय की तीन शिराओं में कोलेस्ट्रोल के जमने से होता है। कोलेस्ट्रोल जमने की वजह से हृदय की मांसपेशियों में ऑक्सीजन की कमी से एंजाइना का दर्द होता है। अधिक तेज दर्द से कई बार मरीज की जान बचाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर सीने, छाती तथा शरीर के ऊपरी हिस्सों में होने वाले दर्द को लोग पेट में होने वाली गैंस का दर्द समझ बैठते हैं और घरेलू अथवा आसपास के डॉक्टरों के पास भागते हैं। दरअसल उसी समय यदि हृदय रोग विशेषज्ञों से जांच करवायी जाए तो उस दर्द वास्तविक कारण पता चल सकता है और फिर उपचार होने पर व्यक्ति हृदयाघात से बच सकता है।

क्या विकल्प है ?

डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि आज इन सभी थैरेपियों से अलग एक नई पद्धति है जो हृदय रोगियों के लिए स्थायी उपचार प्रदान करने के लिए एक आधुनिक तकनीक है जिसे 9 बायोकैमिकल एंजियोप्लास्टी के नाम से जाना जाता है। दरअसल ये ब्लॉकेज (हृदय की धमनियों में रूकावट) एकदम से नहीं बनते, ये धीरे-धीरे बनते हैं लेकिन जिस तरह ये बनते हैं उन्हें वैसे ही घटाया भी जा सकता है। यह तकनीक ठीक उसी तरह काम करती है जिस प्रकार आजकल घर की औरतें रसोईघर के रूके हुए पाइपों को साफ करने के लिए उसमें ड्रेनैक्स डाल जाता है। जिससे फंसे हुए या जमें हुए कण बाहर आ जाएं व धमनियां पुन: ठीक प्रकार से काम करने लगें। यह इस चिकित्सा की बहुत बेहतर व सुरक्षित पद्धति है क्योंकि इसमें रोगी के शरीर में किसी भी प्रकार की चीड़फाड़ करने की आवश्यकता नहीं होती, रोगी को अस्पताल में भर्ती करने की भी जरूरत नहीं होती, कुछ रोगियों को केवल दो या तीन हफ्तों में ही इस बीमारी से निजात मिल जाती है। इस चिकित्सा के परिणाम अधिक प्रभावशाली हो सकते हैं यदि इन्हें जीवनशैली बदलाव कार्यक्रम जैसे (खाना पीना, व्यायाम, योग ध्यान, स्ट्रेस-मैनेजमेंट) के साथ अपनाया जाए। याद रखिए कि हृदय संबंधी रोगों के पनपने का कारण है रक्त में चर्बी या कोलेस्ट्रोल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, नशा करना, दिमागी तनाव, मधुमेह, मोटापा, व्यायाम न करना, ठीक प्रकार से खाना न खाना आदि। यदि हम इन सब पर पूरा ध्यान दे पाएं तो हृदय रोगों को कम किया जा सकता है। आज यहां कई ऐसे तथ्य मौजूद हैं जिनसे यह साबित हो सकता है कि बॉयोकैमिकल एंजियोप्लास्टी जादुई असर करती है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

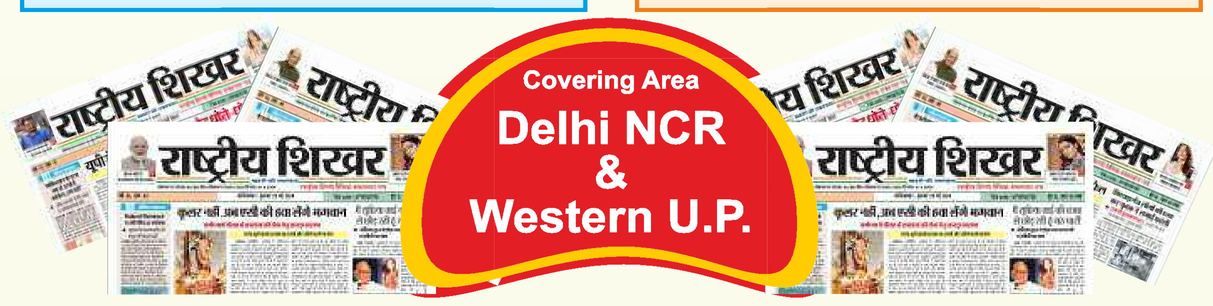

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

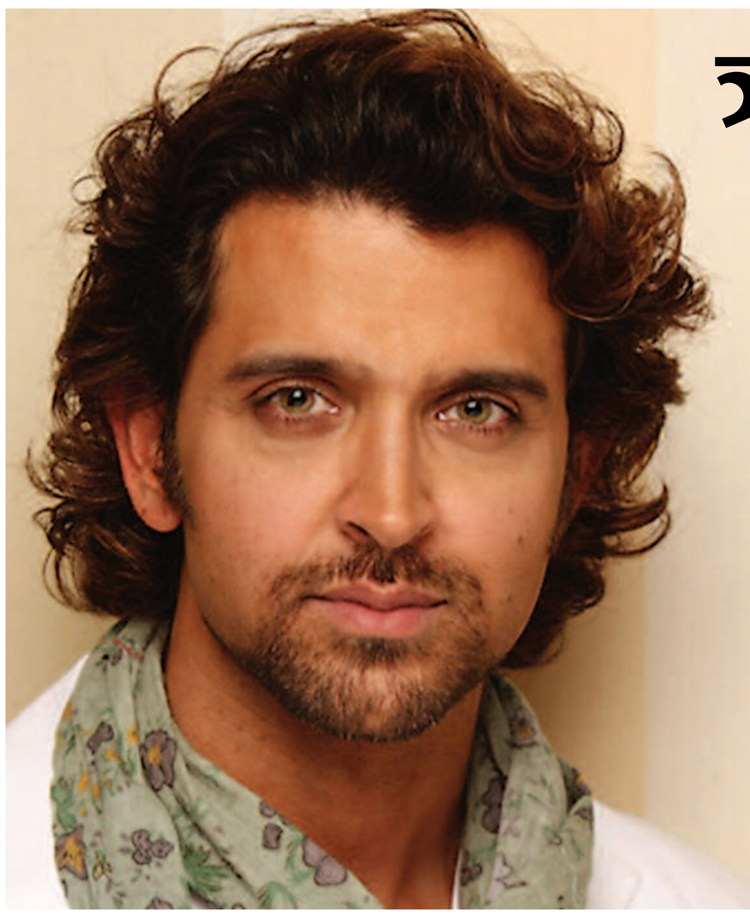

ऋतिक-सबा के ब्रेकअप की खबरों ने पकड़ा जोर

अभिनेता ऋतिक रोशन कई साल से सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ में पार्टी और इवेंट में देखा जाता है। सोशल मीडिया पर भी दोनों एक-दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। मगर, इन दिनों बी-टाउन में दोनों के ब्रेकअप की अटकलों ने जोर पकड़ा है। इसकी वजह ऋतिक रोशन की प्रोफाइल का कथित तौर पर एक डेटिंग एप पर देखा जाना है।

सुजैन खान से तलाक के बाद ऋतिक रोशन की जिंदगी में सबा आजाद की एंट्री हुई है। दोनों के बीच उम्र का काफी अंतर है। मगर, आपसी समझ काफी अच्छी है। अक्सर दोनों छुट्टियां मनाने जाते हैं। साथ में पार्टी करते हैं और बॉलीवुड के कई इवेंट्स में साथ में शिरकत करते हैं। मगर, इन दिनों ऐसी अफवाहें हैं कि दोनों की राहें जुदा हो गई हैं।

क्यों शुरू हुई अटकलें

सबा से ऋतिक के रिश्ते में दूरी की वजह, एक डेटिंग एप पर अभिनेता की प्रोफाइल का पाया जाना है। दरअसल, 'राया' नाम के एक डेटिंग एप पर ऋतिक रोशन की प्रोफाइल होने का दावा किया गया है। इसके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल स्क्रीनशॉट में ऋतिक के प्रोफाइल बायो में 'एक्टर/ प्रोड्यूसर/ एंटरप्रेन्योर' लिखा दिख रहा है। इस वायरल प्रोफाइल के बाद ही ऐसे सवाल आ रहे हैं कि क्या दोनों का ब्रेकअप हो गया है? हालांकि, रिलेशनशिप को लेकर चल रहीं अटकलों पर अभी तक ऋतिक रोशन और सबा आजाद की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

उर्वशी रौतेला ने भी किया था दावा

रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 में उर्वशी रौतेला ने भी एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्होंने सेलिब्रिटी डेटिंग एप 'राया' पर ऋतिक रोशन और आदित्य रॉय कपूर के प्रोफाइल देखे थे। हालांकि, उर्वशी रौतेला ने सीधे-सीधे ऋतिक रोशन के रिलेशनशिप स्टेटस से जोड़कर कोई टिप्पणी नहीं की थी। मगर, उर्वशी के पुराने बयान और अब वायरल स्क्रीनशॉट को लेकर सबा और ऋतिक के रिश्ते में आई दूरी से जोड़कर देख रहे हैं। देखना होगा कि ऋतिक या सबा ऐसी अफवाहों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

वीर पहाड़िया को बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी 'प्रेम कीटाणु'

स्काई फोर्स से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद वीर पहाड़िया लगातार बॉलीवुड में अपना दबदबा कायम करते जा रहे हैं और इसका सबूत है महेश भट्ट की नाम – टू लिव इज़ वॉर के बाद उनकी अगली थिएट्रिकल फिल्म प्रेम कीटाणु, जिसकी घोषणा उन्होंने हाल ही में की है। इस फिल्म में वीर पहाड़िया के साथ अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी नजर आएंगे।

'प्रेम कीटाणु' का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जो 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और चर्चित सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म गौरव वर्मा के नए लॉन्च किए गए बैनर अवनिका फिल्म्स की पहली प्रोडक्शन है, जिसे फार्स फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया जा रहा है। इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है। ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि 'प्रेम कीटाणु' वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू 'स्काई फोर्स' से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। 'स्काई फोर्स' में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग-अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं। जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' भी शामिल है।

महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं। 'प्रेम कीटाणु' और 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां 'प्रेम कीटाणु' रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। 'स्काई फोर्स' के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक को बताया अब तक किए हर काम से बिल्कुल अलग

मुंबई में टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूज़िक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है।

टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूं। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपैंसिव होना, फिल्म का स्केल... पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था। हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंड्योर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के स्केल और इस दुनिया की ग्रैंड्योर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ और इतना ह्यूमन है।

रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहां फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी। एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिकनेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्वा है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

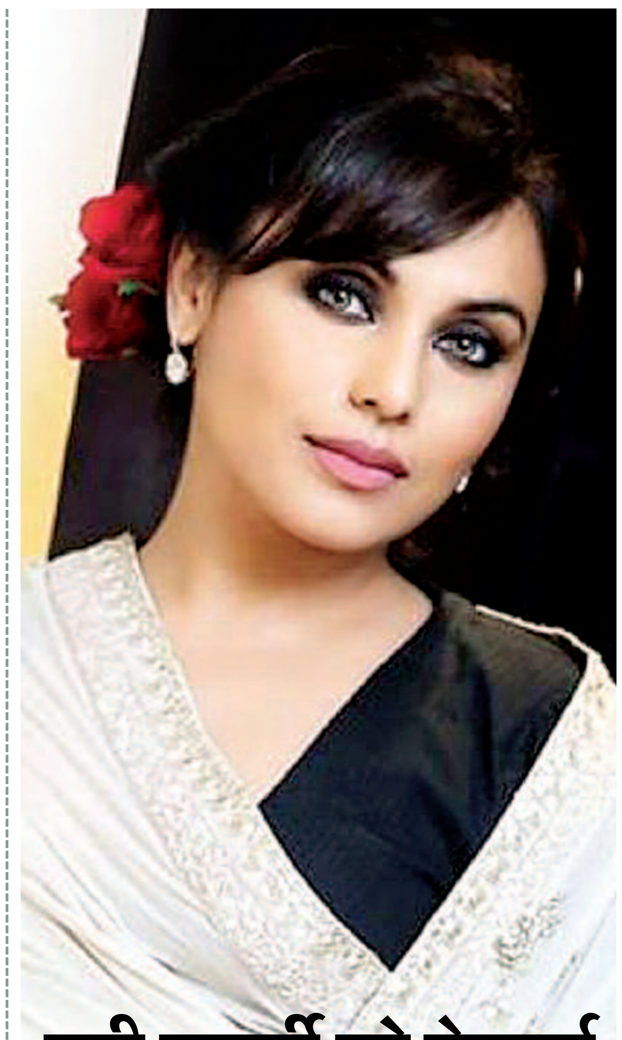

रानी मुखर्जी को मेलबर्न में मिला खास सम्मान

रानी मुखर्जी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक अलग-अलग किरदार निभाए हैं। उन्होंने कभी समाज की सोच को चुनौती देने वाली महिलाओं का किरदार निभाया, तो कभी मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाने वाली महिलाओं की कहानी पर्दे पर उतारी। अब इसी को देखते हुए उन्हें विशेष सम्मान दिया गया है। तीन दशक से ज्यादा समय से अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली रानी को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में खास सम्मान दिया गया है।

उन्हें एक्टिंग में बेहतरीन योगदान के लिए स्पेशल सिटेशन से सम्मानित किया गया। रानी के इस सम्मान को भारतीय सिनेमा में उनके लंबे और शानदार सफर के लिए एक बड़ी पहचान माना जा रहा है। उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें आज भी दर्शक याद करते हैं। उनके किरदारों और फिल्मों ने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी लोगों के दिलों तक जगह बनाई है। 'ब्लैक', 'हम तुम', 'युवा', 'बंटी और बबली', 'नो वन किल्ड जेसिका', 'हिचकी', 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' जैसी फिल्मों में रानी की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है। रानी ने हर फिल्म में अपने किरदार को पूरी ईमानदारी और भावनाओं के साथ निभाने की कोशिश की है। यही वजह है कि उनके कई किरदार आज भी दर्शकों के बीच खास जगह रखते हैं। इस सम्मान के बाद रानी मुखर्जी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्में, उनके किरदार और उनकी आवाज घर से बहुत दूर तक पहुंची हैं। उनके लिए यह सफर बेहद खास रहा है। रानी का यह सम्मान सिर्फ उनकी एक्टिंग को पहचान नहीं देता, बल्कि यह भी दिखाता है कि भारतीय सिनेमा की कहानियां अब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दर्शकों तक पहुंच रही हैं।

आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' में नजर आएंगी कल्याणी प्रियदर्शनी, रणवीर सिंह ने शुरू की शूटिंग

रणवीर सिंह ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ ही रणवीर इस फिल्म से बतौर निर्माता भी जुड़े हैं। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद रणवीर सिंह का यह पहला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं।

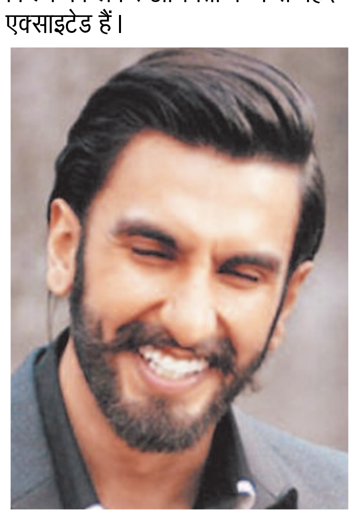

'प्रलय' को रणवीर के करियर का सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। इसे लाइव लोकेशन पर भी शूट किया जाएगा। रणवीर इस फिल्म में अभिनय करने के साथ ही इसका निर्माण भी कर रहे हैं। यह एक धमाकेदार एक्शन फिल्म होगी। रणबीर के लिए यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है। फिल्म में 'लोका' फेम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शनी भी अभिनय करती नजर आएंगी।

बड़े पैमाने पर होगा काम

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'प्रलय' की कहानी काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी। फिल्म में धुआंधार एक्शन सीन्स भी होंगे। रणवीर इस फिल्म के डेवलपमेंट प्रोसेस के दौरान क्रिएटिव चर्चाओं में भी एक्टिव रूप से शामिल हुए हैं। लगभग 300 करोड़ रुपए के बजट में बनने वाली 'प्रलय' रणवीर सिंह के करियर की सबसे महंगी स्टैंडअलोन फिल्म हो सकती है।

फिल्म 'प्रलय' के बारे में

'प्रलय' में रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। वहीं फिल्म का निर्माण अनन्या बिड़ला स्टूडियोज कर रहा है।

'7 डॉग्स' की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हूं

अभिनेता संजय दत्त जल्द ही सलमान खान के साथ इंटरनेशनल फिल्म '7 डॉग्स' में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले हफ्ते रिलीज होने वाली है। एक्टर ने इस फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया।

फिल्म '7 डॉग्स' एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट है। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का नया ट्रेलर लॉन्च किया था। अब इस फिल्म के बारे में संजू बाबा ने अपने अनुभव बताए। संजू ने कहा मैं '7 डॉग्स' के दर्शकों तक पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मुझे भारत में इसके रिलीज होने का बहुत इंतजार था। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट में अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम करने का काफी खास अनुभव रहा है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका जिंदगी में बार -बार नहीं मिलता। यह फिल्म भारतीय दर्शकों को पसंद आएगी। उन्हें इसे देखकर खूब मजा आने वाला है। जब दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे तो उनके लिए यह अलग तरह का अनुभव होगा। अपनी बातचीत में आगे संजय दत्त ने कहा, 'मुझे लगता है भारतीय दर्शकों को इस फिल्म को खुले मन से देखना चाहिए और वे हैरान रह जाएंगे। यह एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है, लेकिन इसकी भावनाएं दर्शकों के लिए आसानी से जुड़ने वाली हैं। इसमें एक्शन है, ड्रामा है, दमदार किरदार हैं और फिल्म को बहुत बड़े स्तर पर बनाया गया है।'

संक्षिप्त समाचार

प्रिंस हैरी शाही भूमिकाओं के बिना ब्रिटेन लौटेंगे; भारतीय महिला को इस्राइल में अच्छी नागरिकता सम्मान

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन ने यूनाइटेड किंगडम लौटने का फैसला किया है। हालांकि, वे शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी भूमिकाएं फिर से शुरू नहीं करेंगे। किंग चार्ल्स को रविवार को इस निर्णय के बारे में सूचित किया गया। हालांकि, पिछले महीने दंपती की यूके यात्रा के दौरान उन्हें इस बारे में नहीं बताया गया था। डेली टेलीग्राफ ने यह खबर सबसे पहले प्रकाशित की है। अखबार के अनुसार, हैरी और मेघन के बच्चे, प्रिंस आर्ची (7) और प्रिंसेस लिलिबेट (5), ब्रिटिश स्कूलों में पहले ही दाखिला ले चुके हैं। वे सितंबर में अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। यह निर्णय दंपती द्वारा अपनी शाही जिम्मेदारियां छोड़ने के छह साल से अधिक समय बाद आया है। उन्होंने आकर्षक मीडिया अनुबंधों को आगे बढ़ाने के लिए कैलिफोर्निया का रुख किया था। ब्रिटेन लौटने से किंग चार्ल्स को अपने पोते-पोतियों से अधिक मिलने का अवसर मिलेगा। किंग चार्ल्स एक अज्ञात प्रकार के कैंसर का इलाज करा रहे हैं। दंपती ने छह साल से अधिक समय पहले अपने शाही कर्तव्यों को त्याग दिया था। वे कैलिफोर्निया में बस गए थे। इस वापसी से परिवार के संबंधों में मजबूती आ सकती है।

इस्राइल में देखभाल करने वाली भारतीय महिला को अच्छी नागरिकता का सम्मान

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल पुलिस ने एक भारतीय महिला को अच्छी नागरिकता के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया है। देखभाल करने वाली इस महिला ने कार्मेल क्षेत्र में 95 वर्षीय होलोकॉस्ट पीड़ित को ठगी के प्रयास से बचाया था। बुधवार को तटीय जिला पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में हाइफा पुलिस स्टेशन के जांचकर्ताओं ने हीरा (हीराबेन) को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हीराबेन उस बुजुर्ग महिला की नर्सिंग देखभालकर्ता यानी केयरगिवर के रूप में काम कर रही हैं। इजरायल में कुछ ही महीने रहने के बावजूद, हीराबेन ने सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। उन्होंने महिला को एक कथित धोखेबाज से बचाया, जो क्लैलिट हेल्थ सर्विसेज की नर्स बनकर उनके अपार्टमेंट में आया था। देखभालकर्ता ने शांत रहते हुए घटना को दर्ज किया, संदिग्ध को बुजुर्ग महिला के पास जाने से रोका और पुलिस को सूचित किया। इस मामले में आरोप पत्र दायर किया गया है और संदिग्ध की हिरासत दो दिन पहले कानूनी कार्रवाई पूरी होने तक बढ़ा दी गई थी। जांचकर्ता नोफर पाज़ ने बुजुर्ग महिला और उनके परिवार की उपस्थिति में हीराबेन को धन्यवाद दिया।

सफारी के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश, पांच अमेरिकी समेत सात लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या के उत्तरी हिस्से में बुधवार सुबह सफारी के दौरान एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस और अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, मृतकों में पांच अमेरिकी नागरिक शामिल थे। हेलीकॉप्टर सुबह 9ः13 बजे लॉइसाबा कंजर्वेंसी से साम्बुरु काउंटी के इवासो न्यिरो इलाके की ओर जा रहा था। केन्या नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, हेलीकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। इनमें छह यात्री और एक पायलट था। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। साम्बुरु के पुलिस कमांडर डेविड नकोरोई ने बुधवार देर शाम पुष्टि की कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई है। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि मृतकों में पांच अमेरिकी नागरिक थे। अमेरिकी दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और पीड़ितों से जुड़े लोगों को जरूरी कांसुलर सहायता उपलब्ध करा रहा है। मृतकों की आधिकारिक पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि, अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित एक स्थानीय टीवी स्टेशन ने बताया कि मृतकों में जोस सुआरेज भी शामिल थे, जिनकी उम्र 55 वर्ष थी और वह टेलीमुंडो के फ्लोरिडा स्थित कई स्टेशनों के अध्यक्ष और महाप्रबंधक थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हेलीकॉप्टर माउंट ओलोलोक्वे की तलहटी में स्थित एक दुर्गम और ऊबड़-खाबड़ इलाके में गिरा। यह स्थान पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। हेलीकॉप्टर स्थानीय कंपनी लेडी लॉरी हेलीकॉप्टर्स का था और चार्टर उड़ान के तहत यात्रियों को ले जा रहा था। सफारी कंपनी एंडबियॉन्ड के साथ यात्रा कर रहे लोगों के लिए यह उड़ान संचालित की गई थी। ट्रॉपिक एयर केन्या ने तलाश और बचाव अभियान में मदद के लिए अपने दो हेलीकॉप्टर भेजे। केन्या रेड क्रॉस की आपातकालीन टीमें भी बहु-एजेंसी राहत अभियान में शामिल हुईं।

गंगा जल पर फिर तनातनी: गारंटी प्रावधान मांगने की तैयारी में बांग्लादेश, क्या भारत से बिगड़ेंगे रिश्ते

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने भारत के साथ गंगा जल संधि के नवीनीकरण को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। पड़ोसी मुल्क अब नई संधि में 'गारंटी प्रावधान' शामिल करने की मांग करेगा। साथ ही उसने संकेत दिया है कि पानी के अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर अंतरराष्ट्रीय मंचों का रुख भी किया जा सकता है। जल संसाधन मंत्री शाहिदुद्दीन चौधरी अनी ने मंगलवार को ढाका में आयोजित एक संगोष्ठी में यह बात कही। संगोष्ठी का विषय था- 'गंगा जल संधिः पुनर्विचार के मुद्दे'। इसका आयोजन बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड इंटरनेशनल अफेयर्स ने किया था। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने इसकी जानकारी दी।

दिसंबर में समाप्त होने वाली है गंगा जल संधि : भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल संधि दिसंबर में समाप्त होने वाली है। यह संधि सूखे मौसम में गंगा के पानी के बंटवारे की व्यवस्था करती है। अनी ने कहा कि बांग्लादेश संधि पर दोबारा बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान अगले महीने संयुक्त राष्ट्र में बांग्लादेश का पक्ष मजबूती से रखेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को संधि चाहिए। उनके मुताबिक, बिना संधि के आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं है और यह बांग्लादेश का अधिकार है।

क्या 1977 वाला गारंटी प्रावधान फिर लौटेगा : अनी ने

भविष्य की जल-बंटवारा संधियों में सूचना के अधिकार से जुड़ा प्रावधान शामिल करने की जरूरत बताई। उन्होंने 1977 की गंगा संधि में मौजूद 'गारंटी प्रावधान' को फिर शामिल करने की मांग की। यह प्रावधान 1996 की संधि में नहीं रखा गया था। गारंटी प्रावधान का मतलब है कि निचले हिस्से वाले देश को पानी की न्यूनतम मात्रा मिलने की गारंटी हो। इसका उद्देश्य सूखे मौसम या नदी का जलस्तर अचानक घटने पर पानी की आपूर्ति को सुरक्षित रखना है।

बांग्लादेश का कहना है कि मौजूदा संधि सबसे सूखे मौसम में पर्याप्त पानी की गारंटी नहीं देती। उसकी आपत्ति यह भी है कि पानी बांटने का मौजूदा तरीका पुराने जलवैज्ञानिक हालात पर आधारित है। सूखे मौसम में नदी का प्रवाह अब ज्यादा अनिश्चित हो गया है। बांग्लादेश पर्यावरण से जुड़े प्रावधानों को भी अपर्याप्त मानता है। वह ऊपरी हिस्से में पानी की निकासी, नदी के स्वास्थ्य, बढ़ती लवणता और पारिस्थितिक प्रवाह को भी चर्चा में शामिल करना चाहता है।

क्या फरक्का बैराज फिर बनेगा विवाद का केंद्र : भारत-बांग्लादेश जल संबंधों में फरक्का बैराज लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पश्चिम बंगाल में भारत द्वारा बनाए गए इस बैराज का उद्देश्य गंगा के पानी के एक हिस्से को हुगली नदी तंत्र की ओर मोड़ना है। बांग्लादेश में इसे लेकर लंबे समय से चिंता रही है कि इससे सूखे मौसम में नीचे की ओर पानी का प्रवाह कम होता है। अनी ने कहा कि बांग्लादेशी लोग लंबे समय से फरक्का बैराज को 'मौत का जाल' मानते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि फरक्का के बाद भारत ने गंगा पर बैराज और करीब 900 तटबंध बनाए, जिससे दोनों देशों के संबंधों पर दबाव पड़ा।

भारत का रुख क्या : भारत का कहना है कि फरक्का बैराज बांध नहीं, बल्कि पानी को मोड़ने वाली संरचना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इसके द्वारों की व्यवस्था के जरिए गंगा के करीब 40,000 क्यूसेक पानी को फरक्का नहर में भेजने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बाकी पानी बांग्लादेश की ओर बहता रहता है। भारत यह भी कहता है कि समझौते के तहत जल प्रवाह का आंकड़ा संयुक्त नदी आयोग के जरिए बांग्लादेश के साथ नियमित रूप से साझा किया जाता है। बांग्लादेश और भारत के बीच 54 प्रमुख नदियां साझा हैं। गंगा दोनों देशों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सीमा-पार नदियों में से एक है। जल बंटवारे और नदी से जुड़े मुद्दों पर दोनों देश संयुक्त नदी आयोग के जरिए बातचीत करते हैं।

क्या भारत जल्द शुरू करेगा नई संधि पर बातचीत : जुलाई में भारत की विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने सरकार से बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि के नवीनीकरण पर बिना और देरी के बातचीत शुरू करने को कहा था। समिति ने सिफारिश की थी कि बातचीत में नए जलवैज्ञानिक आंकड़ों, जलवायु अनुमानों और पश्चिम बंगाल तथा बिहार की चिंताओं को ध्यान में रखा जाए। भारत सरकार ने फरवरी में संसद को बताया था कि संधि के नवीनीकरण को लेकर बांग्लादेश के साथ बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। सरकार ने यह भी कहा था कि पश्चिम बंगाल सरकार सहित संबंधित पक्षों से मिले सुझावों को भारत का रुख तय करते समय ध्यान में रखा गया है। अनी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब इससे दो दिन पहले उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश तीस्ता नदी के लंबे समय से लंबित जल-बंटवारा समझौते को लेकर भारत के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंध खराब नहीं करना चाहता। उन्होंने भारत से अपने हितों के साथ बांग्लादेश के हितों को भी ध्यान में रखने की अपील की थी।

नताली हार्प बनीं ट्रंप की सबसे भरोसेमंद साथी, कैमरे से दूर रहकर कैसे बढ़ा व्हाइट हाउस में असर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आसपास कई ताकतवर लोग हैं, लेकिन 35 वर्षीय नताली हार्प की भूमिका अलग नजर आती है। वह कैमरे के सामने बोलने वाली अधिकारी नहीं हैं, फिर भी ट्रंप के आसपास लगातार दिखाई देती हैं। ओवल ऑफिस से लेकर मरीन वन तक वह राष्ट्रपति के साथ रहती हैं। खास तौर पर प्रेस सचिव रहीं केरोलिन लेविट की विदाई के बाद व्हाइट हाउस में हार्प की अहमियत और बढ़ने की बात सामने आई है।

नताली हार्प को ह्यूमन प्रिंटर क्यों कहा जाता है : हार्प ट्रंप के लिए लगातार जानकारी जुटाने, विश्व नेताओं से संदेशों के आदान-प्रदान और सोशल मीडिया पोस्ट तैयार करने में मदद करती हैं। वह देर रात तक राष्ट्रपति के साथ काम करती हैं और रविवार को भी छुट्टी नहीं लेने की बात सामने आई है। उनके पास एक पोर्टेबल प्रिंटर भी रहता है। इसी वजह से व्हाइट हाउस में उन्हें 'ह्यूमन प्रिंटर' कहा जाता है। वह ट्रंप तक सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया की जानकारी तुरंत पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

ट्रंप के साथ खतरनाक सफर में भी क्यों रहीं : नताली की भूमिका उस समय भी चर्चा में आई जब वह एक बेहद गुप्त अभियान का हिस्सा बनीं। इस अभियान में हमले के खतरे के बीच ट्रंप और कुछ चुनिंदा लोगों को तुर्किये से सुरक्षित

निकालने की कोशिश की गई थी। इसके लिए विमान के कैटरिंग कंटेनर का इस्तेमाल किया गया था। इस घटना के बाद हार्प की भूमिका ज्यादा लोगों की नजर में आई। ट्रंप के करीबी सहयोगियों के अनुसार, राष्ट्रपति के प्रति उनकी निष्ठा बेहद मजबूत है।

ट्रंप से नताली का रिश्ता इतना खास कैसे बना : हार्प की ट्रंप से नजदीकी का एक निजी कारण भी बताया जाता है। वह कैंसर से जूझ चुकी हैं। उनके अनुसार, ट्रंप की ओर से समर्थित 'राइट टू ट्राई' कानून ने उन्हें प्रयोगात्मक इलाज तक पहुंच दिलाने में मदद की और इससे उनकी जिंदगी बचाने में मदद मिली। ट्रंप भी कई बार कह चुके हैं कि दूसरे कर्मचारी भविष्य में उनका साथ छोड़ सकते हैं, लेकिन नताली ऐसा नहीं करेंगी। यही निजी अनुभव दोनों के बीच भरोसे की एक वजह माना जाता है। हाल ही में सामने आए पत्रों में नताली ने ट्रंप के प्रति अपनी बेहद गहरी निष्ठा जाहिर की थी।

यूएनएससी में भारत की दो टूक: विकासशील देशों को मिले अधिक प्रतिनिधित्व, आतंकवाद पर राजनीति को लेकर क्या कहा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के काम करने के तरीकों पर खुली चर्चा हुई। इस चर्चा में भारत की राजदूत योजना पटेल ने देश का पक्ष रखा।उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों को सुरक्षा परिषद में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की मांग करता है। उन्होंने कहा कि अस्थायी सदस्यों को सुरक्षा परिषद में सार्थक योगदान देने का मौका मिलना चाहिए। इसके लिए सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों को दस्तावेजों तक पहुंच के मामले में एक जैसे अधिकार और सुविधाएं मिलनी चाहिए।

राजदूत योजना पटेल ने क्या कहा : योजना पटेल ने कहा कि जो देश सीधे तौर पर किसी मुद्दे से जुड़े हैं, उन्हें सुरक्षा परिषद के फैसले लेने की व्यवस्था में भी शामिल किया जाना चाहिए। खासकर शांति स्थापना से जुड़े सभी बड़े सवालों में उनकी भूमिका होनी चाहिए। इनमें मिशन का काम क्या होगा और उसके लिए कितने संसाधन दिए जाएंगे जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दस्तावेज संख्या- 507 में उचित बदलाव किया जाना चाहिए। इसमें सुरक्षा परिषद की सहायक संस्थाओं के अध्यक्षों के नाम तय करने के लिए स्पष्ट और अंतिम समय-सीमा होनी चाहिए। यह समय-सीमा ऐसी होनी चाहिए, जिस पर कोई समझौता न हो सके।

आतंकवाद पर राजनीति को लेकर क्या कहा : भारत ने यह भी कहा कि सुरक्षा परिषद को छोटे और सीमित राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने का मंच नहीं बनना चाहिए। योजना पटेल ने कहा कि सुरक्षा परिषद में किसी देश की मौजूदगी का इस्तेमाल आतंकवादियों को वैध ठहराने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। केवल राजनीतिक कारणों के आधार पर आतंकियों को आतंकवादी सूची से हटाने या दूसरी संस्थाओं को आतंकवादी संगठन घोषित करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। इसके लिए निष्पक्ष मापदंड और समर्थन करने वाले दस्तावेज होना जरूरी है।

अमेरिका में आरएसएस पर बैन लगाने की मांग, भागवत के यूएस दौरे पर यूएससीआईआरएफ सख्त; बोला- संघ नेताओं को न मिले सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की धार्मिक स्वतंत्रता पर काम करने वाली सलाहकार संस्था यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) के अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने अमेरिकी सरकार से अपील की है कि वह आरएसएस नेताओं को राजनयिक सम्मान न दे और न ही उनके साथ किसी तरह की हाई-लेवल मीटिंग करे। यह बयान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित अमेरिका दौरे से पहले आया है। वहीं, भारत पहले ही यूएससीआईआरएफ की रिपोर्टों को पक्षपातपूर्ण और वैचारिक पूर्वाग्रह पर आधारित बताते हुए खारिज कर चुका है। आरएसएस नेताओं से दूरी बनाने की अपील यूएससीआईआरएफ के चेयरमैन

आसिफ महमूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य हैं। उन्होंने आरएसएस को एक %अंब्रेला ऑर्गनाइजेशन यानी ऐसा मुख्य संगठन बताया, जिसके सहयोगी संगठनों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले करने के आरोप लगते रहे हैं। महमूद की ये टिप्पणियां आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे से कुछ हफ्ते पहले सामने आई हैं। भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग की ओर से आयोजित यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन (एकता का उत्सव) में शामिल होने वाले हैं। आरएसएस सदस्यों पर प्रतिबंध की मांग यूएससीआईआरएफ कमिश्नर जीन मिल्स ने कहा कि आरएसएस नेताओं को, भले ही वे भारत सरकार से जुड़े हों, हाई-लेवल मीटिंग या राजनयिक सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए। इसके बजाय, अमेरिकी सरकार को उन आरएसएस सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने पर ध्यान देना चाहिए, जो फ्रीडम ऑफ रिलिजन ऑर बिलीफ यानी धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। यूएससीआईआरएफ ने आसिफ महमूद और जीन मिल्स की इन टिप्पणियों को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। महमूद ने आरएसएस को लेकर क्या कहा महमूद ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य हैं। यह भारत का एक मुख्य संगठन है, जिसके सहयोगी समूहों ने ईसाइयों और मुसलमानों सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं। अब आरएसएस नेता मोहन भागवत अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स ने भी उठाए सवाल एडवोकेसी ग्रुप हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि मोहन भागवत के दौरे को मुसलमानों और ईसाइयों के खिलाफ आरएसएस नेटवर्क से जुड़े हिंसा के आरोपों से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

विदेशों का नया ट्रेंड भारत की पुरानी जीवनशैली है ब्रिटेन-अमेरिका के जेन-जी अपना रहे भारतीय साइलेंट वॉक

लंदन, एजेंसी। अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों में जेन-जी के बीच इन दिनों साइलेंट वॉकिंग तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसमें युवा मोबाइल फोन को दूर रखकर, ईयरफोन उतारकर और बिना संगीत या पॉडकास्ट सुने चुपचाप टहलते हैं। सोशल मीडिया पर इसे तनाव कम करने और मानसिक सुकून पाने के तरीके के रूप में पेश किया जा रहा है। हालांकि भारतीयों के लिए यह तरीका उतना नया नहीं है, क्योंकि यहां मौन और एकांत में टहलने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है।

क्या है साइलेंट वॉकिंग और युवा इसे क्यों अपना रहे हैं : साइलेंट वॉकिंग का मतलब बिना किसी डिजिटल गतिविधि के पैदल चलना है। इस दौरान मोबाइल, संगीत, पॉडकास्ट, ऑडियोबुक और सोशल मीडिया से दूरी बनाई जाती है। व्यक्ति केवल अपने कदमों, विचारों और

आसपास के वातावरण पर ध्यान देता है। लगातार फोन और इंटरनेट से जुड़े रहने वाली युवा पीढ़ी के लिए यह तरीका कुछ समय के लिए डिजिटल दुनिया से दूरी बनाने का अवसर देता है। इसे तनाव कम करने और मन को शांत करने के एक आसान तरीके के रूप में देखा जा रहा है। क्या भारत में यह परंपरा पहले से मौजूद है भारत में मौन और एकांत को मानसिक शांति से जोड़ने की परंपरा सदियों पुरानी है। मंदिरों की परिक्रमा, मौन व्रत और विपश्यना जैसे अभ्यासों में बाहरी शोर से दूरी बनाकर आत्मचिंतन पर जोर दिया जाता है। मंदिर परिसरों और पार्कों में चुपचाप टहलना भी भारतीय जीवनशैली का हिस्सा रहा है। इसलिए पश्चिमी देशों में साइलेंट वॉकिंग का बढ़ता चलन भारतीय नजरिए से किसी बिल्कुल नई चीज के बजाय पुरानी परंपरा के आधुनिक रूप जैसा दिखाई देता है।

क्या भारतीय युवा भी इसे अपना रहे हैं : भारत में भी युवा बिना ईयरफोन और मोबाइल में व्यस्त हुए सार्वजनिक जगहों पर टहलते नजर आ रहे हैं। दिल्ली का लोधी गार्डन, बंगलूरू का कब्बन पार्क और मुंबई का मरीन ड्राइव ऐसे स्थान हैं, जहां लोग चहलकदमी करते हैं। हालांकि भारत में इसे हमेशा साइलेंट वॉकिंग के नाम से नहीं जाना जाता। पश्चिम में इसके लिए एक नया नाम और सोशल मीडिया ट्रेंड बन गया है, जबकि भारत में इसके पीछे की आदत और विचार लंबे समय से मौजूद हैं।

2023 में सोशल मीडिया पर कैसे लोकप्रिय हुआ यह नाम : साइलेंट वॉकिंग की अवधारणा पुरानी है, लेकिन इसका नाम 2023 में सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हुआ। टिकटॉक क्रिएटर मैडी माओ ने बिना फोन, संगीत और पॉडकास्ट के 30 मिनट टहलने का अपना अनुभव साझा किया था। इसके बाद यह तरीका सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। धीरे-धीरे फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, नीदरलैंड और बेल्जियम समेत कई पश्चिमी देशों के युवाओं ने इसे अपनाना शुरू कर दिया। साइलेंट वॉकिंग के बढ़ते चलन में डिजिटल दुनिया से थोड़ी देर दूरी बनाने की कोशिश साफ दिखाई देती है।

ईरान पर होगी सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई: ट्रंप ने दी धमकी, मदद करने वाले देशों को चेताया; क्या बढ़ेगा तनाव

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त आर्थिक कार्रवाई की धमकी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को अमेरिका के साथ समझौता करने का सबसे बड़ा मौका दिया गया था। लेकिन उसने इसे गंवा दिया।

ट्रंप ने कहा, इस्लामी गणराज्य ईरान को किसी समझौते के लिए मुझसे ज्यादा बड़ा मौका किसी ने नहीं दिया। दुख की बात है कि उन्होंने इस मौके का फायदा नहीं उठाया। इसलिए आज मैं किसी भी देश के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई की घोषणा कर रहा हूं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है। उसकी वायु सेना नष्ट हो गई है। उसकी सैन्य फैक्टरियां मलबे में बदल गई हैं। ईरान की मुद्रा बेकार हो गई है और देश बेहद कमजोर स्थिति में है।

ईरान की मदद करने वाले देशों पर भी कार्रवाई : ट्रंप ने कहा कि जो भी देश ईरान को किसी भी तरह की आर्थिक मदद देगा, उसे भी बड़े आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इसमें वित्तीय संस्थान, कारोबार, हवाई अड्डे और सरकारी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने तेल की तस्करी, स्वैप लाइन, नकद लेनदेन, एक्सचेंज हाउस, जहाजों के पंजीकरण और ईरान की मदद करने वाली छिपी हुई (शेल) कंपनियों को तुरंत रोकने की बात कही।

सहयोगी देशों से अमेरिका के साथ आने की अपील : ट्रंप ने इसे ईरान के खिलाफ बड़े आर्थिक हमले का दिन बताया। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी देशों से ईरान को अलग-थलग करने और उसके खतरे को खत्म करने में साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईरान इस समय बेहद कमजोर स्थिति में है।

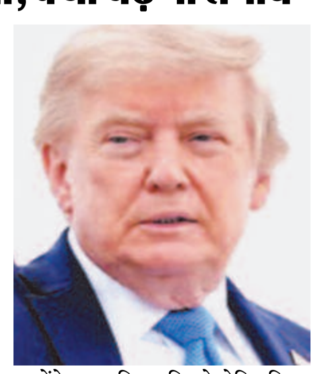

उन्होंने दावा किया कि ये ऐतिहासिक कदम ईरान को और दुनियाभर में आतंक फैलाने की उसकी क्षमता को बुरी तरह कमजोर कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा।

अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाया : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के पिछले हफ्ते इसी तरह बयान दिया था। बेसेंट ने कहा था कि अमेरिका ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिशें बढ़ाएगा। इस रणनीति में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी भी शामिल है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय %ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी% नाम से प्रतिबंध अभियान भी चला रहा है। इसका मकसद लक्षित कार्रवाई के जरिये ईरान के पैसे जुटाने के स्रोतों को बंद करना है। युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों के साथ हुई। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ईरान को सैन्य उपकरण और ड्रोन से जुड़ी तकनीक दी है। वहीं, चीन लगातार ईरान से तेल खरीद रहा है। चीन ने ईरान के साथ कारोबारी रिश्ते बनाए रखे हैं और उसे कूटनीतिक समर्थन भी दिया है।

कौन हैं अमेरिका की एफडीए प्रमुख बनने जा रहीं हेइडी ओवरटन, ट्रंप ने किया नामित, विवादों से भी रहा है नाता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस की वरिष्ठ अधिकारी डॉ. हेइडी ओवरटन को खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए का अगला आयुक्त बनाने के लिए नामित किया है। अगर अमेरिकी सीनेट उनकी नियुक्ति को मंजूरी देती है, तो वह इस बेहद महत्वपूर्ण संस्था की जिम्मेदारी संभालेंगी। एफडीएअमेरिका में दवाओं, वैक्सीन, चिकित्सा उपकरणों और खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और नियमन से जुड़े बड़े फैसले करता है। ओवरटन फिलहाल व्हाइट हाउस के घरेलू नीति परिषद में उपनिदेशक के पद पर हैं और ट्रंप प्रशासन की स्वास्थ्य नीतियों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं।

ओवरटन की पढ़ाई और करियर कितना मजबूत : हेइडी ओवरटन मेडिकल डॉक्टर हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको से मेडिकल की पढ़ाई की। इसके बाद जॉन्स हॉपकिन्स में जनरल सर्जरी का प्रशिक्षण लिया और क्लिनिकल जांच से जुड़ी उच्च शिक्षा भी हासिल की। ट्रंप प्रशासन में आने से पहले वह कंजर्वेटिव थिंक टैंक अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट में मुख्य नीति अधिकारी के रूप में काम कर चुकी हैं। यानी उनका अनुभव केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य नीति और राजनीतिक प्रशासन से भी जुड़ा रहा है।

ट्रंप के भरोसेमंद लोगों में कैसे शामिल हुईं : दूसरे कार्यकाल में ओवरटन ट्रंप की कई स्वास्थ्य योजनाओं में उनके साथ दिखाई दी हैं। दवा की कीमत कम करने, नई दवाओं को तेजी से मंजूरी देने और स्वास्थ्य नीति में बदलाव से जुड़े कई कार्यक्रमों में उन्होंने भूमिका निभाई है। ट्रंप ने उनके नाम की घोषणा करते हुए उन्हें बेहद सक्षम और भरोसेमंद अधिकारी बताया तथा तेज इलाज, चिकित्सा नवाचार और दवाओं की कम कीमत जैसे लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई। स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने भी ओवरटन के फैसले लेने की क्षमता और प्रशासनिक अनुशासन की तारीफ की है।

वैक्सीन नीति को लेकर क्यों उठे सवाल : ओवरटन की नियुक्ति का

सबसे विवादित पक्ष उनकी वैक्सीन नीति से जुड़ी भूमिका है। हाल में वह उस कार्यक्रम में ट्रंप के साथ खड़ी थीं, जिसमें बच्चों के टीकाकरण से जुड़ी नीति में बड़े बदलावों की घोषणा की गई थी। इसमें खसरा, कण्ठमाला और रूबेला यानी एमएमआर वैक्सीन को अलग-अलग टीकों में बांटने की योजना भी शामिल थी। चिकित्सा जगत के कई लोगों ने इस नीति पर सवाल उठाए हैं। इसी वजह से ओवरटन की एफडीएमें संभावित भूमिका को लेकर वैज्ञानिक और स्वास्थ्य क्षेत्र में बहस तेज हो गई है।

गर्भपात की दवाओं पर क्या है ओवरटन का रुख : ओवरटन गर्भपात की दवाओं को लेकर भी सख्त रुख रखती हैं। वह ऐसी दवाओं की उपलब्धता और ऑनलाइन इस्तेमाल से जुड़ी मौजूदा व्यवस्था की आलोचना कर चुकी हैं। अगर सीनेट से उनकी नियुक्ति मंजूर होती है, तो स्त्रष्ठ के सामने गर्भपात की दवाओं से जुड़े नियमों की समीक्षा भी एक बड़ा मुद्दा हो सकता है। अमेरिका में गर्भपात को लेकर पहले से ही राजनीतिक और कानूनी विवाद चल रहा है। इसलिए इस मुद्दे पर ओवरटन के फैसलों पर खास नजर रहेगी।

एफडीएको संभालते ही किन बड़ी चुनौतियों का सामना होगा : ओवरटन ऐसे समय एफडीए की कमान संभाल सकती हैं, जब संस्था पहले ही नेतृत्व और कर्मचारियों से जुड़ी बड़ी चुनौतियों से गुजर रही है। पूर्व आयुक्त डॉ. मार्टी मकारी ने मई में पद छोड़ दिया था। उनके कार्यकाल में ई-सिगरेट, गर्भपात की दवाओं और नई दवाओं की मंजूरी जैसे मुद्दों पर विवाद रहे। एफडीए में बड़ी संख्या में कर्मचारियों के जाने से भी संस्था पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में नई प्रमुख से प्रशासनिक स्थिरता और जनता का भरोसा बहाल करने की उम्मीद होगी।

क्या दवाओं की मंजूरी का तरीका भी बदल सकता है : एफडीए की एक बड़ी जिम्मेदारी नई दवाओं और चिकित्सा उत्पादों की जांच तथा मंजूरी देना है। ट्रंप प्रशासन तेज मंजूरी और चिकित्सा नवाचार को बढ़ावा देने की बात करता रहा है। दूसरी ओर, एफडीए से जुड़े वैज्ञानिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ सुरक्षा मानकों को लेकर सतर्क रहने की जरूरत पर जोर देते हैं। ओवरटन को इन दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। खासकर दुर्लभ बीमारियों की दवाओं, जैव-तकनीकी उत्पादों और नई चिकित्सा तकनीकों से जुड़े फैसले उनके सामने महत्वपूर्ण चुनौती होंगे। एफडीए केवल दवाओं और वैक्सीन तक सीमित नहीं है। खाद्य सुरक्षा भी उसकी जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन में स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने अल्ट्राप्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को लेकर लगातार सवाल उठाए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)